RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 104
नई दिल्ली, रविवार, 16 फरवरी, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कानून को अधिक असरदार बनाने की जरूरत
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

शपथ ग्रहण आज, गवाह बनेंगे दिल्ली के निर्माता

- सजे-धजे रामलीला मैदान में होगा भव्य समारोह, तीसरी बार सत्ता की कमान संभालेंगे केजरीवाल
- मंच पर बैठेंगे शिक्षा, चिकित्सा, आर्किटेक्चर, कृषि, परिवहन, निर्माण जैसे क्षेत्रों के 50 प्रतिनिधि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रामलीला मैदान में जोरशोर से जारी केजरीवाल सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल रविवार को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। रामलीला मैदान में पूरे जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। यूं तो समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी न्योता भेजा गया है लेकिन, इस बार 50 ऐसे आम लोग इस समारोह में खास मेहमान बनेंगे, जिन्होंने पिछले पांच साल में दिल्ली को संवारने के लिए केजरीवाल मॉडल के तहत दिन-रात काम किया। इन खास मेहमानों को 'दिल्ली के निर्माता' नाम दिया गया है।

जिन लोगों को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ मंच पर बैठाया जाएगा उनमें सफाई कर्मचारी, आशाकर्मी, किसान, बस चालक-परिचालक व मार्शल, प्रिंसिपल, शिक्षक, मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टर, इंजीनियर, आर्किटेक्चर, बाइक एम्बुलेंस राइडर्स और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह हर उस आम आदमी की बड़ी जीत है, जिसने केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस और केजरीवाल मॉडल ऑफ डेवलपमेंट के तहत दिल्ली को बेहतर बनाने में कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दिया, बेहतर सरकारी व्यवस्था का लाभ उठाया। सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा इस चुनाव में बड़ मुद्दा रहा, इसलिए समारोह में प्रिंसिपल, शिक्षक, कर्मचारी और स्कूल की व्यवस्था देखने वाले लोगों को भी बुलाया गया है। हालांकि भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता और कांग्रेस प्रवक्ता मुकेश शर्मा ने समारोह में शिक्षकों की अनिवार्य उपास्थिति को गलत बताया और इस संबंध में जारी किए गए सर्कुलर को वापस लेने की मांग की है। इस विवाद पर सिसोदिया ने कहा कि बड़ी संख्या में शिक्षकों के फोन आ रहे हैं कि वे भी शपथ ग्रहण समारोह में आना चाहते हैं और सरकार भी चाहती है कि बच्चों का भविष्य संवारने वालों को सम्मान मिले।

उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि जय भीम प्रतिभा विकास योजना का लाभ उठाने वाले छात्र, खेलों और अंतरराष्ट्रीय ओलम्पियाड में दिल्ली का नाम रोशन करने वाले बच्चे, फरिश्ते योजना के तहत दूसरों की भलाई के बारे में सोचने वाले लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। आग बुझाने के दौरान अपनी जान झोक देने वाले दमकल कर्मियों के परिजन भी बुलाए गए हैं। (शेष पेज 9)

शाह से मिलेंगे शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी, करेंगे पैदल मार्च

आज दोपहर 12 बजे धरना स्थल से निकलेगा जुलूस

सपना सिंह। नई दिल्ली

महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों ने फैसला किया है कि गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए वे संशोधित नागरिकता संशोधन (सीएए) के खिलाफ पैदल मार्च में शामिल होंगे। यह मार्च रविवार दोपहर 12 बजे से शाहीन बाग प्रदर्शन स्थल से शुरू होगा।

शाहीन बाग में बीते दो महीने से संशोधित नागरिकता कानून (सीएए), राष्ट्रीय नागरिकता पंजी (एनआरसी) और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के खिलाफ प्रदर्शन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों में अधिकतर महिलाएं हैं। शाहीन बाग प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को कहा कि वे नए नागरिकता कानून को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त करने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए तैयार हैं लेकिन बातचीत के लिए बुलाना सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन नेता विहीन है और यह गृह मंत्री पर निर्भर करता है कि वह बातचीत के लिए किन्हें बुलाना चाहते हैं। पायनियर से बातचीत में एक प्रदर्शनकारी मेराज ने कहा कि प्रदर्शन नेतृत्व विहीन है। लेकिन जैसे ही यह पता चला कि शाह प्रदर्शनकारियों से मिल सकते हैं। कई बैठकें की गई और प्रदर्शकारियों के बीच एक समझौता पत्र पर (शेष पेज 9)

फाइल फोटो

चेन्नई की घटना पर दिल्ली में प्रदर्शन

नई दिल्ली। सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों पर चेन्नई पुलिस के कथित लाठीचार्ज को लेकर यहां शनिवार को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों समेत लोगों के एक समूह ने तमिलनाडु भवन के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के इस छोटे समूह में कुछ युवतियां भी शामिल थीं। उन्होंने बिहार भवन से तमिलनाडु भवन की ओर मार्च निकालने की कोशिश की और तमिल में भाजपा विरोधी एवं आरएसएस विरोधी नारे लगाए।पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने जैसे ही चाणक्यपुरी स्थित तमिलनाडु भवन की ओर जुलूस निकालने की कोशिश की, उन्हें हिरासत में ले लिया गया। बाद में महिलाओं समेत कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया गया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (दिल्ली) दीपक यादव ने कहा कि 27 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर निकटतम थाने ले जाया गया, जिनमें से सात महिलाएं हैं। बाद में सभी को छोड़ दिया गया। जामिया संयोजन समिति ने यहां प्रदर्शन का आह्वान किया था। चेन्नई में शुक्रवार को नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में मुस्लिमों का प्रदर्शन पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के बाद हिंसक हो गया था।

बाजार

संसेक्स	41,257	↓	202	
निफ्टी	12,113	↓	61	
सोना	41,481	↑	75	/10g
चांदी	47,036	↑	147	/kg

क्विक न्यूज

एजीआर बकाया चुकाने को तैयार हुई वोडाफोन

नई दिल्ली। कर्ज के बोझ से दबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने कहा कि कंपनी इस बात का मूल्यांकन कर रही है कि वह समायोजित सकल आय (एजीआर) के तहत कितनी बकाया राशि का भुगतान कर सकती है। वह उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार एजीआर बकाए का भुगतान करने की तैयारी कर रही है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि भारत मे कारोबार जारी रखने का फैसला उच्चतम न्यायालय के निर्णय मे संशोधन के लिए दायर याचिका के परिणाण पर निर्भर करेगा। वोडाफोन आइडिया ने बीएसई को बताया, कंपनी इस समय मूल्यांकन कर रही है कि वह दूरसंचार विभाग को एजीआर पर आधारित बकाए की कितनी राशि का भुगतान कर सकती है। वोडाफोन आइडिया ने कहा, कंपनी अगले कुछ दिनों में मूल्यांकन की गई राशि को चुकाने की पेशकश करती है।

जेवर एयरपोर्ट निर्माण के लिए कटेंगे 12 हजार पेड़

- 14 तालाब भी पाटे जाएंगे, यूपी सरकार एक लाख से अधिक पौधे लगाकर करेगी भरपाई

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के एक एक्सपर्ट पैनल ने उत्तर प्रदेश के ग्रीन फील्ड जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जीजेआईए) के निर्माण के लिए हरी झंडी दे दी है। इसके चलते करीब 12,000 पेड़ों को काट दिया जाएगा तथा 14 जलाशयों को पाट दिया जाएगा। मंत्रालय स्थित सूत्रों के मुताबिक कुल 11,282 पेड़ कटेंगे जबकि 178 पेड़ों को दूसरी जगह पर 1,334 हेक्टेयर प्रस्तावित साइट पर पुनर्स्थापित किया जाएगा। इसकी भरपाई के लिए एक्सपर्ट एप्रेजल कमेटी (ईएसी) ने राज्य सरकार से कहा है कि वह समयबद्ध तरीके से अनिवार्य पौधरोपण के तहत 1,12,820 पौधे लगाए और यह सुनिश्चित करे कि वे बचे रहे।

दो चरणों में बनने वाले देश के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए 14 जलाशयों को पाटने के एवज में योगी सरकार ने एयरपोर्ट की चारदीवार के बाहर बंजर जमीन (कुछ छह हेक्टेयर) पर नौ नए तालाब बनाने का प्रस्ताव दिया है। ईएसी ने राज्य सरकार से यह भी कहा है कि वह पक्षियों के संरक्षण पर देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के साथ मिलकर मंजूरी दिए जाने के छह माह के भीतर एक योजना सौंपे। डब्ल्यूआईआई वैज्ञानिकों द्वारा एक माह के सर्वे के बाद सौंपी गई रिपोर्ट से लगता है कि जिस स्थान पर एयरपोर्ट बनना है वह वन्य जीवों से भरपूर स्थान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने (शेष पेज 9)

भारत ने कश्मीर मुद्दा उठाने पर तुर्की के राष्ट्रपति की आलोचना की, कहा

हमारे आंतरिक मामलों से दूर रहें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन

पाकिस्तान की संसद को संबोधित करने के दौरान कश्मीर मुद्दा उठाने को लेकर भारत ने शनिवार को तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन की आलोचना की और उनसे भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने से दूर रहने को कहा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बारे में तुर्की के राष्ट्रपति द्वारा दिए गए सभी वक्तव्यों को भारत खारिज करता है।

साथ ही, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और यह उससे कभी अलग नहीं किया जा सकता। एर्दोआन ने शुक्रवार को पाकिस्तान की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कश्मीरियों के संघर्ष की तुलना प्रथम विश्व युद्ध के दौरान विदेशी शासन के खिलाफ तुर्की के लोगों की लड़ाई से की थी। तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा था कि कश्मीरियों ने दशकों से काफी पीड़ा झेली है तथा हाल के समय में एकतरफा कदम उठाए जाने के बाद उनकी पीड़ा और बढ़ गई है। उनका इशारा पिछले साल भारत द्वारा जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने की ओर था। कुमार ने कहा, भारत जम्मू-कश्मीर के संबंध में दिए गए सभी बयानों को खारिज करता है। यह भारत का अभिन्न अंग है, जो उससे कभी अलग नहीं किया जा सकता। वह कश्मीर पर एर्दोआन की टिप्पणी और तुर्की एवं पाकिस्तान के संयुक्त बयान में उसका जिक्र किए जाने को लेकर किए गए सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, हम तुर्की के नेतृत्व से अपील करते हैं कि वह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप ना करे और भारत तथा क्षेत्र में पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद के गंभीर खतरे सहित सारे तथ्यों की सही समझ बनाए।

गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में एर्दोआन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान कश्मीर मुद्दा उठाया था। पिछले साल अगस्त में भारत ने जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेने और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने के अपने फैसले का एलान किया था। पाकिस्तान ने इस कदम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी और भारतीय उच्चायुक्त को वापस भेजकर भारत के साथ अपना राजनयिक संबंध कमतर कर लिया था। पाकिस्तान ने इस मुद्दे पर भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग जुटाने की विफल कोशिश की थी।

पंजाब में स्कूल वैन में आग लगी, चार बच्चे जिन्दा जले

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंजाब के संगरूर जिले में शनिवार को एक स्कूल वैन में आग लगने से चार बच्चे जिंदा जल गए। पुलिस ने बताया कि घटना लोंगोवाल-सिडसमाचार रोड पर हुई और हादसे के समय वैन में 12 बच्चे सवार थे।

उन्होंने बताया कि आठ बच्चों को नजदीक के खेतों में काम कर रहे लोग सुरक्षित निकालने में कामयाब रहे। हालांकि 10 से 12 साल की उम्र वाले चार बच्चों को नहीं बचाया जा सका।

इस बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने पूरी घटना की मजिस्ट्रेट से जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने ट्वीट किया, संगरूर में स्कूल वैन में लगी आग में चार बच्चों की मौत की खबर को सुनकर दुखी हूं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। संगरूर के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक घटनास्थल

- मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

पर हैं और मैंने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

पुलिस ने बताया कि तत्काल वैन में आग लगने की वजह का पता नहीं चला है। उन्होंने बताया कि हादसे के समय बच्चे स्कूल से घर लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि वैन के चालक ने आग लगने पर दरवाजा खोलने की कोशिश की लेकिन असफल रहा।

प्रेमी के साथ नाबालिग बेटी ने कांस्टेबल मां का गला घोंटा

- दिल्ली पुलिस में थी तैनात, रोकटोक से नाराज हो लड़की ने दिया घटना को अंजाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्यार की राह में बाधा बनी मां को उसकी नाबालिग बेटी ने अपने प्रेमी संग मिलकर मौत के घाट उतार दिया। लड़की की मां दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल थी। पुलिस ने नाबालिग बेटी और उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत महिला लिंक रोड क्षेत्र में डबल स्टोरी मकान में अपने परिवार के साथ रहती थी।

कक्षा 10 की छात्रा उसकी बेटी का साथ पढ़ने वाले एक छात्र से प्रेम संबंध था। पुलिस की जांच में पता चला है कि मां अपनी बेटी को उसके प्रेमी से दूर रहने के लिए कह रही थी। इस बात को लेकर उसे कई बार डांटा भी था। इससे नाराज नाबालिग बेटी ने सहपाठी के साथ मिलकर मां की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी। सीओ चतुर्थ डॉ. राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना का पता शनिवार की सुबह चला। जब मृतका का पति घर पर पहुंचा और उसने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस की जांच में यह उजागर हुआ है कि महिला की हत्या शुक्रवार की शाम ही कर दी गई थी और इस घटना को अंजाम मृतका की बेटी ने अपने कथित नाबालिग प्रेमी के साथ मिलकर अंजाम दिया है। इस घटना ने यह सोचने को मजबूर कर दिया है कि आज का समाज किधर जा रहा है?

रनवे पर जीप, विमान ने तय स्थान से पहले किया टेक ऑफ

पुणे एयरपोर्ट पर टला हादसा

- टक्कर से बचने के लिए पायलट ने दिखाई सूझबूझ, प्लेन को मामूली नुकसान-दिल्ली में हुई सफल लैंडिग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पुणे हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि इस घटना में एयर इंडिया के विमान को मामूली नुकसान पहुंचा है। हादसा उस समय हुआ जब उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान अचानक एक व्यक्ति जीप लेकर रनवे पर आ गया, जिसके चलते पायलट ने टक्कर से बचने लिए तय स्थान से पहले टेक ऑफ कर लिया। विमान का निचला हिस्सा मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया लेकिन उसने दिल्ली में सफलतापूर्वक लैंडिंग की।

विमान के निचले हिस्से को मामूली नुकसान पहुंचा

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारी ने कहा कि जब एयर इंडिया का ए 321 विमान शनिवार सुबह पुणे हवाई अड्डा से उड़ान भर रहा था तब यह घटना घटी। हालांकि इस घटना के बावजूद विमान दिल्ली हवाई अड्डा पर सुरक्षित उतर गया। अधिकारी ने बताया कि विमान टेक ऑफ के लिए पूरी तरह से तैयार था और रनवे पर काफी रफ्तार से आगे बढ़ रहा था। पायलट ने रनवे पर एक शख्स और एक जीप को खड़े देखा। टक्कर से बचने के लिए पायलट ने तय जगह से पहले प्लेन को टेक ऑफ करने का फैसला किया।

अधिकारी ने कहा कि एयर इंडिया को कॉकपिट स्थित वॉयस रिकॉर्डर देने के लिए कहा गया है ताकि घटना के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। एक अन्य अधिकारी ने घटना की प्रारंभिक जांच के बाद बताया कि विमान को जांच के लिए सेवा से हटा दिया गया है। एयर इंडिया को पुणे एटीसी (हवाई यातायात नियंत्रण) के साथ जांच में सहयोग के लिए कहा गया है। रनवे पर भी सबूतों की छानबीन की जा रही है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने इस बारे में बताया कि विमान के निचले हिस्से पर कुछ निशान आए हैं। इस विमान को जांच के लिए फिलहाल सेवा से बाहर कर दिया गया है। एयरलाइन्स जांच अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही है।

सिंधिया की चेतावनी पर कमलनाथ के तेवर तल्ख

- समन्वय समिति की बैठक में पार्टी नेताओं के बयानों पर हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कमलनाथ

ज्योतिरादित्य सिंधिया

मध्य प्रदेश में सरकार और कांग्रेस संगठन के बीच बेहतर तालमेल के लिए गठित समन्वय समिति की शनिवार को यहां बैठक हुई जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं कुछ अन्य नेताओं के बयानों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सिंधिया की कथित चेतावनी को लेकर तल्ख तेवर दिखाए। सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरने की चेतावनी वाले सिंधिया के बयान के बारे में पूछे जाने पर कमलनाथ ने संवाददाताओं से दो टूक कहा, तो उतर जाएं। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में कमलनाथ सरकार को किसान कर्जमाफी को लेकर कथित तौर पर चेतावनी देने से जुड़े सिंधिया के एक बयान सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, पार्टी के प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया, वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया और कुछ अन्य नेता शामिल हुए।

सूत्रों ने बताया कि सिंधिया बैठक के खत्म होने से पहले निकल गए जिसको लेकर (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 16 फरवरी 2020

कुमार विश्वास की फार्च्यूनर कार चोरी, घटना सीसीटीवी में कैद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर तीन से कवि कुमार विश्वास के घर के बाहर खड़ी फार्च्यूनर कार शनिवार रात डेढ़ बजे चोर चुराकर गए। पुलिस ने कार की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंशु जैन ने शनिवार को बताया कि जाने माने कवि कुमार विश्वास अपने परिवार के साथ वसुंधरा सेक्टर तीन में रहते है।

शनिवार रात सेक्टर तीन स्थित उनके घर के बाहर एक काले रंग की कार में सवार होकर कुछ बदमाश पहुंचे और घर के बाहर खड़ी उनकी फार्चूनर कार चोरी कर ले गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में काली कार में आए चोर कार ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंशु जैन ने बताया है कि कुमार विश्वास के मैनेजर वरदान शर्मा की तरफ से शिकायत आई है।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है। पुलिस आसपास के लगे और सीसीटीवी को खंगाला है।

'महानगरों में बने गायों के लिए हॉस्टल'

जैविक खेती होगी सरल, शहरों में गोपालन भी होगा आसान : कृषि राज्य मंत्री

पुरुषोत्तम रुपाला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

केंद्र सरकार में कृषि राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला चाहते हैं कि देशभर के सभी महानगरों के बीच में गायों के लिए हॉस्टल बनाए जाने चाहिए। केंद्रीय मंत्री का कहना है कि महानगरों के बीच में गायों के रहने के लिए काउ हॉस्टल बनाने से जैविक किस्म की खेती भी सरल हो जाएगी।

रुपाला नोएडा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए जहां उन्होंने यह बातें कहीं। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने कहा देश के सभी महानगरों

- रसायन के प्रयोग से जमीन की उर्वरता को हुआ नुकसान

के बीच में काउ हॉस्टल बनाने की आवश्यकता है, ताकि महानगर में भी गाय पालना आसान हो सके। उन्होंने कहा, महानगर के बीच में गायों का हॉस्टल बनाने से जैविक खेती आसान हो जाएगी। गायों के हॉस्टल इसलिए भी आवश्यक हैं ताकि लोग जैविक किस्म की खेती कर सकें। पुरुषोत्तम रुपाला नोएडा में 16 फरवरी तक चलने वाले मल्टी लेयर फार्मिंग प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे थे।

इस शिविर में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा भारत में पहले से ही जैविक खेती होती थी। बस किसानों को समझाने की आवश्यकता है। हम सब को किसान की आय दुगनी कैसी हो, इसके बारे में सोचना चाहिए। इसके लिए एक संगठन खड़ा करने की आवश्यकता है। हम सबको मिलकर किसानों के लिए काम करना होगा। इस दौरान मल्टी लेयर खेती एक्सपर्ट आकाश चौरसिया ने बताया कि रसायन का प्रयोग हरित क्रांति के दौरान पैदावर बढ़ाने के लिए था, लेकिन हमने लालच में आकर अति कर दिया।

हमें प्रकृति को बचाने के लिए जैविक खेती करनी होगी। आकाश ने कहा हमारे देश में और पूरे विश्व में पानी की लगातार कमी हो रही है जिससे निजात पाने के लिए मल्टी लेयर फार्मिंग करने की जरूरत है। इस से पानी का वाष्पिकरण 70.80 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

निगम का चला पीला पंजा, अवैध मकान ध्वस्त

- स्थानीय लोगों ने ध्वस्तीकरण का जमकर विरोध किया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी में अवैध निर्माण ढहाता जीडीए का बिल्डोजर

लोनी थाना क्षेत्र स्थित खड़खड़ी रोड पर अवैध रूप से बनाए गए दर्जनों मकानों को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण जीडीए के प्रवर्तन दल ने शनिवार को ध्वस्त कर दिया।

हालांकि इस दौरान स्थानीय लोगों ने ध्वस्तीकरण का जमकर विरोध किया, लेकिन जीडीए की टीम ने किसी तरह का इस टकराव को नियंत्रित किया और तमाम निर्माणों को एक ही झटके में जमींदोज कर दिया। इसके अलावा वैशाली में भी जीडीए ने मानकों के विपरीत बनाए गए भवनों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की है।

जीडीए सचिव संतोष कुमार राय ने शनिवार की शाम को बताया कि मानकों के खिलाफ बनाए गई इमारतों के खिलाफ पूरे महानगर में अभियान चलाया हुआ है। उन्होंने कहा कि यह जनता के हित में है। अवैध निर्माण के कारण ही आए दिन हादसे होते हैं और निर्दोष लोगों की जाने जाती हैं। यहां पर कई दर्जन मकान तोड़े गए जो अवैध रूप से बनाए गए थे। इसके अलावा सेक्टर वैशाली में भी अवैध निर्माण को गिराया गया है।

बीड़ी की चिंगारी से लगी पटाखों में आग, झुलसा

हापुड़। सिटी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला त्यागी नगर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।

घर में दीपावली के रखे पटाखों पर बीड़ी पीते वक्त चिंगारी पहुंचने से विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से करीब 42 वर्षीय युवक पंकज पाठक घायल हो गया, जिसको पड़ोसी व घर वालों ने आनन-फानन में हापुड़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घायल की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सको ने दिल्ली के लिए रेफर कर दिया है। सिटी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला त्यागी नगर में पाठक आटा चक्की के नाम से एक दुकान घर में ही है। कुछ पटाखे एक कोने में रखे हुए थे। पंकज ने जैसे ही बीड़ी पीने के लिए माचिस की तीली जलाई तो एक चिंगारी उड़कर पटाखों पर जा गिरी और विस्फोट हो गया।

सोमवार से घर-घर जाकर खोजे जाएंगे टीबी के मरीज

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद

जानलेवा क्षय रोग टीबी की बीमारी का जिले से समूल नष्ट करने के लिए क्षय रोग विभाग 17 फरवरी से 29 तक बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने जा रहा है।

अभियान के दौरान क्षय रोग विभाग की टीमें घर-घर दस्तक देकर टीबी के मरीज खोजेंगी और लोगों को इस बीमारी के लक्षण, जांच और उपचार के बारे में जानकारी देंगी। शनिवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में जिला क्षय रोग अधिकारी डा. जेपी श्रीवास्तव ने बताया अभियान में 140 टीमें लगाई गई हैं। हर टीम में तीन सदस्य होंगे। पूरे जनपद में तैयार किए गए माइक्रो प्लान के मुताबिक संवेदनशील क्षेत्रों साहिबाबाद, पसौंडा, भोपुरा, लोनी, मंडोला, खोड़ा कालोनी, विजयनगर घूकना, मुरादनगर, मोदीनगर, कलछीना और फरीदनगर में तीन लाख, 60 हजार लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

जिला क्षय रोग अधिकारी डा. जेपी श्रीवास्तव ने बताया सक्रिय टीबी खोज अभियान के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनके गुप्ता की ओर से नौ नोडल मेडिकल अफसर नामित किए गए हैं। नोडल के रूप में एसीएमओ और डिप्टी सीएमओ के डयूटी लगाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में डा. विवका व केवल कृष्ण।

हार्ट का ऑपरेशन अब बिना सर्जरी के संभवः डॉ. विवेका

नोएडा। ह्दय रोगियों के लिए वॉल रिप्लेसमेंट का इलाज अब सर्जरी किये बिना संभव हो गया है। साथ ही हार्ट खराब होने पर आर्टिफिशल हार्ट सर्जरी की जा रही है, यह सर्जरी मैक्स हॉस्पिटल साकेत दिल्ली में अब तक 25 लोगों की की जा चुकी है। यह जानकारी शनिवार को नोएडा मीडिया क्लब सेक्टर 29 में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान डॉ विवेका कुमार, वरिष्ठ निदेशक ह्दय रोग विभाग मैक्स अस्पताल, साकेत एवं डॉ केवल कृष्ण ने दी। उन्होंने बताया कि अब नई तकनीक के इजाद होने से बगैर हार्ट को ओपेन किये बिना उसे बदल सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस तकनीकी से 90 साल उम्र के व्यक्ति भी इसका लाभ ले सकते हैं, जबकि पहले ऐसा संभव नहीं था। यह एक चमत्कारी प्रयोग है। डॉ विवेका कुमार ने कहा कि नई तकनीक एक सुरक्षित प्रक्रिया, कम मृत्यु प्रतिशत, अस्पताल से जल्दी छुट्टी एवं स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे पर कम खर्च एवं हाई बोझ रिस्क मरीजों का बिना ऑपरेशन वाल्व रिप्लेसमेंट एक गेम चेंजर है।

पूर्व भाजपा विधायक नरेंद्र सिसोदिया का निधन

गाजियाबाद। मोदीनगर से तीन बार भाजपा विधायक रहे नरेंद्र सिसोदिया (70वर्ष) का शनिवार सुबह को ह्दय गति रुकने से निधन हो गया। इन दिनों वह केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह के प्रतिनिधि थे। वह अपने परिवार के साथ आरडीसी राज नगर में रहते थे। सुबह अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई और उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। सिसोदिया के देहांत की सूचना मिलने पर उनके राजनगर स्थित आवास पर विभिन्न पार्टी के नेताओं का तांता लगा हुआ है। सिसोदिया मोदीनगर विस क्षेत्र से तीन बार भाजपा के विधायक रहे थे।

राज्य कर्मचारियों ने प्रशासन को चेताया

गाजियाबाद। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष देवव्रत चौधरी ने जिले के प्रशासनिक अधिकारियों पर कर्मचारियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। चौधरी ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल से मिले थे। इस दौरान भरोसा दिया है कि एक सप्ताह के अंदर कर्मचारियों से संबंधित समस्याओं का निराकरण करा दिया जाएगा। इससे पहले भी कई बार भरोसा दिया था लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं कराया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

नपा चेयरमैन ने विकास कार्यों का किया उद्घाटन

लोनी। नगर पालिका क्षेत्र के कई वार्डो में करोड़ों रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का लोनी नगर पालिका चेयरमैन द्वारा नारियल फोड़ कर उद्घाटन किया। नपा चेयरमैन रंजीता धामा ने लगभग 5 वार्डों में करोड़ों रुपए से बनने वाली नाली खरंजा के विकास कार्यों का उद्घाटन किया, जिसमें वार्ड नंबर 2 उत्तरांचल कॉलोनी वार्ड नंबर 8 राज नगर कॉलोनी वार्ड नंबर 31 आर्य नगर वार्ड नंबर 36 विकास कार्य कराए जाएंगे। वहीं नगर पालिका अध्यक्षा ने कॉलोनी वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार एकमात्र ऐसी सरकार है जो समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए बिना किसी भेदभाव के कार्य करती है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

शपथ के फौरन बाद गारंटी कार्ड पर होगा काम

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कैबिनेट सहयोगियों के साथ डिनर पर बनाया भविष्य का रोडमैप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शपथ ग्रहण की पूर्व संध्या पर आप संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ रात्रिभोज किया और राष्ट्रीय राजधानी के विकास के रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की। दिल्ली के विकास के प्राथमिकता वाले मुद्दों पर गहन बातचीत हुई और सरकार द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सूची भी तैयार कर ली गई। इस डिनर में दिल्ली को 21वीं सदी का एक वैश्विक शहर बनाने के मकसद से खाका तैयार किया गया।

आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने बताया कि डिनर में कैबिनेट सहयोगियों के साथ मुख्यमंत्री के दस गारंटी कार्ड पर चर्चा हुई। सीएम ने निर्देश दिया कि शपथ के तुरंत बाद गारंटी कार्ड के एक-एक बिंदू पर बिना समय गंवाए शिद्दत से काम शुरू किया जाए। सरकार का पूरा फोकस इन योजनाओं को पूरा करने में रहेगा।

कुछ चीजें तुरंत शुरू होंगी और कुछ में अभी समय लगेगा। जिन पर प्राथमिकता से काम किया जाएगा, उनमें सबको 24 घंटे 200 यूनिट मुफ्त बिजली की योजना जारी रहेगी जारी। तारों के जंजाल का अंत होगा, हर घर तक भूमिगत बिजली केबल पहुंचेगी। हर घर नल का जल, हर परिवार को 20 हजार लीटर मुफ्त पानी मिलता रहेगा।

बच्चों के लिए होगी विश्वस्तरीय शिक्षा की व्यवस्था। प्रदूषण से निपटने पर भी अभी से काम शुरू होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शपथ ग्रहण समारोह के लिए रामलीला मैदान को दुल्हन की तरह सजाया और संवारा गया है।

शनिवार को दिन भर तमाम अधिकारी और आम आदमी पार्टी के नेता-कार्यकर्ता कार्यालय से रामलीला मैदान तक दौड़ते-भागते रहे। बस, कोशिश यही कि आम लोगों के लिए आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में कोई कमी न रह जाए। आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के फोटो के साथ जगह-जगह 'धन्यवाद दिल्ली' लिखे विशाल होर्डिंग लगाए गए हैं। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह को दिल्ली केंद्रित रखा गया है।

रामलीला मैदान में होने वाली शपथग्रहण की पूर्व सांध्या पर संभावित मंत्रियों के साथ चर्चा करते अरविंद केजरीवाल।

गोपाल राय ने लिया तैयारियों का जायजा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय शनिवार को रामलीला मैदान में रविवार को होने वाले शपथ ग्रहण की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यहां पर तैयारियां देख रहे लोगों से बातचीत की। संबंधित अधिकारियों से उन्होंने लोगों को मिलने वाली सुविधाएं की जानकारी ली और कुछ निर्देश भी दिए।

गोपाल राय ने मीडिया से बातचीत में दावा कि कल यहां लगभग एक लाख लोग पहुंच सकते हैं। सरकार ने उनके लिए पूरी व्यवस्था कर दी गई है।

बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

नई दिल्ली। रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के मद्देनजर रविवार को बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होगी। अधिकारियों ने बताया कि समारोह सुबह 10 बजे से शुरू होगा। सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक इलाके में यातायात नियम लागू रहेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ समेत अर्धसैनिक बलों के 2,000 से 3,000 जवान चाक-चौबंद सुरक्षा के लिए तैनात रहेंगे।

शिक्षकों को बुलाने पर विपक्ष हुआ लाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल के शपथ ग्रहण में दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों के शिक्षकों और प्रिंसिपल्स और अधिकारियों को बुलाए जाने का मामला गर्माता रहा है।

शिक्षा निदेशालय का एक सकुर्लर जारी होने के बाद विपक्षी दलों भाजपा और कांग्रेस ने केजरीवाल सरकार पर हमला बोला है। वहीं दिल्ली गवर्नमेंट स्कूल टीचर्स एसोसिएशन ने शिक्षा निदेशालय पत्र लिखकर मांग की है कि इस आदेश को अनिवार्य न बनाया जाए। इसे सिर्फ एक न्योता रहने दिया जाए ताकि शिक्षक अपनी इच्छानुसार इस समारोह में शामिल हो सकें।

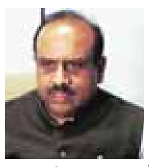

विजेंद्र गुप्ता

मुकेश शर्मा

नवनिर्वाचित विधायक विजेंद्र गुप्ता केजरीवाल को पत्र लिखकर उनसे उस परिपत्र को वापस लेने का अनुरोध किया जिसमें शपथ ग्रहण समारोह में सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है। पार्टी प्रवक्ता मुकेश शर्मा ने ट्वीट कर कहा कि यह स्पष्ट है कि शपथ ग्रहण में भीड़ जुटाने को शक्ति का दुरुपयोग हो रहा है। गुप्ता की आपत्ति पर दिल्ली डायलॉग एवं डेवलपमेंट कमिशन के उपाध्यक्ष जस्मीन शाह ने कहा कि शिक्षक और प्राचार्य पिछले पांच सालों में दिल्ली के बदलाव के शिल्पी हैं। वे शपथ ग्रहण समारोह में बुलाए जाने के के हकदार हैं।

रामलीला मैदान के आसपास सड़कें रहेंगी बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के चलते दिल्ली पुलिस ने यातायात व्यवस्था को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

रामलीला मैदान में आसपास सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक यातायात प्रतिबंधित रहेगा। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए राजघाट चौक और दिल्ली गेट चौक से जेएलएन मार्ग होते हुए गुरुनानक देव चौक जाने वाले सभी कमर्शियल गाड़ियों और बसों के प्रवेश पर रोक रहेगी। रविवार को चट्टा रेल होकर दिल्ली गेट चौक से नेताजी सुभाष मार्ग, अजमेरी गेट से डीबीजी मार्ग होते हुए पहाड़गंज चौक, रामचरण अग्रवाल चौक से बहादुर शाह जफर मार्ग होते हुए दिल्ली गेट चौक, डीडीयू मिंटो रोड से विवेकानंद मार्ग होते हुए कमला मार्केट और बाराखंबा टॉलस्टॉय, रंजीत सिंह फ्लाईओवर पर भी बड़े वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। यातायात परामर्श में कहा गया है कि रविवार को कारों को सिविक सेंटर और उसके पीछे पार्किंग की व्यवस्था की गई है। वहीं बसों को माता सुंदरी मार्ग, पावर हाउस मार्ग, वेलोड्रोम मार्ग, राजघाट पार्किंग, शांति वन पार्किंग और जरूरत के अनुसार राजघाट तथा समता स्थल में पार्क किया जा सकता है।

ओबी वैन जेएनयू मार्ग, रामलीला मैदान के सामने और पीछे, मैदान के द्वार संख्या दो और कमला मार्केट के आस-पास पार्क किए जाएंगे।

● दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

संक्षिप्त समाचार

यूनानी डे के मौके पर सांसद गुलाब नबी आजाद व अन्य

'भावी पीढ़ियों को हकीम अजमल खां के बारे में बताएं'

नई दिल्ली। राजधानी के लोधी रोड स्थित इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में यूनानी डे मनाया गया। इस मौके पर राज्यसभा में नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद, मलेशिया के राजदूत दातो हिदायत अब्दुल हामिद, पदमश्री प्रोफेसर अख्तरुल वासे मौजूद रहे। इस दौरान यूनानी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चिकित्सकों और समाजसेवी व पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर गुलाम नबी आजाद ने हकीम अजमल खां को याद करते हुए कहा कि चिकित्सा के माध्यम से समाज की सेवा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हम आने वाली पीढ़ियों को हकीम अजमल खां के बारे में बताए। मलेशिया के उच्चायुक्त दातू हिदायतुल हामिद ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी तथा भारत और मलेशिया के बीच अच्छे संबंधों मजबूत बताते हुए कहा कि दोनों देशों के प्राचीन सांस्कृतिक संबंध हैं। हकीम अजमल खां मेमोरियल सोसाइटी के रूह-ए-रवां डॉक्टर असलम जावेद की अगुवाई में यह कार्यक्रम चला।

तुगलकाबाद एक्सटेंशन में एटीम चोरी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में एक एटीएम को कुछ लोगों ने चुरा लिया। पुलिस को शनिवार सुबह चोरी के बारे में सूचना मिली जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। शुरुआती जांच में पता चला कि कुछ लोग चार पहिया वाहन में स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) लेकर भाग गए। पुलिस उपायुक्त, आर पी मीणा के अनुसार गोविंदपुरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीमें संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही हैं। आरोपियों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रहा है।

रोहित तिवारी को पत्नी ने हताशा में आकर मार डाला

नई दिल्ली। रोहित शेखर तिवारी की मां ने शनिवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एन डी तिवारी के बेटे की हत्या उसकी पत्नी अपूर्वा शुक्ला ने अपनी साजिश में कामयाब न होने पर हताशा में की थी। रोहित शेखर की मां उज्ज्वला तिवारी ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप यादव के सामने इस हत्याकांड में सरकारी गवाह के रूप में अपना बयान दर्ज कराने के दौरान यह बात कही। उज्जवला तिवारी ने आरोप लगाया कि रोहित की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार की गई शुक्ला ने उससे इसलिए शादी की थी क्योंकि वह एक दिवंगत दिग्गज नेता का बेटा था और उसे विश्वास था कि शादी करने के बाद उसे इंदौर से चुनाव लड़ने के लिए टिकट मिल जाएगा। शादी के तत्काल बाद रोहित और उसकी पत्नी के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए और वह छोटी-छोटी बातों पर उससे झगड़ती थी।

पार्क होटल में लगी आग, दो विदेशी अस्पताल में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लुटियन दिल्ली स्थित द पार्क होटल के बेसमेंट में शनिवार दोपहर आग लग गई। इस घटना के बाद दो नार्वे के नागरिकों समेत तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। धुएं में घिर जाने से उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नई दिल्ली) दीपक यादव ने बताया कि घटना सुबह करीब नौ बजे की है। हालांकि, अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि विभाग को दोपहर करीब 12.25 बजे पुलिस से आग की सूचना मिली। इसके बाद आग पर काबू पाने के लिए पांच दमकल गाड़ियां वहां भेजी गईं।

आग बुझाते दमकलकर्मी

एक वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि दमकल के पहुंचने से पहले ही होटल के कर्मचारियों ने अग्निशमकों की सहायता से आग पर काबू पा लिया था। हालांकि आग पर नियंत्रण के बाद इमारत में धुआं भर गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि होटल में ठहरे किसी व्यक्ति को कोई गंभीर चोट नहीं आई। पुलिस ने कहा कि अग्निशमन विभाग और पुलिस को घटना की जानकारी होटल प्रबंधन ने नहीं दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि होटल में 11 विदेशी नागरिक ठहरे हुए हैं जिनमें से नौ की प्राथमिक चिकित्सा की गई जबकि नार्वे के दो नागरिकों आब्दी बशीर और जोशिम क्रान को सांस लेने में दिक्कत होने पर अस्पताल (गंगा राम अस्पताल) में भर्ती कराया गया।

बंगाली बस्ती में आग झुग्गियां राख

नई दिल्ली। बंगाली बस्ती में स्थित झुग्गियों में शाम आग लग गई। दमकल सेवा के अधिकारी ने बताया कि किसी के भी हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्हें शाम सात बजे के आसपास फोन आया, जिसके बाद 12 दमकलों को घटनास्थल पर भेजा गया।

डीएसएलएसए ने बेसहारा बच्चों का कराया पुनर्वास

नई दिल्ली। रोहिणी जिला अदालत द्वारा आयोजित सप्ताह भर चले पुनर्वास अभियान के तहत दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने उत्तरी दिल्ली के मधुबन चौक और आसपास के क्षेत्रों में कम से कम 21 बेसहारा एवं बेघर बच्चों की पहचान की है।

रोहिणी जिला अदालत द्वारा जारी एक वक्तव्य के अनुसार 31 जनवरी से सात फरवरी तक आयोजित किए ये अभियान के तहत नौ बच्चों का दाखिला अस्थाई रूप से सरकारी स्कूलों में कराया गया।

कोर्ट में पेश नहीं हुए थरूर, 5000 का जुर्माना

बिच्छू टिप्पणी मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर पर दिल्ली की एक अदालत ने पांच हजार रुपये जुर्माना लगाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर बिच्छू संबंधी टिप्पणी करने को लेकर दायर मानहानि मामले की सुनवाई में उपस्थित नहीं होने पर शनिवार को न्यायालय ने यह हर्जाना लगाया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विशाल पाहुजा ने तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य पर यह कहते हुए हर्जाना लगाया कि अदालत के निर्देश के बावजूद वह उपस्थित नहीं हुए।

अदालत दिल्ली भाजपा के नेता राजीव बब्बर द्वारा दायर की गई शिकायत पर सुनवाई कर रही थी। जिन्होंने दावा किया था कि उनकी (शिकायतकर्ता की) धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। राजीव बब्बर ने शिकायत में कहा था वह भगवान शिव के भक्त हैं लेकिन आरोपी (थरूर) ने करोड़ों शिवभक्तों की भावना का अनादर किया और ऐसा बयान दिया जिससे देश-विदेश में शिवभक्तों की भावनाएं आहत हुईं।

वकील नीरज के मार्फत दायर शिकायत में कहा गया है, शिकायतकर्ता की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और आरोपी ने दुभार्वना से जानबूझकर किया) वहीं, थरूर ने दावा किया था कि एक अज्ञात आरएसएस नेता ने मोदी की तुलना एक बिच्छू से की थी।

सेंट्रल विस्टा में सिडनी के ओपेरा हाउस की मिलेगी झलक

विशेषज्ञों और नगर योजनाकारों से परामर्श के बाद पुनर्निर्माण योजना पूरी तरह से पारदर्शी : पुरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण योजना को लेकर कई वास्तुशास्त्रियों और कार्यकर्ताओं की ओर से जताई गई आपत्ति के बीच केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि परियोजना में पूरी तरह से पारदर्शिता बरती गई है और जिस वास्तुकार को चुना गया है उसने कई विशेषज्ञों और नगर योजनाकारों से परामर्श किया गया है।

पुरी ने यह टिप्पणी शुक्रवार को उच्च न्यायालय में कार्यकर्ताओं की ओर से दायर दो याचिकाओं को लेकर पत्रकारों के सवाल पर की। कई वास्तुशास्त्र व विशेषज्ञों ने प्रस्तावित पुनर्निर्माण योजना पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार, परियोजना में पूरी तरह से पारदर्शिता बरती गई है। विमल पटेल ने पहले कई संपादकों और नगर योजनाकारों के साथ बैठक की और उसके बाद भी कई अन्य लोगों और नगर योजनाकारों के साथ बैठक की।

ब्लू प्रिंट

इसके बाद पत्रकारों के साथ बैठक की गई। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने यह चिंता जताई कि धरोहर इमारतों को गिराया जाएगा। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने कहा, उन्होंने दिखाया कि प्रमुख धरोहर इमारतें पूर्व की तरह अपने स्थान पर ही रहेंगी।

मालूम हो कि गुजरात की वास्तुशिल्प कंपनी एचसीपी डिजाइन को केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी मिली है। अहमदाबाद की इस कंपनी ने साबरमती रिवरफ्रंट परियोजना समेतम कई परियोजनाओं को पूरा किया है।

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि इस परियोजना से सार्वजनिक स्थल के बड़े हिस्से पर निर्माण होगा। इस पर पुरी ने कहा, वास्तविकता यह है कि इससे और सार्वजनिक स्थान उपलब्ध होगा। सूत्रों ने इससे पहले बताया था कि मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा पुनर्निर्माण योजना के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) को मौजूदा स्थान से स्थानांतरित किया जाएगा। इस बारे में पूछे जाने पर पुरी ने कहा, नई परियोजना के तहत विशाल सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की जाएगी।

सिडनी के ओपेरा हाउस और दुनिया की अन्य प्रसिद्ध इमारतों की तरह यह विश्व स्तरीय इमारत होगी। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत जहां तक परामर्श की बात है। विमल पटेल ने हर संभव नगर योजनाकार, वास्तुकार के साथ मुलाकात की। इसका मतलब है कि हम परियोजना को पटरी से उतरने नहीं देंगे।

हरियाणा के सामाजिक व आर्थिक विकास में जापान की महत्वपूर्ण भूमिका : मनोहर

मानेसर में गोल्फ नेटवर्किंग इवेंज के समापन समारोह में पहुंचे सीएम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मानेसर में गोल्फनेटवर्किंग इवेंट के समापन समारोह में बोलते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भारत और जापान सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से एक-दूसरे के पूरक हैं। भारत में हरियाणा प्रदेश बहुराष्ट्रीय कंपनियों को सुखद व सुरक्षित माहौल देते हुए निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। ऐसे में हरियाणा के सामाजिक व आर्थिक विकास में भी जापान की महत्वपूर्ण भूमिका है और सदैव रहेगी। यह बात उन्होंने गोल्फ नेटवर्किंग इवेंट के समापन समारोह में बोलते हुए कही।

उन्होंने इवेंट के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया और भारत-जापान औद्योगिक निवेश से संबंधित बुकलेट का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भारत व जापान से आए प्रतिनिधमंडल से रूबरू होते हुए कहा कि आज दोनों देश दुनिया में बड़े सांझेदार के रूप में कार्य कर रहे हैं। हरियाणा में जापान की कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां स्थापित हैं। व्यापार व निवेश के क्षेत्र में भारत का विशेषकर हरियाणा राज्य की सांझेदारी जापान के साथ सुखद रूप से आगे बढ़ रही है। जिसका आधार मित्रता, विश्वास व सहयोग है।

इलेक्ट्रोनिक्स, आटोमोबाइल, टेक्सटाइल, चिकित्सा उपकरण, नवीकरणीय ऊर्जा व खाद्य प्रसंस्करण सरीखे अनेक ऐसे औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें हरियाणा जापान की मेजबानी बेहतर निवेश के रूप में कर रहा है। उन्होंने फिफ्त वे आफइंडिया-जापान रिलेशन्स के रूप में की गई नई शुरुआत पर स्टैटेजिक इंवेस्टमेंट रिसर्च टीम को बधाई का पात्र बताया और कहा कि इस टीम की रिपोर्ट जापानी निवेशकों के लिए भारतीय परिचालन व वित्तीय वातावरण को सरल बनाने की दिशा में एक छोटा सा कदम है। उन्होंने जापान से पहुंचे निवेशकों को बताया कि हरियाणा क्षेत्रफल की दृष्टि से जरूर छोटा है, किंतु राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में हरियाणा का योगदान 3.5 प्रतिशत है।

मनोहर लाल ने जापान के प्रतिनिधियों को बताया कि हरियाणा प्रदेश बेहतर अवसरों, उद्यमों व नवाचार की भूमि है और देश के सर्वाधिक प्रगतिशील व औद्योगिक रूप से विकसित राज्यों में हरियाणा की अतुलनीय पहचान है। उन्होंने बताया कि भारत के बड़े राज्यों में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक है और राज्य की जीडीपी लगभग 12 प्रतिशत वार्षिक की दर से निरंतर आगे बढ़ रही है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण व सेवा क्षेत्र का लगभग 86 प्रतिशत योगदान है। औद्योगिक क्रांति की दिशा में हरियाणा पूरे उत्साह व नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। विश्व बैंक द्वारा की गई ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में हरियाणा उत्तर भारत में प्रथम व देश में तीसरे स्थान पर है।

हरियाणा में सिंगल विंडो सिस्टम शुरू

उन्होंने बताया कि औद्योगिक स्वीकृति प्रदान करने के लिए हरियाणा प्रदेश ने सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया है और आज भारत में सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों में यह सिस्टम अनुकरणीय बन रहा है। प्रदेश में औद्योगिक निवेश के साथ ही ग्राहक की संतुष्टि पर भी हरियाणा सरकार का पूरा फोकस है। अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने हरियाणा सरकार की ओर से उद्यमियों को दी जा रही सुविधाओं व सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बेहतर तालमेल के साथ आज हरियाणा प्रदेश में विदेशी निवेशक पूरे उत्साह के साथ भागीदार बन रहे हैं। सुखद व सुरक्षित माहौल हरियाणा सरकार द्वारा प्रदान किया जा रहा है। उद्योग विभाग के निदेशक डॉ. साकेत कुमार ने कहा कि विभाग की ओर से हर पहलू पर सजग सहयोगी के तौर पर निवेशकों को सेवाएं प्रदत्त की जा रही हैं।

शिकायत के बाद विकास कार्यों की जांच करने पहुंची टीम, संतुष्ट नहीं हुए ग्रामीण

विजीलेंस या अन्य विभाग से निष्पक्ष जांच की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जांच करते टीम के सदस्य।

सरकार भले ही भ्रष्टाचार रोकने के लाख दावे करती हो, लेकिन नूंह जिले में सरपंचों द्वारा कराए जाने वाले विकास कार्यों में हो रही धांधली के चलते सरकार के ये तमाम दावे खोखले साबित हो रहे हैं। ताजा मामला पुन्हाना के गांव लफूरी से सामने आया है। सरपंच द्वारा किए गए विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद शनिवार को विकास कार्यों की जांच करने टीम पहुंची। जिसने गांव के रास्ते व मनरेगा के नाम पर जेसीबी से खोदे गए जोहड़ की नापतोल की। कई घंटे तक चली जांच से शिकायतकर्ता और ग्रामीण संतुष्ट नहीं हुए।

शिकायतकर्ता अखतर निवासी लफूरी ने बताया कि उसने सरपंच द्वारा कराए गए विकास कार्यों में हुई धांधली की शिकायत बीडीपीओ व एसडीएम पुन्हाना से की थी। जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद उन्होंने मजबूरी में भ्रष्टाचार की शिकायत डीसी से की। लेकिन वहां से भी पहली शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लिया आरोप है कि डीसी साहब के दोबारा दी गई शिकायत पर संज्ञान लिया और जांच के लिए लफूरी गांव में टीम पहुंची। शिकायतकर्ता का आरोप है कि टीम ने भी निष्पक्ष तरीके से जांच नहीं की। जिससे ग्रामीण संतुष्ट नहीं हो पाए।

आरोप है कि सरपंच ने मनरेगा के कार्य को जेसीबी से कराया है और गांव के जिन रास्तों में थोड़ा बहुत काम कराया है उसमें भी घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया है। जिससे करोड़ों रुपये की राशि खुर्द-बुर्द की गई है।

अख्तर का आरोप है कि टीम के सदस्य खानापूर्ति करके चले गए। टीम की जांच से असंतुष्ट ग्रामीणों ने मामले की फिर निष्पक्ष तरीके से विजीलेंस या अन्य विभाग से जांच की मांग की है। वहीं जब इस बारे में जांच करने पहुंचे पंचायत विभाग के जेई अनवर से बात की तो उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद ही मामले की सच्चाई का पता चल सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

मैराथन में 1700 प्रतिभागियों ने लगाई सेहत की दौड़

सोहना। सोहना में शनिवार सुबह अरावली की पहाड़ियों में 1700 प्रतिभागियों ने सेहत की दौड़ लगाई। जीडी गोयनका ग्रुप की सिल्वर जुबली पर आयोजित मैराथन का मकसद महिला सुरक्षा के प्रति जागरुकता पैदा करना था। शनिवार को चार श्रेणियों में आयोजित सोहना मैराथन के पहले एडिशन के लिए सुबह 5 बजे से ही प्रतिभागी जीडी गोयनका विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचने लगे थे। 21.1 किलोमीटर के हाफमैराथन को इंडियन वीमन हॉकी टीम की पूर्व कप्तान प्रीतम रानी सीवच ने फ्लैग ऑफ किया। मौके पर सोहना विधायक संजय सिंह भी मौजूद थे। जीडी गोयनका समूह के डायरेक्टर रोहित गुजराल ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रशासक मेजर कार्तिकेय शर्मा और सहित सभी संकायों के प्रमुख इस मौके पर मौजूद रहे। 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन में पुरुष वर्ग में पहले स्थान पर कुलदीप सिंह रहे, महिला वर्ग में रिंपी पहले स्थान पर रहीं। 10 किलोमीटर की श्रेणी में पुरुष वर्ग में उपदेश नागर पहले स्थान पर रहे। 10 से 14 आयु वर्ग में जीडी गोयना वर्ल्ड स्कूल के बच्चों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, बीपीएल परिवार के तीन घर जले

नूंह। जिले के देवला नंगली गांव में शनिवार को अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग ने ऐसी रफ्तार पकड़ी की बीपीएल परिवार के कई घरों को अपनी चपेट में लेकर राख कर दिया। पीड़ित लोगों के मुताबिक आग से उनके घरों में अनाज तक भी खाने के लिए नहीं बचा। जब तक लोगों ने दमकल की गाड़ी को बुलाने का प्रयास किया तब तक सब कुछ जल गया। पीड़ित लोगों ने सरकार से उचित मुआवजे की मांग की है। ताकि उनके नुकसान की भरपाई भर सके। पीड़ित आसिया, खुर्शीद खान, आमीन व सरपंच मोहम्मद अली ने बताया कि शनिवार को अचानक बीपीएल कॉलोनी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे गरीबों के आशियाने जलकर राख हो गए। पीड़ितों के मुताबिक आग से करीब आठ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि आग से घरों में रखा सभी सामान जलकर राख हो गया। पीड़ितों ने सरकार से उचित मुआवजे की मांग की है, ताकि आग से हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

मानहानि के मामले में तीन आरोपियों के गैर जमानती वारंट

गुरुग्राम। मानहानि के एक मामले की सुनवाई शनिवार को ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट सोनिया श्योकंद की अदालत में हुई। अदालत ने तीन आरोपियों के गैर जमानती वारंट जारी करते हुए अगली सुनवाई के लिए 28 फरवरी की तारीख निश्चित कर दी है। इस मामले में तीन आरोपियों को छोड़कर बाकी सभी पर अदालत चार्ज फ्रेम कर चुकी है। जानकारी के अनुसार पिछली तारीख अदालत ने 3 आरोपियों के अदालत में पेश न होने पर उनकी हाजिरी माफी के आवेदन को खारिज करते हुए उन पर 10-10 हजार रुपये की कोस्ट लगा दी थी और आदेश दिए थे कि वे 15 फरवरी को अदालत में पेश हों। इन आरोपियों ने निचली अदालत के फैसले को जिला एवं सत्र न्यायालय में चुनौती दे दी थी। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश अश्विनी कुमार की अदालत ने शनिवार को आरोपियों की अपील को खारिज करते हुए निचली अदालत के फैसले पर मोहर लगा दी। जिस पर निचली अदालत ने तीनों आरोपियों के गैर जमानती वारंट जारी करते हुए उन्हें आगामी 28 फरवरी को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं, ताकि उन पर भी चार्ज फ्रेम कर इस मामले में आगे कार्रवाई की जा सके।

नरेश कुमार बने हेमा श्रमिक यूनियन के प्रधान

गुरुग्राम। हेमा श्रमिक यूनियन के चुनाव शनिवार को चुनाव अधिकारी कामरेड सतपाल नैन व बलवीर कंबोज की देखरेख में हुए, जिसमें नरेश कुमार को प्रधान, सुरेंद्र काला उप प्रधान, चंद्र हंस महासचिव, सुबोध कुमार सचिव, राज कुमार संगठन सचिव, राजू चौहान प्रचार सचिव, कुलदीप सिंह कोषाध्यक्ष व अनिल पंवार को कानूनी सलाहकार चुना गया है। अनिल पंवार ने कहा कि संगठन में ही शक्ति होती है। सभी चुने हुए पदाधिकारी श्रमिक सदस्यों को साथ लेकर कार्य करें और यूनियन को मजबूत करें। इस अवसर पर श्रमिक नेता ओमपाल, दिलसिंगार यादव, दुलीचंद, राज बहादुर, अजय कुमार, लोकेंद्र सहित यूनियन के पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए।

चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 17 से

गुरुग्राम। धार्मिक संस्था श्रीसनातन धर्मसभा श्रीकृष्ण मंदिर द्वारा आगामी 17 फरवरी से 4 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 4/8 मरला स्थित श्रीकृष्ण मंदिर परिसर में किया जाएगा। संस्था के प्रवक्ता का कहना है कि 17 व 18 फरवरी को जहां गणेश पूजन व शिव कथा का आयोजन होगा, वहीं 19 फरवरी को पूजन व भव्य शोभायात्रा और नाम कीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा। 20 फरवरी को प्राण प्रतिष्ठा, यज्ञ तथा शिव कथा का समापन होगा। उनका कहना है कि आयोजन में पर्णकुटि आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी विवेकानंद महाराज प्रवचन करेंगे। मुख्य यजमान के रुप में शशि दुआ व केके गांधी शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर पर चल रही हैं।

गुरुकुल वेलफेयर संस्था ने लगाया दंत चिकित्सा शिविर

गुरुग्राम। दंत चिकित्सक डॉ. विवेक खन्ना के सहयोग से शनिवार को गुरूकुल वेलफेयर एसोसिएशन संस्था द्वारा निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था। संस्था की संस्थापक अमिता सिंह ने बताया कि शिविर में लगभग 130 बच्चों ने भाग लिया। इस शिविर के संचालन में मुख्य भूमिका चैंपियन प्ले पेन स्कूल की संस्थापक कुसुम मनचंदा की रही, जिनके अथक प्रयास और सहयोग से इस चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक संचालन हो सका है। शिविर में डाक्टर विवेक खन्ना और उनकी टीम ने अहम भूमिका निभाई। शिविर की शुरुआत दंत जागरूकता से हुई, जिसमें बच्चों, उनके अभिभावकों और उपस्थित सभी स्थानीय लोगों को दंत चिकित्सा विशेषत: दांतों की सड़न, मसूड़ों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया गया। इस शिविर के मुख्य वक्ता डॉक्टर विवेक खन्ना ने बताया कि शीतल पेय, कुकीज और कैंडी में जो चीनी और एसिड मिलाए जाते हैं उसमें मौजूद बैक्टीरिया ही दांतों की सड़न का मुख्य कारण है। इसीलिए लोगों को इस तरह की चीजों के उपयोग से बचना चाहिए। इस अवसर पर नीलम दुबे, प्रीति शर्मा, स्वाती बासु, सुनीता शर्मा, मीना, रीना, नीरू और संतोष खुराना उपस्थित थी। यह जानकारी गुरुकुल वेलफेयर एसोसिएशन की संस्थापक अमिता सिंह ने दी है।

निरंकारी कॉलेज में वार्षिक उत्सव मनाया

सोहना। निरंकारी मिशन प्रमुख सद्गुरु माता सुदीक्षा महराज ने कहा है कि शिक्षकों को शिक्षा के साथ-साथ मानवीय गुण भी प्रदान करने चाहिए। जिससे विद्यार्थियों में मानवता व संस्कारिक ज्ञान हासिल हो सके। शनिवार को स्थानीय निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव में माता सुदीक्षा महारज ने दीप जलाकर किया।

अपने संबोधन में सुदीक्षा महाराज ने कहा कि व्यक्ति को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाकर निर्णय लेने में वृद्धि करते हैं। संसार में भौतिक वस्तुएं केवल मात्र आराम के लिए होती हैं। जिनका सदुपयोग करना चाहिय न कि दुरुपयोग। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान लेने भी जरुरी है। इससे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में निखार आता है। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

दूसरे दिन शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह में कॉलेज विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने हरियाणवी डांस, नाटक, कविता आदि की प्रस्तुति दी। जिसपर लोगों ने जमकर तालियां बटोरीं। समारोह में शिक्षा क्षेत्र में उच्च स्थान पाने वाले विद्यार्थियों क्रमशः हरविन्द्र सिंह, अमन सिंगला, रखी बंसल, मुस्कान गर्ग, पूजा आदि को सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थान पाने वाले हिमांशु, कविता को पुरस्कार से नवाजा।

अटल टिंकेरिंग लैब्स में टीचर्स को दी ट्रेनिंग

पायनियर समाचार सेवा। फिरोजपुर झिरका

यहां के गुरुग्राम- अलवर मार्ग पर स्थित अरावली पब्लिक स्कूल मूसा नगर फिरोजपुर झिरका में लगातार चार दिन तक चले इस कार्यक्रम में 15 फरवरी, 2020 वार गुरुवार को अनबॉक्स टिंकेरिंग कार्यक्रम में स्कूल के डायरेक्टर मोहम्मद इसराइल ने पहुंचकर कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इसराइल ने स्कूल में चालित कार्यक्रम अटल टिंकेरिंग लैब्स में टीचर्स को ट्रेनिंग देने के साथ अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग एवं आईबीएम और एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम में उपस्थित प्रोग्राम मैनेजर मुफीद अहमद और प्रोजेक्ट इंजीनियर मनीषा धइया, अनुराग तिवारी, सावल, श्रुति से मिलकर कार्यक्रम की जानकारी ली और उन्हें धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का आयोजन अरावली पब्लिक स्कूल में ही किया गया था। कार्यक्रम में पधारे विभिन्न जिलों-नूहं मेवात, गुरुग्राम, फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, भिवानी, झज्जर, करनाल आदि जिलों के अध्यापकों ने हिस्सा लिया था। आगे मोहम्मद इसराइल ने बताया कि प्रोग्राम में विद्यालय के प्रधानाचार्य बहारूल इस्लाम, उपप्रधानाचार्य जमील अहमद, विद्यालय के एटीएल इंचार्ज ध्रुव कुमार, विद्यालय के गणित अध्यापक महताब आलम, कंप्यूटर विज्ञान के अध्यापक सद्दाम इलाही,नीरज कुमार, रसायन विज्ञान की अध्यापिका शिल्पा, राजनीति विज्ञान के अध्यापक आरिफ खान, शाहिद रजा, अंग्रेजी अध्यापक मुमताज, मुबीन कासमी, हिंदी अध्यापक मजलिस खान, मुबारिक अली, विद्यालय के अन्य अध्यापकगण और प्रबंधन कमेटी के सदस्यों ने कार्यक्रम में जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम द्वारा सभी को इलेट्रोनिक्स के माध्यम से अपनी लैब में प्रोटोटाइप बनाना और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर, 3ष्ठ प्रिंटिंग, Arduino uno, paspberry pi आदि की जानकारी दी।

चार दिन तक चले कार्यक्रम में आए हुए अध्यापकों को बहुत से प्रोटोटाइप बनाने जैस-लाइट सेवर प्रोजेक्ट, नमो गंगा प्रोजेक्ट, स्मार्ट वॉच, स्मार्ट विजिटर काउंटर आदि की जानकारी दी गई। 12 फरवरी से 15 फरवरी तक चला यह प्रोग्राम सफलतापूर्वक हुआ।

निरीक्षण में लैब सहायक मिला गैर हाजिर

एसडीएम पटौदी का खंडेवला स्कूल में औचक निरीक्षण

छात्रों से की गई पठन -पाठन के बारे में चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

खंड पटौदी के गांव खंडेवला के स्कूल में पहुंचे एसडीएम पटौदी राजेश कुमार।

शनिवार को पटौदी के एसडीएम ने गांव खंडेवला के सीनियर सेकेंडरी स्कूल का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम पटौदी के संज्ञान में यहां गांव के स्कूल के बारे में कुछ शिकायतें लाई गई थी। इन्हीं शिकायतों को लेकर एसडीएम स्कूल का निरीक्षण किया।

स्कूल में स्टाफ की जांच के दौरान लैब अटेंडेंट गैर हाजिर मिला। उसके बारे में स्कूल के अन्य स्टाफको भी कोई सूचना नहीं थी, न ही उसके द्वारा स्कूल में किसी को जानकारी दी गई थी।

अटेंडेंट के गायब मिलने को एसडीएएम राजेश कुमार प्रजापति ने स्थानीय खंड शिक्षा अधिकारी को लैब अटेंडेंट के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिये। स्कूल प्रांगण में ही एकत्रित छात्रों से एसडीएम राजेश कुमार ने कहा कि अब सभी की परीक्षा का समय पास आ रहा है। ऐसे में मन लगाकर पढ़ाई करें और परीक्षा में अच्छे अंक लेकर अपने और अभिभावकों के सपने को भी पूरा करें। उन्होंने बोर्ड परीक्षा देने वालों छात्रों से आह्वान किया कि किसी भी प्रकार का अनैतिक कार्य बोर्ड परीक्षा देते समय नहीं करें। एसडीएम राजेश कुमार ने स्कूल में सक्षम प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी लेकर और छात्रों से भी बात की गई।

सक्षम में संबंधित स्टाफ को सलाह दी गई कि छात्रों के द्वारा हाथ से की जाने वाली लिखाई के सुधार पर खास ध्यान दिया जाए।

वायदा पूरा हुआ तो जनता ने किया विधायक का स्वागत

गुरुग्राम। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला द्वारा शहर के ईस्ट राजीव नगर की गली नंबर-6 में बिजली का ट्रांसफार्मर लगवाने जाने पर लोगों में खुशी हुई। इसी खुशी के बीच लोग एकत्रित होकर पहुंचे विधायके आवास पर। लोगों ने उनका धन्यवाद और स्वागत किया।

बता दें कि ईस्ट राजीव नगर की गली नंबर-6 में पांच साल से भी अधिक समय से बिजली का ट्रांसफार्मर को लेकर परेशानी रहती थी। यहां अधिक लोड होने के कारण अक्सर ट्रांसफर्मर जल जाता था। फ्यूज उड़ना, जलना आम बात हो चुकी थी। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के चक्कर काटकर लोग थक चुके थे। आखिर में लोगों ने एकत्रित होकर गुरुग्राम के वर्तमान विधायक सुधीर सिंगला को भी अपना मांग पत्र सौंपा।

उपभोक्ता को लौटाए जाएं 9 लाख 55 हजार रुपये

गुरुग्राम की अदालत ने बिजली निगम को दिए आदेश

गुरुग्राम। बिजली निगम द्वारा उपभोक्ता पर बिजली चोरी करने के आरोपों के मामले की सुनवाई करते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय की एक अदालत ने निचली अदालत के फैसले को बदलते हुए उपभोक्ता की याचिका को स्वीकार करते हुए बिजली निगम को आदेश दिए हैं कि उपभोक्ता द्वारा जमा कराई गई 9 लाख 55 हजार 706 रुपये की जुर्माना राशि को वापिस किया जाए।

उपभोक्ता के अधिवक्ता संदीप मेहता से प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 जून 2017 को पटेल नगर के विजय पर बिजली निगम ने आरोप लगाए थे कि उसका मीटर लैब में चेक करने पर पाया गया कि वह टैंम्पर्ड है। विजय का कहना था कि निगम के किसी कर्मचारी ने उससे 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग भी की थी। यदि वह यह धनराशि दे देगा तो उस पर लगने वाले 8-9 लाख रुपये की जुर्माना राशि से बच जाएगा। विजय ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया था। बिजली निगम ने मीटर टैम्पर्ड करने के आरोप में उस पर 9 लाख 55 हजार 706 रुपये का जुर्माना लगा दिया था। कहीं बिजली का कनेक्शन न कट जाए, इस डर से उसने उक्त जुर्माना भर दिया था। सिविल अदालत ने वर्ष 2018 की 4 सितम्बर को यह कहते हुए कि वह अपना केस सिविल अदालत में नहीं डाल सकता और केस को खारिज कर दिया था।

बेटियां ही देश का गौरव

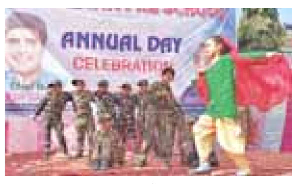

फर्रुखनगर। भाग्य हमेशा पुरुषार्थी व्यक्तियों का ही साथ देता है। इसलिए भाग्य और भविष्यवाणी से जीत निश्चित मानकर कभी भी हाथ हाथ धर कर नहीं बैठना चाहिए। ईमानदारी और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। यह बात बादशाहपुर विधान सभा के विधायक राकेश दौलताबाद ने गांव सैहदपुर स्थित नव चेतना प्री स्कूल प्रांगण में आयोजित वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ करने के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा रास्ता है जो हमेशा उन्नति के पट खोलकर देश व समाज का उत्थान करता है। इसलिए बच्चों को खासकर बेटियों की शिक्षा पर फोक्स करने की आवश्यकता है। बेटियों ही देश का गौरव है। इस अवसर पर स्कूल के नन्हे छात्रों ने भारतीय थल सेना के जवानों की ड्रेस धारन करके कारगिल युद्ध पर आधरित नाटक मंचन करके दर्शकों के दिलों में देश भक्ति का जब्बा भर दिया और विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति से जुडे हरियाणवी, पंजाब, राजस्थानी, गुजरात आदि के लोक गीतों पर थिरक कर सबकों मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यायल प्रबंधन कमेटी द्वारा विभिन्न गतिविधियों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रतीक चिंह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर एजुकेशन संस्था के चेयरमैन आनंद सिंह सैहदपुर, विशिष्ठ अतिथि चेयरमैन ऋषि चौधरी, समाज सेवी राजबीर शर्मा, सरपंच इंद्रजीत शर्मा, पंडित कृष्ण पातली, ईश्वर पहलवान, सतपाल ठेकेदार, अजय दौलताबाद, देविंद्र प्रधान मोहम्मदपुर, देवी लाल आदि मौजूद थे।

दिल्ली से गुरुग्राम पहुंचा विंटेज कारों का कारवां

21गन सेल्यूट की ओर से हुआ दो दिवसीय विंटेज कार रैली कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम-जयपुर रोड स्थित करमा लेक गोल्फ कोर्स में पहुंची विंटेज कारों के साथ कलाकार।

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में शनिवार को 21 गन सेल्यूट इंटरनेशनल विंटेज कार रैली और कॉनकॉर्स डी एलीगेंस के नौवें संस्करण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यहां दुर्लभ विंटेज कारों, इंडियन हेरिटेज और मोटरिंग एलीगेंस ने लोगों को अपनी ओर खींचा। सभी विंटेज कारों का कारवां यहां गुरुग्राम-जयपुर हाईवे के पास गोल्फ कोर्स में पहुंचा।

भारत सरकार के साथ सहभागिता में 21 गन सैल्यूट हेरिटेज एंड कल्चरल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वैश्विक तौर पर जानी मानी 21 गन सैल्यूट इंटरनेशनल विंटेज कार रैली और कॉनकोर्स डी एलीगेंस की शुरुआत राजसी इंडिया गेट से फ्लैग ऑफ समारोह के साथ हुई। इसके बाद महाराजा कार्स एंड मोटरसाइकिल के साथ-साथ 150 से अधिक राष्ट्रीय और इंटरनेशनल विंटेज कारों का खूबसूरत डिस्प्ले भी किया गया, जो कि भारतीय विरासत और मोटरिंग के जुनून को बढ़ावा देने में सफल रहा। ग्लोबल मोटरिंग टूरिज्म मैप पर भारत को आगे ले जाने के बारे में 21 गन सेल्यूट हेरिटेज एंड कल्चरल ट्रस्ट के चेयरमैन एवं ट्रस्टी मदन मोहन ने कहा इस साल हम सबसे प्रभावशाली और भव्य शाही अभियान-द इनक्रेडिबल इंडिया रैली का शुभारंभ करेंगे।

4000 किलोमीटर लंबी रैली को गुरुग्राम से हरी झंडी दिखाई जाएग। यह पूरी तरह से हमारे देश के सबसे जीवंत और शाही राज्यों हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात और राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता और शाही विरासत को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

150 कारें, 35 विंटेज बाइक ने बढ़ाई खूबसूरती

इस विंटेज कार शो में 150 भव्य विंटेज कारें और 35 विंटेज बाइक शामिल की गई हैं। इन कारों में प्रमुख तौर पर 1938 रोल्स-रॉयस 25/30, मासरेटी 3500 जीटी विग्नेल सिडर, 1939 ब्यूक रोडमास्टर कनवेटेबल, 1938 लैंसिया एस्टुरा सीरीज 4, 1930 बीएमडब्ल्यू 3/15 डीए2 कैब्रियोलेट, 1936 रोल्स रॉयस 25/30 गुर्ने नटिंग कूपे, 1959 जगुआर एक्सके 150एस, 1936 रोल्स रॉयस 25/30, 1951 बेंटले एमके 6 फ्रीस्टोन एंड वेब, 1966 फोर्ड मस्टैंग, 1930 कैडिलैक वी-16 रोडस्टर, और 1959 अल्फा 2000 और कई अन्य शामिल हैं।

पंजाबी, हिमाचली, हरियाणवीं और बरसाने की होली से खिला मेला

कविता। फरीदाबाद

34वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में इस बार एक अलग ही रंग देखने को मिल रहा है। मेले की चौपाल से लेकर मेला परिसर के अंदर दर्शक हस्तकला और कलाकारों की प्रस्तुतियों को देख कर दंग रहते हैं। शनिवार को मेले में जहां एक तरफ दोपहर को भीड़ बढ़नी शुरू हो गई। वहीं दूसरी तरफ दर्शकों को कोपर, लकड़ी और अन्य कलाकृतियों को देखकर दर्शक अचम्भित हो रहे हैं।

स्पीकर भी पहुंचे

हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने शनिवार को 34वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेला का दौरा किया। इस दौरान उनके पारिवारिक सदस्य भी साथ मौजूद थे। हरियाणा टूरिज्म के प्रबंध निदेशक विकास यादव व अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान गुप्ता ने कहा कि सूरजकुंड मेला देश व दुनिया के शिल्पियों व कलाकारों को एक बेहतरीन मंच उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मेला दुनियाभर में प्रसिद्ध है और नई पीढ़ी को यहां आकर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी मिलती है। इस दौरान गुप्ता ने मेले में विभिन्न स्टॉलों पर जाकर खरीदारी भी की। उन्होंने मेले की मुख्य चौपाल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद भी लिया।

नेहरू ने कहा कि बंचारी के इन कलाकारों को पहले 400 से 500 रुपये मिलते थे, लेकिन अब इन्हें प्रतिदिन एक हजार से 1500 रुपये मेहनताना मिल रहा है, जिस बंचारी को कोई नहीं पूछता था आज उसी में आजीविका कमाने का मौका मिला है। इस अवसर पर उनके साथ विश्वविद्यालय व बंचारी विभाग के कर्नल डा. एस.एस. मलिक, डीन प्रोफेसर डा. ज्योति राणा, डॉ. सोहन, डॉ. भारती, डॉ. संदीप, प्रवीन, चांदनी, माधुरी, पुनित, अमरजीत, शिखा, डॉ. राजकुमार, डॉ. एसएस मलिक, उपकार आदी मौजूद रहे।

1911 के आवार्डी पुस्तैनी कलां के दिवाने

मो. मतलुब पिछले सात सालों से दिल्ली के सिलमपुर से अपने नगीना निवासी पुस्तैनी हस्तकला को मेले में लेकर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अंग्रेजों के जमाने में वर्ष 1911 में अंग्रेजी हुकुमत में रानी विक्टोरिया ने मो. मतलूब के दादा अब्दुला को नगीना गांव से अपनी कलाकृतियों के लिए आवार्ड मिला था। तब से उन्हें और उनके परिजनों को इसके लिए कई बार आवार्ड मिल चुके है। मो. मतलूब ने बताया कि वर्ष 2017 में उन्हें अंतरराष्ट्रीय परम्परागत आवार्ड हरियाणा के राज्यपाल कप्तान सोलंकी ने दिया। 2016 में कुवैत में वर्ल्ड क्लास काउंसिल आवार्ड के पहले वर्ष 2015 में सूरजकुंड मेले में इंटरनेशनल परम्परागत आवार्ड, 2014 में सूरजकुंड मेले में कलामुनि अवार्ड, 2012 में इंडिया गेट परेड में उनकी कलाकृतियों को एक आवार्ड मिला। इससे पहले वर्ष 2009 में कनाडा दूतावास की ओर से एक्स्ट्र आर्डिनरी आवार्ड, 2006 में इंटरनेशनल यूनेस्को अवार्ड मिला। 2005 में नेशनल आवार्ड से पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने सम्मानित किया। 2003 में नेशनल मेरिट आवार्ड और वर्ष 2002 में स्टेट आवार्ड मिला। वहीं से उन्होंने अपनी कला का परचम लहराया और आज वह पदमश्री आवार्ड के लिए प्रयास कर रहे है। उन्होंने बताया कि मेले में वह एक-एक साल का गैप मिलने पर आते है। वह करीब 30 तरह के लकड़ी से बने आईटम लेकर आए है। इन हस्तकला कृतियों को वह अपने हाथों से ड्रिल और तहरके की मदद से तैयार करते है। उन्होंने कहा कि तहरका भी वह छतरी की पुरानी तिल्लियों की मदद से घार लगाकर बनाते है और कलाकृतियों में पिंतल के टुकड़े औजारों की मदद से लगाते है। इन लकड़ी की वस्तुओं में किसी तरह का कोई रंग नहीं किया जाता। उन्होंने बताया कि उनके स्टॉल ब्रेस लैट, नेम वाले किरिंग, जीरो काटा मैम, पुराने जमाने का एक से पांच मिनट वाले टाईमर, चश्मा स्टैंड, ज्वैलरी बॉक्स के अलावा पांच फुट का पार्टिशन छड़ी के अलावा कई तरह के अन्य आईटम 30 से तीन लाख तक रुपये में उपलब्ध है। बचपन से उन्होंने शिल्पकारी सीखकर अपनी पुस्तैनी कलां को इस सर्दी में भी जीवित रखा है। उन्हें दिल्ली में शिल्पगुरु के नाम से जाना जाता है।

शनिवार को उमड़ी भीड़

34वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले का अंतिम शनिवार पर्यटकों के द्वारा खरीदारी के नाम रहा। मेले में आए दर्शकों ने स्टॉलों से डिस्काउंट रेट पर जमकर खरीदारी की। वहीं सूरजकुंड रोड़ पर लम्बा जाम लग गया। जिसके कारण लोगों को घंटो जाम में फंसे रहना पड़ा।

चौपालों पर पंजाबी समेत कई नृत्य

चौपालों पर पंजाबी, मथुरा के कलाकारों की ब्रज की होली, युगांडा, नाबिबिया, एक तारा, हिमाचल सोलू, सिक्रीम, हिमाचल कांगड़ा, सूल्क सुडान, तजिकिस्तान, कोमरास, हरियाणवीं नृत्य, काश्मीर, पंजाब, राजस्थान के अलावा पंजाबी नृत्य, मालावीं, हिमाचल, सुडान, लद्दाख, हिमाचल हमीरपुर, तन्जानिया, नागालैंड, जिम्मबाबिया, अरुणाचल प्रदेश, दिबुती, सिद्धी गोमा, इजीप्ट के कलाकारों का नृत्य हुआ।

यमन के स्टोन का सामान

लिबानोन तिरीपोली की कलाकृतियों के स्टॉल नम्बर 930 पर लोग खींचे आ रहे है। स्टॉल पर पोस्टर लगा है कि यहां अपना किसी भी भाषा में नाम लिखवायें। फतिमा टरटोशी ने बताया कि उनकी भाषा में ताम्बे को ब्रास कहा जाता है। स्टॉल पर उन्होंने अपने हाथों से ताम्बे के ब्रैसलेट, रिंग, गले के हार, पाजेब, कानों के ईयररिंग बनाए है। स्टॉल पर सबसे अच्छी और लुभवनी वस्तु यमन देश के स्टोन से बनी मालाएं है। जिन्हें उन्होंने स्टोन लाकर अपने घर पर ही तैयार किया है। फातिमा ने बताया कि उनके स्टॉल पर सौ रुपये से 1500 रुपये तक की वस्तुएं है। इसके अलावा यहां सिल्वर और गोल्ड के ब्रेसलेट पर नाम लिखा जाता है।

रेलवे की निर्माणाधीन बिल्डिंग का किया डीआरएम ने दौरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ओल्ड फरीदाबाद स्थित रेलवे स्टेशन का डीआरएम ने शनिवार को दौरा किया। जिसमें उन्होंने निर्माणाधीन बिल्डिंग का सबसे पहले दौरा किया और अधिकारियों को उसे जुलाई माह तक तैयार करने के निर्देश उन्होंने दिए। वहीं पुराने क्वाटरों को तोड़कर वहां पार्किंग के लिए भी निर्देश जारी किए।

जानकारी के मुताबिक शनिवार को डीआरएम ने निर्माणाधीन बिल्डिंग का दौरा किया। उन्होंने जुलाई तक हरसंभव बिल्डिंग का कार्य पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को जारी किए। ताकि चौथी रेल लाइन से ट्रेन दौड़नी शुरू हो जाए। नई बिल्डिंग परिसर में कार व स्कूटर की पार्किंग होगी। उन्होंने पुलिस क्वार्टर व रेल कर्मियों के क्वार्टरों के बारे में भी जानकारी मांगी। अधिकारियों ने बताया कि यह सभी क्वार्टर तोड़े जाएंगे, जिससे की रेलवे के पास काफी जगह होगी। इस पर डीआरएम ने कहा कि अगर भविष्य में बड़ी पार्किंग की जरूरत पड़ी तो उसके लिए खाली पड़ी इस जगह को इस्तेमाल किया जा सकेगा। चौथी लाइन के चलते ही 24 फरवरी से एक मार्च तक पलवल से नई दिल्ली और नई दिल्ली से पलवल की ओर आने जाने वाली 400 से अधिक लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन बंद रहेगा। उन्होंने कहा कि पुरानी स्टेशन बिल्डिंग को तोड़कर प्लैटफार्म नंबर 1 ए भी बनाया जाएगा।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण
II, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा
बिल्डिंग, संसद
मार्ग, नई दिल्ली–110001
बिक्री सूचना की
उद्घोषणा

निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरुद्ध अंकिता गुप्ता ओ.ए. नंबर 239/2019 एवं आई.ए. नंबर 1601/2019 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

1. सम्पत्ति का वर्णन : मेक : बीएमडब्ल्यू एक्स 1
रजि. नंबर : डीएल5सीएन2006
विनिर्माण वर्ष : 2016
सुरक्षित मूल्य – रू. 16,50,000/–
ईएमडी – रू. 1,65,000/–
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 26–02–2020 पूर्वा. 11.00 बजे
3. नीलामी साइट : नीलामी का स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर – 17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशनके पीछे, गुरूग्राम
4. प्रबंधक : कल्याणी प्रीति
मोबाइल नंबर : 9599281817

बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।

इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन के संबंध में उपरिवर्णितानुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दिए जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।

बिक्री मूल्य की शेष राशि उपरोक्तानुसार जमा करने में असफल रहने पर, धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी।

इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से दिनांक 26 फरवरी, 2020 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा बैंक प्रबंधक कल्याणी प्रीति को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण
II, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा
बिल्डिंग, संसद
मार्ग, नई दिल्ली–110001
बिक्री सूचना की
उद्घोषणा

निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरुद्ध जैपडोर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ओ.ए. नंबर 560/2019 एवं आई.ए. नंबर 2279/19 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

1. सम्पत्ति का वर्णन : मेक : ह्युंडई क्रेटा
रजि. नंबर : डीएल7सीक्यू1615
विनिर्माण वर्ष : 2017
सुरक्षित मूल्य – रू. 8,80,000/–
ईएमडी – रू. 88,000/–
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 25–02–2020
3. नीलामी साइट : नीलामी का स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर – 17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशनके पीछे, गुरूग्राम
4. प्रबंधक : कल्याणी प्रीति
मोबाइल नंबर : 9599281817

बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।

इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन के संबंध में उपरिवर्णितानुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दिए जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।

बिक्री मूल्य की शेष राशि उपरोक्तानुसार जमा करने में असफल रहने पर, धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी।

इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से दिनांक 25 फरवरी, 2020 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा बैंक प्रबंधक कल्याणी प्रीति को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

आठवीं के बाद बच्चों के लिए कौशल शिक्षा के नए कोर्स तैयार : राज नेहरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दूधौला स्थित श्री विश्वकर्मा कौशल विकास विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू ने सूरजकुंड मेले में एक प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा यह पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जहां स्किल स्कूल बनेगा, जो बच्चे आठवीं कक्षा के बाद शिक्षित नहीं हो पाते वह यहां डिजाइन किए गए इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर सहित विभिन्न प्रकार के कोर्स कर रोजगार व स्वरोजगार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हम अभी तक 100 अलग-अलग कंपनियों से जुड़ चुके हैं और आगामी दो वर्षों में 500 कंपनियों से जुड़ने का लक्ष्य है। उद्योगों में हरियाणा के बच्चों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर देना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि 2017 से 2019 तक जितने भी बच्चे यूनिवर्सिटी से कोर्स कर निकले उनमें से 75 प्रतिशत नौकरी कर रहे हैं। बाकी 25 प्रतिशत में कुछ ने स्वरोजगार शुरू किया तो कुछ उच्च शिक्षा में आ गए। इस मौके पर उनके साथ उनकी पत्नी सुनंदा और उनकी बेटी महक मौजूद रही। वहीं उन्होंने कहा कि एक नगाड़े और झांझ के साथ लुप्तप्राय होती जा रही बंचारी की लोक कला को सहेजने के लिए हमने एक नया प्रयास किया है।

बंचारी गांव के 800 लोक गीतों का एक लोक ग्रंथ तैयार किया है। इन लोक गीतों से विश्वविद्यालय में एक वर्ष का कोर्स तैयार किया और अब 50 बच्चे इस कोर्स को पूरा कर बंचारी के इस संगीत से पूरी दुनिया में धूम मचाने को तैयार हैं। राज नेहरू ने कहा कि हम संगीत के जरिए देशों की सीमाएं तोड़ रहे हैं और दिलों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के समय से चली आ रही इस बंचारी लोक कला पर अभी तक किसी ने ध्यान नहीं दिया था।

केएल मेहता में दीक्षांत समारोह संपन्न

फरीदाबाद। केएल मेहता दयानन्द महिला महाविद्यालय में दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। जिसमें विभिन्न संकाय-कला, कॉमर्स, विज्ञान, बायोटेक, कंप्यूटर साइंस की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं को उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को डिग्री देकर सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. राजबीर सिंह 'कुलपति' महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक थे, मुख्यातिथि का स्वागत महर्षि दयानन्द शिक्षण संस्थान अध्यक्ष आनंद मेहता, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वंदना मोहला द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त शहर के गणमान्य अतिथि एवं शिक्षण संस्थान के सदस्य जेसी आर्या, रमेश चावला भी उपस्थित रहे। प्राचार्या द्वारा महाविद्यालयीन वार्षिक जानकारी मुख्यातिथि के समक्ष प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में 700 छात्राओं ने डिग्री प्राप्त की। मुख्यातिथि प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि छात्र जीवन महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाओं के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन कमलप्रीत वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

पौष्टिक आहार से दिमाग रख सकते हैं दुरुस्तः डॉ. गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फोर्टिस अस्पताल की ओर से एक होटल में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग के डायरेक्टर डॉ. रोहित गुप्ता मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि लोगों में बदलती जीवनशैली और खानपान में बदलाव के कारण लोगों में यादाश्त कमजोर होने की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। आज इस बीमारी का अस्पतालों में पूरा इलाज उपलब्ध है। अगर समय पर रोगी का इलाज करवाया जाए तो रोगी पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है। डॉक्टर रोहित ने कंपनी अधिकारियों और कर्मचारियों को जागरूक करते हुए बताया कि ज्यों-ज्यों उम्र बढ़ती है, हमारा दिमाग सिकुड़ने लगता है और कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इससे यादाश्त कमजोर होने लगती है। पहले ऐसा उम्रदराज लोगों में होता था, पर अब बच्चे व जवान भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। इसका बुनियादी कारण है, खानपान की गड़बड़ी, पढ़ाई व काम का प्रेशर और अवसाद। उन्होंने कहा कि तेज दिमाग के लिए विटामिन-बी और कार्बोहाइड्रेट्स से भरपूर आहार लेना जरूरी है। तिलहन वाले खाद्य पदार्थ भी मस्तिष्क के लिए फायदेमंद होते हैं। मस्तिष्क को स्वस्थ्य रखने के लिए लोगों को शराब, सिगरेट आदि का सेवन करने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति में अवसाद संबंधी कोई लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टरी सलाह सलाह लें।

डीएवी में योग कक्षा

फरीदाबाद। डीएवी शताब्दी महाविद्यालय में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए एक योग कक्षा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि बाबू राम सैनी, सेक्टर-19 के आर्य समाज ने विद्यार्थियों को योग के महत्व तथा योग क्रियाओं के अभ्यास से शरीर का स्वस्थ रखने का तरीका बताया। उन्होंने बताया कि आज के भौतिकतावादी युग में तनाव से मुक्ति का एकमात्र उपाय केवल योग ही है। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत एवं इतिहास विभाग द्वारा किया गया।

गिरनार स्पिनटेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(पूर्वतः अमित स्पिनिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से प्रसिद्ध)
पंजी. कार्यालय : ई–43/1, ओखला औद्योगिक क्षेत्र फेज–2, नई दिल्ली–110020
कारखाना पता : गेट नंबर 47 एवं 48, सांगावडे ग्राम, कोल्हापुर–हुपारी रोड, ताल. कारवीर, जिला कोल्हापुर–416202
31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु
अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण (रू. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 31–12–2019	नौ माह समाप्त 31–12–2019	तिमाही समाप्त 31–12–2018
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित
1.	प्रचालनों से आय	1,382.52	2,718.76	–
2.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पूर्व (असाधारण मदों से पहले तथा बाद में)	(234.65)	(791.15)	(102.55)
3.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि), कर पश्चात (अपवाद तथा असाधारण मदों के बाद)	(234.65)	(791.15)	(102.55)
4.	अवधि हेतु कुल समावेशी आय स्कर सम्मिलित नहीं.	(234.65)	(791.15)	(102.55)
5.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 5/– प्रत्येक)	2,058.48	2,058.48	2,058.48
6.	मूल एवं तनुकृत ईपीएस, असाधारण मदों से पहले तथा बाद में	(0.57)	(1.92)	(0.25)

नोटः– उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारकित रूप है। उक्त परिणामों का पूर्ण प्रारूप बीएसई की वेबसाइट www.bseindia.com तथा एनएसई की वेबसाइट www.nseindia.com पर और कम्पनी की वेबसाइट www.amitspinningindustries.com पर भी उपलब्ध है।

वास्ते गिरनार स्पिनटेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता./–
स्थान : कोल्हापुर
जितेन्द्र कुमार चोपड़ा
तिथि : 14–02–2020
प्रबंध निदेशक

ADDI INDUSTRIES LIMITED
CIN: L51109DL1980PLC256335
Regd Office : 23, Eastern Avenue, Maharani Bagh, New Delhi - 110065
E -Mail : atul.addi@gmail.com, Tel.: +91-120-2529335
Statement of Standalone & Consolidated Audited Financial Results For The Quarter And Nine Months Ended December 31, 2019
(` in Lakh, except per share data)

Sr No.	Particulars	STANDALONE Quarter Ended 31.12.2019 (Unaudited)	STANDALONE Correspon-ding 3 Months ended in the previous year 31.12.2018 (Unaudited)	STANDALONE Nine Months Ended 31.12.2019 (Unaudited)	CONSOLIDATED Quarter Ended 31.12.2019 (Unaudited)	CONSOLIDATED Correspon-ding 3 Months ended in the previous year 31.12.2018 (Unaudited)	CONSOLIDATED Nine Months Ended 31.12.2019 (Unaudited)
1.	Total income from operations (net)	25.06	10.45	67.43	29.13	13.40	76.86
2.	Net Profit for the period (before Tax and exceptional items)	5.80	(17.41)	7.49	9.80	(14.48)	16.77
3.	Net Profit for the period (before Tax, after exceptional items)	5.80	(17.28)	7.41	9.80	(14.35)	16.69
4.	Net Profit for the period after Tax (after exceptional items)	8.85	(21.43)	10.87	12.36	(18.69)	19.42
5.	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit for the Period after Tax and Other Comprehensive Income after Tax)	9.85	(21.21)	13.90	13.36	(18.47)	22.45
6.	Paid-up equity share capital (Face Value ` 5/- each)	540.00	540.00	540.00	540.00	540.00	540.00
7.	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	-	-	-	-	-	-
8.	Earnings Per Share (Not Annualised)						
	Basic	0.08	(0.20)	0.10	0.11	(0.17)	0.18
	Diluted	0.08	(0.20)	0.10	0.11	(0.17)	0.18

Notes :
1. The above is an extract of the detailed format of quarter/annual financial results filed with the stock exchanges under regulation 33 of the SEBI (Listing and other Disclosure requirements) Regulation, 2015. The full format of the quarter/ annual financial results are available on the webites of the stock exchange. (URL-www.bseindia.com).
2. The above results were reviewed and recommended by the Audit Committee and then approved by the Board of Directors at their meeting held on February 14, 2020.The financial results for the quarter and Nine Months ended December 31,2019 have been limited reviewed by the Statutory Auditors of the Company. Consolidated results for the corresponding quarter ended December 31, 2018 and the corresponding year to date results for the period from April 01, 2018 to December 31, 2018, as reported in these consolidated financial results have been approved by the companies board of directors but have not been subjected to review by statutory auditors.
3. There is no change(s) in accounting policies which have impact on net profit / loss, total comprehensive income or any other relevant financial item(s).
4. Exceptional items adjusted in the Statement of Profit and Loss in accordance with Ind-AS Rules.

For and on behalf of the Board of Directors
Addi Industries Limited
Sd/-
Place : New Delhi
Chaman Lal Jain
Date : 14.02.2020
Managig Director, DIN: 00022903

दुष्यंत चौटाला ने ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में सरपंच को किया सस्पेंड

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-12 स्थित एचएसवीपी कन्वेंशन हॉल में जिला लोक सम्पर्क एवं परिवाद समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने की। बैठक में कुल 16 शिकायतें रखी गई, जिसमें अधिकतर का मौके पर ही निपटारा किया गया। गांव हमीदुदीनपुर निवासी प्रताप सिंह नंबरदार ने शिकायत रखी थी कि गांव के सरपंच सुभाष पंचायती जमीन पर अवैध कब्जे करवा रहे हैं तथा इस जमीन को बेचा जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने इस शिकायत पर कड़ा संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की जांच करने व आरोपी सरपंच को सस्पेंड करने के आदेश जारी किए। सिद्धपीठ श्री महाकाली मंदिर के प्रधान राकेश कुमार ने शिकायत की थी कि कुछ लोगों ने मंदिर का शौचालय तोड़ दिया तथा इसका गेट व टंकी बेच दी। इसपर परिवाद समिति के अध्यक्ष ने डीसीपी लोकेंद्र को जांच करने के आदेश दिए। राजीव कॉलोनी बांके बिहारी चौक निवासी देवीचरण शर्मा की शिकायत थी कि उनकी कॉलोनी का मुख्य मार्ग ठीक नहीं है तथा जगह-जगह पानी जमा है तथा पेयजल की भी समस्या है। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित विधायक नीरज शर्मा को गली का निर्माण उन्हें सरकार द्वारा दी जाने वाली पांच करोड़ रुपये की राशि में से करवाने बारे कहा। सेक्टर-55 निवासी चंद्रशेखर नागर की शिकायत थी कि सोहना रोड नगर निगम क्षेत्र सेक्टर-55 के जमीन के एक हिस्से में अवैध प्लॉटिंग की जा रही है, इस पर रोक लगाई जाए। उप मुख्यमंत्री ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी तीन दिनों में पूरे मामले की जांच की जाए तथा सरकार के नियमों के बारे में भी पता किया जाए। इस अवसर पर हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन नयनपाल रावत, मेयर सुमन बाला, विधायक नरेंद्र गुप्ता, राजेश नागर व नीरज शर्मा, आयुक्त नगर निगम यश गर्ग, उपायुक्त यशपाल, एचएसवीपी के प्रशासक प्रदीप दहिया, जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल शर्मा, जेजेपी जिलाध्यक्ष ग्रामीण राजाराम, जेजेपी जिलाध्यक्ष शहरी अरविंद सरदाना, जेजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य धर्मबीर तेवतिया सहित अन्य मौजिज व्यक्ति उपस्थित थे।

झुग्गीवासियों को दिया आश्वासन

हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने स्थानीय सेक्टर-4 में प्रेम नगर व पटेल नगर में सिंचाई विभाग की जमीन पर बनी अवैध झुग्गियों को हटाने के संबंध में झुग्गीवासियों को आश्वासन दिया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। दुष्यंत चौटाला ने यह आश्वासन स्थानीय लघु सचिवालय के नजदीक सेक्टर-9 में जाने वाले मार्ग पर बड़ी संख्या में धरना दे रहे झुग्गीवायों को दिया। उन्होंने कहा कि आगामी दो दिनों में सिंचाई विभाग से जमीन संबंधी कागजात मंगवाकर उन्हें चैक किया जाएगा तथा इसके बाद इसपर उचित निर्णय लिया जाएगा। इस अवसर पर उनके साथ विधायक नरेंद्र गुप्ता, जन नायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजाराम सहित अन्य मौजिज व्यक्ति मौजूद थे।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण
II, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा
बिल्डिंग, संसद
मार्ग, नई दिल्ली–110001
बिक्री सूचना की
उद्घोषणा

निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरुद्ध मोहम्मद जमील ओए 201/2016 में आर.सी नंबर 963/2018 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

1. सम्पत्ति का वर्णन :
मेक : अशोक लीलैंड 2518
रजि. नंबर : एचआर38एस5665
विनिर्माण वर्ष : 2013
सुरक्षित मूल्य – रू. 2,00,000/–
ईएमडी – रू. 20,000/–
2. नीलामी की तिथि : 19–03–2020
पूर्वा. 11.00 बजे
3. निरीक्षण तिथि : प्रत्येक कार्यदिवस को पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 5.00 बजे तक रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर – 17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशन के पीछे, गुरूग्राम में
4. नीलामी साइट :
https://auctions.cardekho.com
हेल्पलाइन नंबर 9555188873
5. प्रबंधक : श्रीमती कल्याणी प्रीति
मोबाइल नंबर : 9599281817

बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।

इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन के संबंध में उपरिवर्णितानुसार धरोहर राशि वसूली अधिकारी–I, डीआरटी–III, दिल्ली के पक्ष में आहरित तथा नई दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में 17 मार्च, 2020 को जमा करनी होगी। उक्त जमा राशि सफल बोलीदाता के मामले में समायोजित की जाएगी तथा असफल बोलीदाताओं के मामले में बिक्री की तिथि को बिना ब्याज लौटा दी जाएगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को बिक्री राशि की 25 प्रतिशत, ईएमडी समायोजित करने के पश्चात, अधिकतम अगले कार्यदिवस के कार्यसमाप्ति के समय तक और शेष 75 प्रतिशत राशि रू. 1000/– तक 2 प्रतिशत की दर पर तथा रू. 1000/– से अधिक बिक्री मूल्य के 1 प्रतिशत की दर पर पाउंडेज फीस के साथ, नीलामी की तिथि से अगले दो कार्यदिवस के भीतर जमा करनी होगी। बिक्री मूल्य वसूली अधिकारी–I, डीआरटी–III, दिल्ली के पक्ष में पे आर्डर/डिमांड ड्राफ्ट द्वारा देय होगी। पाउंडेज फीस रजिस्ट्रार, डीआरटी–III, दिल्ली के पक्ष में पे आर्डर/डिमांड ड्राफ्ट द्वारा देय होगी।

बिक्री मूल्य की शेष राशि निर्धारित अवधि में जमा करने में असफल रहने पर, पहले जमा की जा चुकी राशि जब्त कर ली जाएगी।

इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से दिनांक 19 मार्च, 2020 को ऑनलाइन नीलामी में भाग लेने अथवा बैंक पदाधिकारी श्रीमती कल्याणी प्रीति को 9599281817 पर अथवा नीलामी विक्रेता सुश्री दीपा नैनवाल को 9555188873 पर कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

अनिल कुमार यादव
वसूली अधिकारी–I
डीआरटी–III, दिल्ली

सामाजिक वानिकी में जनसहयोग का महत्व

स्थानीय समस्याओं के लिए विभिन्न रणनीतियों पर आधारित समाधान आवश्यक होते हैं। इसके लिए प्रमुख लोगों का वन विशेषज्ञ होना जरूरी नहीं है, लेकिन उसे समुदाय को विशेषज्ञता से जोड़ने में सक्षम होना चाहिए।

बीकेपी सिन्हा
(लेखक लेखक पूर्व प्रधान वन्य प्रतिपालक हैं)

देश में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए सफल रणनीतियों पर बहस चल रही है। इसके एक सिरे पर रूसो का नैतिक व राजनीतिक अनुबंध का सिद्धांत है, जबकि दूसरी ओर सरकार के पास सारी राजनीतिक वैधता है। इसके साथ ही, हॉब्स के दृष्टिकोण के अनुसार, व्यक्तिगत कार्रवाइयां तभी संभव होती हैं जब वे व्यक्तिगत शक्ति व चेतना से प्रभावित होती हैं। इसी प्रकार, आज हमरे सामने व्यक्तियों की भूमिका बनाम राज्य के मामले पर बहस करने वाले हैं, जो वन, भूमि, जलस्त्रोतों व अन्य प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के मामले में जारी है। तथ्य है कि वनों का खराब प्रबंधन अनेक नकारात्मक आयाम पैदा कर सकता है, जिनका प्रभाव विकास की रणनीति, पर्यावरण, गरीबी उन्मूलन व सामाजिक विकास पर पड़ता है।

संयुक्त राष्ट्र में वन शिक्षा के पूर्व अध्यक्ष, रिचर्डसन, ने एक बार कहा था, ''संरक्षण की सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि संरक्षण को खतरा है, या प्रजातियां लुप्त हो रही हैं, या जैव विविधता नहीं रह गई है। यह मृदा की उर्वरता बढ़ाना है ताकि दुनिया में टिकाऊ विकास आगे बढ़े, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को स्वीकार करे।''

मृदा की उर्वरता बढ़ाने या उसे बनाए रखने में पेड़ों या सदाबहार वनस्पतियों से अधिक कोई योगदान नहीं दे सकता। उचित स्थानों पर उचित संख्या में वृक्ष मृदा उत्पादकता बनाए रखने व उसे बढ़ाने में प्रमुख भूमिका अदा करते हैं। वे रोजगार सृजन, आय की असमानता से निबटने तथा जलवायु परिवर्तन की दर घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इसका कारण कार्बन अवशोषण की उनकी विशिष्ट क्षमता है। भारत में संसाधन बहुत कम व अस्थिर प्रकृति के हैं। इसे देखते हुए पशुपालन में सावधानी बरतना जरूरी है। मृदा क्षरण व इसकी बर्बादी की लागत पर अकसर ध्यान नहीं दिया जाता, क्योंकि इसके अनेक आयाम व स्तर हैं। मृदा क्षरण के कारण उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है, वर्षा जल अवशोषण में कमी आती है, जल धारण क्षमता घट जाती है, पोषक तत्वों की कमी होती है, जुताई की लागत बढ़ जाती है, बांधों की भंडारण क्षमता घटती है, जल की आपूर्ति कम होती है तथा वन्य जीवों की संख्या घटती है। नदियों के मामले में वनों का स्वास्थ्य जल की गुणवत्ता व मात्रा बड़ी सीमा तक निर्धारित करते हैं। वनस्पतियों से जीव जगत के कामकाज पर प्रभाव पड़ता है। अकसर, पेड़ों की शाखाएं व टहनियां बांधों में कचरा बन जाती हैं, लेकिन वे एक महत्वपूर्ण पर्यावास भी हैं।

भारत में ऐसे विशाल क्षेत्र हैं, जहां केवल वृक्षों की मदद से टिकाऊ खेती संभव है, चाहे वह फसल चक्र के रूप में हो या चारे के रूप में उनका प्रयोग हो। जमीन ठीक करने व उपजाऊ बनाने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत के विशाल तथाकथित सूखे इलाके अतीत में इतनी बुरी तरह दुरुपयोग के शिकार हुए हैं कि वे स्वयं पर निर्भर लोगों के लिए भोजन व चारा प्रदान करने में अक्षम हो गए हैं। इन सभी महत्वपूर्ण स्थितियों में पेड़ों का योगदान निर्णायक हो सकता है। अत:, वर्तमान भारत में सबसे महत्वपूर्ण काम पेड़ लगाना है।

घटती उत्पादकता से निबटने के लिए कृषि में अकसर तकनीकी खोज को बढ़ावा दिया जाता है। लेकिन, कृषि संबंधी अधिकांश खोजें यह बताने में विफल रहती हैं कि देश के अनेक भागों में भूमि पर पूरी तरह अलग तकनीकों का प्रयोग क्यों किया जाता है, जो देखने में एक जैसी लगती हैं। छोटे व स्वतंत्र किसान एक खास तरह की तकनीक का प्रयोग करते हैं ताकि वे भूमि से जुड़े रहें, जहां आधुनिक व संवेदनशील तकनीक नगदी फसलें पैदा करने के काम आती है। इसी प्रकार, निर्वनीकरण व मृदा क्षरण को जनसंख्या का परिणाम बताना अति सरलीकरण है। किसी समावेशी अध्ययन या इतिहास के विश्लेषण से स्पष्ट होगा कि निर्वनीकरण असमान सामाजिक संबंधों के अलावा और कुछ नहीं है।

ऐसे परिदृश्य में सामाजिक वनीकरण जैसे क्षेत्र पर सावधानी से ध्यान दिया जाना चाहिए जो महत्वपूर्ण परिणाम दे सकता है। यह अनेक लोगों के लिए अनेक अवधारणाएं तैयार करने, सामाजिक आर्थिक विकास के लिए वन, कृषि वानिकी, शहरी वानिकी, मनोरंजक वानिकी व ग्रामीण विकास के लिए वानिकी हैं। ये अनेक तरीके विभिन्न परिस्थितियों में वृक्षों के विभिन्न कार्य भी हैं। लेकिन, इनसे वृक्षों के बारे में सामाजिक चेतना का विस्तार स्पष्ट होता है। लेकिन, पहले विचार करें कि सामाजिक वानिकी का क्या अर्थ है? हालांकि, इसका कोई स्पष्ट अर्थ नहीं है, पर इसमें वनीकरण की अनेक गतिविधियां शामिल हैं जो सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति लक्षित हैं। कृषि वानिकी में एक फारेस्टर कह सकता है कि इसने पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा व पंजब के अनेक क्षेत्रों को बदल दिया है। हरियाणा का यमुनानगर वना आधारित औद्योगिक गतिविधि का केंद्र बन गया है जो स्पष्ट करता है कि कृषि वानिकी क्या कर सकती है। लेकिन, यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि अर्थशास्त्री मिहिर शाह के अनुसार, भारत के सूखे इलाके विकास नियोजन के लिए एक विशिष्ट चुनौती पेश करते हैं। जीव वैज्ञानिकों ने कृषि वानिकी के पक्ष में बहुत से दावे किए जैसे कि मृदा अपरदन पर नियंत्रण, सावयवी तत्वों को बनाए रखना, मृदा के भौतिक गुण को सुधारना व कायम रखना, नाइट्रोजन के जोड़ना, खनिज तत्व पोषण, मृदा अम्लीयता व क्षारीयता में कटौती, वृक्ष जड़ प्रणाली के द्वारा बायोमास को जोड़ना, वर्षा जल एवं सूर्य के प्रकाश का संचयन, व्याधियों से होने वाली क्षति पर नियंत्रण आदि।

कृषि वानिकी प्रणाली कुछ उत्पाद उपलब्ध करा सकती है, जिनके मापन हेतु विभिन्न पैमानों की आवश्यकता होती है। वे अलग-अलग तरीकों से समय व स्थान के भिन्न-भिन्न पैमानों पर होते हैं। अलग-अलग उत्पादों के लिए मापन की अलग-अलग इकाइयों की जरूरत हो सकती है। उदाहरण के लिए, फसल प्रति मौसम, लकड़ी अथवा पोल कुछ वर्षों बाद, गैर लकड़ी वनोत्पाद भिन्न इकाइयों में, अथवा टनों शीर्ष मृदा की बचत, वर्षा जल संरक्षण। संक्षेप में, दोनों ही अल्पकालीन और दीर्घकालीन लाभ भिन्न-भिन्न कृषि वानिकी प्रणालियों से होते हैं। अल्पकालीन लाभ गीली घास और कचरे के तौर पर होते हैं जो लड़की वृद्धि एवं मृदा के भौतिक गुणों को प्रभावित करते हैं। किसानों को इस तथ्य की जानकारी होनी चाहिए कि प्राकृतिक पूंजी में दीर्घकालीन लाभ का आंकलन करने के लिए, हमें समय व स्थान के पैमाने पर विचार करना होगा। कृषि वानिकी टिकाऊ कृषि की दक्षता, स्थिरता एवं प्रतिरोध में सहभागी हो सकती है, यदि लाभों को समय एवं स्थान के पैमाने में ध्यान रखा जाए। वृक्ष अपने तात्कालिक वातावरण से परे भी प्रभाव डाल सकते हैं। उनकी जड़ें जलसंभरण के ऊपरी हिस्से पर उनके भूखंडों व वृक्षों से बाहर भी विस्तारित हो सकती हैं जो नीचे की ओर खेतों को प्रभावित करती हैं, जबकि घाटी में वृक्ष जल विज्ञान पर असर डालते हैं। इसलिए, कृषि वानिकी के लाभों को ध्यान में रखते समय, वस्तुएं एवं सेवाएं दोनों की ही ध्यान में रखने की आवश्यकता होती है और इसमें कोई संदेह नहीं कि वृक्षों एवं फसलों का सही संयोजन दक्षतापूर्ण, प्रतिरोधक एवं टिकाऊ हो सकता है।

लेकिन, कृषि वानिकी केवल तकनीकी समस्याएं हल करने तक ही सीमित नहीं होती। सामाजिक, आर्थिक और इसलिए राजनीतिक संदर्भ को समझना भी आवश्यक है जिसके अंतर्गत कृषि कार्य किए जाते हैं। इस तरह का शोध अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि दिन ब दिन परम्परागत कृषि के अधीन भूमि का क्षेत्र सिकुड़ता जा रहा है और वृक्षों का उपयुक्त उपयोग मृदा उत्पादकता सुधारने मे काफी योगदान कर सकता है। शोध के ऐसे क्षेत्रों पर ध्यान जाना प्रारम्भ हो गया है। कृषि वानिकी वर्तमान समय में अधिकतर उपजाऊ भूमियों के समृद्ध हिस्सों तक सीमित है और लाभ अधिकतर अमीर किसानों को मिल रहे हैं। ये लाभ अथवा प्राप्तियां भूमिहीन, छोटे किसानों एवं संविदा मजदूरों में कैसे वितरित होते हैं इसका क्षेत्र विशिष्ट आंकड़ों के द्वारा विश्लेषण करना बाकी है।

विविध प्रकार के मुद्दे एवं स्थान विशिष्ट समस्याएं तथा समाधान हैं जिन्हें संबोधित किए जाने की आवश्यकता है जिसके लिए न तो प्रभावी समाधान है, न ही क्षमता और न उपयुक्त नीतिगत औजार। ग्रामीण गरीब, जिनके पास या तो जमीन नहीं है या अपर्याप्त जमीन है, की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। योजनाओं के अभाव अथवा गलत ढंग से बनाई गई योजनाओं से समस्या नहीं सुलझने वाली। भूमि को बहाल करने, जलस्त्रोतों अथवा स्थानीय जैव विविधता संरक्षण हेतु के लिए उनको परियोजित किया जा सकता है। शहर प्रशिक्षित विस्तार के आदेश एवं किसानों को दी गई सलाह प्राय: अनदेखी की जाती है। उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए व्यक्तियों के द्वारा नए विचारों को संप्रेषित करने की बात समझ में आती है। नष्ट होते पारिस्थितिकीय तंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए आमल-चूल सुधार की आवश्यकता है।

वानिकी का पुनर्सृजन सामाजिक वानिकी का एक और आयाम है, जिसके लिए सावधानीपूर्ण पोषण की आवश्यकता होती है, क्योंकि उसके प्रयोगकर्ता लगभग समाज के मत निर्माता होते हैं। वे प्रभावशाली होते हैं, जिनमें जनमत व राजनतिक मत को परियोजित करने की योग्यता होती है। बाहरी मनोरंजन एवं सामाजिक समांगता गति पकड़ रही है, और नगरवासी वनों का अनुभव करना पसंद करते हैं। भारत में वन भूक्षेत्र कुछ ही संख्या में हैं और शहरों व ग्रामवासियों की पहुंच से बहुत दूर हैं। इसलिए, नगरवासियों के लिए वन क्षेत्र की मांग बहुत ज्यादा है, जैसे लखनऊ में कुकरैल, या अन्य बड़े शहरों में। इसके लिए कौशल, स्पष्ट ध्येय, लोगों अथवा हित समूहों की मांगों को समझने का अनुभव होना चाहिए, बदले में वित्त की व्यवस्था करनी होती है।

नगरीय वानिकी एक विचित्र किस्म की सामाजिक वानिकी है, जिसने जबर्दस्त क्षमता दर्शाई है और यह वृक्षों को लेकर सामाजिक चेतना का एक और संकेतक है। नगरीय वन का मुख्य उद्देश्य छाया, स्क्रीनिंग और आनंद है। नगरीय नवीकृत भूक्षेत्र भी एक सामाजिक स्तर होता है। आर्थिक रूप से उपयोगी प्रजातियां चुनी जाती हैं, जैसे कि मोरिंगा, नीम, जामुन, यूकेलिप्टिस, मलिन बस्तियों अथवा निम्न आय वाले क्षेत्रों के लिए। मलिन बस्तियों में रहने वाले लोग आमतौर से उन्हें उनकी अस्थायीदुकानों व घरों के लिए चारा अथवा छाया उपलब्ध कराने वाली कुछ प्रजातियों को छोड़कर पेड़ों की चिंता नहीं करते। समृद्ध इलाकों के नगरीय वन आमतौर से सुनियोजित व बेहतर वृक्षों से परिपूर्ण होते हैं। नगरीय वृक्ष नगरवासियों को लाभ देने, जलवायु सुधार एवं इंजीनियरिंग, वास्तु एवं मनोविनोद जैसे इस्तेमाल के चलते महत्वपूर्ण होते हैं। मगर कुछ शहरों को छोड़कर, नगरीय क्षेत्रों का प्रबंधन आमतौर से कौशल व अनुभव के अभाव को परिलक्षित करता है, साथ में वित्तीयन व उचित निगरानी का व निश्चित रूप से जानकारी, शिक्षा एवं साझीदारों में प्रशिक्षण का भी अभाव रहता है।

पेड़ों की बहुत सी भूमिकाएं होती हैं। वन नीति विशेषज्ञ ब्जोर्न लुंडग्रीन ने उचित ही टिप्पणी की थी कि कई स्थानीय समस्याएं हैं जिनके समाधान भिन्न-भिन्न रणनीतियों पर निर्भर होते हैं। यही कारण है कि मुख्य व्यक्ति वनकर्मी हो भी सकता हे अथवा नहीं भी लेकिन जो स्थानीय समुदाय को विशेषज्ञता के भंडार से जोड़ता है व उत्प्रेरक का काम करता है वह भी महत्वपूर्ण होता है। ये मायने नहीं रखता कि वो एक्टिविस्ट कहलाता है कि ग्राम प्रतिनिधि। ऐसे लोगों के माध्यम से ही वनकर्मी अथवा अन्य लोग समस्याओं को समझ सकते हैं और उपयुक्त समाधान सुझा सकते हैं।

अमेरिका-ईरान टकराव और भारत की भूमिका

क्षेत्र में अपने आर्थिक एवं सुरक्षा हितों के चलते, नई दिल्ली ने इस्राइल, सऊदी अरब, यूएई तथा ओमान जैसे देशों के साथ मजबूत मित्रता विकसित की है। इसके चलते उसे टकराव के समय अधिक सफलता की संभावनाओं के साथ वार्ता की पहल करने का अवसर मिल सकता है।

सपना सिंह
लेखिका दि पायनियर की प्रमुख संवाददाता हैं।

वर्ष 2020 का अंत दुनिया के लिए अनेक परिवर्तनकारी समाचार सामने लाएगा। वह इन बड़े सवालों के जवाब देगा कि क्या हाल ही में महाभियोग प्रक्रियाओं से बेदाग निकले डोनाल्ड ट्रंप नवंबर में होने वाले चुनाव के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति बने रहेंगे? महत्वपूर्ण है कि ईरान भी फरवरी 21 में संसदीय चुनावों का सामना करेगा।

रणनीतिक विचारकों के अनुसार, ईरानी मेजर जनरल कासिम सुलेमानी की हाई प्रोफाइल हत्या से राष्ट्रपति ट्रंप अपनी ईरान नीति को अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में पूरी तरह बदलने की इच्छा रखते हैं। इस हमले ने बहस का जन्म दिया कि क्या सुलेमानी की हत्या का जोखिम लेना ठीक था, जो इस्लामिक स्टेट के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध का चेहरा थे। वो इराक व सीरिया में अमेरिका, रूस, तुर्की तथा यूरोपीय सहयोगियों के साथ आईएस का मुकाबला कर रहे थे।

पूर्व अमेरिकी सरकारों के पास भी सुलेमानी का सफाया करने के अवसर थे, पर उन्होंने यह मुख्यत: अपने सरोकारों के कारण नहीं किया, क्योंकि इससे दोनों पक्षों के बीच तनाव खतरनाक रूप से बढ़ जाता। लेकिन, यह स्पष्ट है कि ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंध के मामले में ट्रंप ने एक अलग दृष्टिकोण अपनाया तथा अधिकतम दबाव डालने की रणनीति पर काम किया। हालांकि, अमेरिकावाद विरोध ईरान में हमेशा अमेरिकी विदेश नीति के लिए चुनौती बना रहा है। लेकिन, ट्रंप ने निर्णायक रूप से ईरान के सर्वाधिक लोकप्रिय सैन्य नेता का सफाया कर अमेरिकावाद विरोध को ईरान की सड़कों तक पहुंचा दिया है। जनता में अत्यधिक लोकप्रिय जनरल सुलेमानी की हत्या का प्रयोग ईरानी सरकार अमेरिका विरोधी भावनाएं भड़काने तथा देश में भावनात्मक ज्वार पैदा करने के लिए करेगी। इसके दीर्घकालीन परिणाम होंगे, और संभवत: अमेरिका इनके लिए तैयार नहीं था।

ईरान में लंबे समय से चुनाव का प्रयोग सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खमनेई की निगरानी में ईरान नेतृत्व चुनने के लिए होता है। इस प्रकार यह एक प्रकार से जनसमर्थन का भ्रम पैदा करने व लोकतांत्रिक वैधता का औजार है। इस बार भी सरकार यह प्रदर्शित करने के लिए तैयार है कि देश व विदेश में उसके विरोधी ईरानी जनता की इच्छा नहीं व्यक्त करते हैं, हालांकि पिछले चार दशकों में जनता तथा सरकार के बीच अंतर धीरे-धीरे बढ़ा है। हर गुजरते दिन के साथ ज्यादा से ज्यादा ईरानी इस नतीजे पर पहुंच रहे हैं कि सरकार उनका प्रतिनिधित्व नहीं करती है और उसमें सुधार संभव नहीं है। ईरानी ऐसा नेतृत्व चाहते हैं जो उनकी इच्छाओं का सम्मान करे तथा उनके हितों का ध्यान रखे। जब तक ईरान के नेता यह तथ्य नहीं समझते हैं तथा स्वतंत्र व मुक्त चुनाव नहीं कराते हैं तब तक जनता व शासकों के बीच खाई लगातार चौड़ी होती रहेगी। विरोध प्रदर्शन जारी रहेंगे तथा मतदान करने वाले लोगों की संख्या बहुत कम बनी रहेगी। इसलिए, सरकार ट्रंप द्वारा किए गए इस हमले का प्रयोग अपनी क्रूरता व कमियां छिपाने तथा अमेरिका विरोधी भावनाएं भड़काने के लिए करेगी, ताकि चुनावों के माध्यम से वे अपनी प्रासंगिकता व्यापक रूप से सिद्ध कर सकें।

रोचक ढंग से, दूसरी तरफ, अमेरिका में, जहां पूर्व राष्ट्रपतियों को चुनावी वर्ष में जानबूझकर जनमत का ध्यान असहजतापूर्ण घरेलू मुद्दों से भटकाने के लिए विदेश नीति संकट पैदा करने के दोष दिए जाने की बातें चलती रहती हैं, जनरल सुलेमानी की हत्या कोई नई बात नहीं है। हालांकि, इस बार ट्रंप अल्पकालीन चुनावी लाभ पाने की तलाश में चीजों को ज्यादा दूर तक ले जा सकते हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ आगाह करते हैं कि इस घटना के दीर्घकालीन प्रभाव हो सकते हैं और इससे पश्चिम एशिया में अमेरिका के सुरक्षा हित खतरे में पड़ सकते हैं। हालिया खबर के मुताबिक, डेमोक्रेट्स की अगुवाई में अमेरिका हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्ज की एक समिति ने विदेश सचिव माइक पोम्पियो के साथ पूर्व में उपस्थित होने पर इनकार करने के लिए सम्मन जारी करने की धमकी देने के बाद एक सार्वजनिक सुनवाई के अवसर पर ईरान व इराक नीति का परीक्षण किए जाने हेतु एक समझौता किया है। यह जल्द ही सार्वजनिक होगा।

अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव ने दुनिया को हिला दिया है क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में जो कुछ भी होता है उसका गंभीर प्रभाव दुनिया की तेल आधारित अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से एशियाई देशों पर पड़ेगा। हालांकि, सुरक्षा विशेषज्ञों ने संकेत दिए हैं, ट्रंप के हालिया बयान पर आधारित, ''जिसमें नाटो सहयोगियों से मध्य-पूर्व क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने को कहा गया है'', कि वो तनाव कम करने पर राजी हैं। अपने स्तर पर ईरान भी, मुद्दे को ज्यादा बढ़ाने के उत्सुक नहीं हैं क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षणों हेतु हामी भर दी है और वह नाभिकीय अप्रसार संधि से बाहर नहीं निकलने वाला। दोनों देशों से मिलने वाले ऐसे संकेतों के बावजूद, नई दिल्ली इसको लेकर चिंतित है कि भारत पर खाड़ी तनाव को क्या प्रभाव पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत के चाबहार बंदरगाह तथा खाड़ी में काम करने वाले लगभग 10 मिलियन भारतीयों को लेकर सामरिक हित शामिल हैं, जो देश में लगभग 40 अरब डॉलर भेजते हैं। जनवरी में, नई दिल्ली में रायसीना वार्ता के पंचम संस्करण के अवसर पर बोलते हुए, ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जावेद ज़रीफ ने अमेरिका को अज्ञान एवं दंभी बताकर तापमान बढ़ा दिया था और अपने युद्ध नायक की हत्या के लिए अमेरिका की आलोचना की थी। उन्होंने क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए भारत से आक्रामक बैकडोर राजनय अपनाने के लिए कहा।

यह वादा करते हुए कि उनका देश शक्तिशाली अमेरिका के साथ युद्ध करने नहीं जा रहा, ईरानी राजदूत ने भारत से फारस की खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए अधिक व्यापक भूमिका निभाने पर जोर दिया था। संकट का प्रभाव व्यापार पर पड़ने को लेकर भय व्यक्त करते हुए, चेगनी ने आश्वासन दिया कि चाबहार बंदरगाह चालू है और यह भारत, ईरान और अफगानिस्तान, स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल, यूरोप और संपूर्ण फारस की खाड़ी के बीच मित्रता का प्रतीक है। महत्वपूर्ण रूप से, अफगानिस्तान और मध्य एशिया की ओर सामुद्रिक यातायात विकसित करने के सामरिक महत्व को ध्यान में रखकर, अमेरिका ने भारत को लिखित आश्वास दिया कि इससे चाबहार बंदरगाह के लिए 85 मिलियन डॉलर के उपकरण खरीदने में मदद मिलेगी।

क्षेत्र में तनाव उस यातायात के लिए खतरा बन सकता है जो हार्मुज जलडमरूमध्य से होकर जाता है, जो यद्यपि उसके सबसे चौड़े बिंदु पर मात्र 21 मील का है, मगर उसकर व्यापक सामरिक एवं भू-राजनीतिक प्रासंगिकता है क्योंकि यह केवल ईरान और ओमान के बीच स्थित है। यह वित्तीय रूप से महत्वपूर्ण चेकप्वाइंट है क्योंकि यह विश्व की सबसे व्यस्ततम पोत आवागमन मार्ग है और उसे अनदेखा करने के सीमित विकल्प हैं।

अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, 21 मिलियन बैरल कच्चा एवं शोधित तेल इस जलडमरूमध्य से होकर जाता है, जो विश्व में समुद्र से होने वाले तेल व्यापार का एक तिताई है। इस प्रकार, ईरान अमेरिका पर दबाव बना सकता है और उस मार्ग से होकर जाने वाले तेल टैंकरों को बाधित करके उसके सहयोगियों की नींद उड़ा सकता है, जिससे अंतत: आपूर्ति बाधित होगी और समुद्री पोतों की आवाजाही की लागत बढ़ेगी तथा ऊर्जा की कीमतें भी बढ़ जाएंगी। यहां पर भारत को खाड़ी क्षेत्र में बहुआयामी दृष्टिकोण के चलते अपवादस्वरूप लाभ है। क्योंकि उसके ईरान और अमेरिका से नजदीकी संबंध हैं, नई दिल्ली दोनों देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा सकती है।

क्षेत्र में अपने आर्थिक एवं सुरक्षा हितों के चलते, नई दिल्ली ने इस्राइल, सऊदी अरब, यूएई तथा ओमान जैसे देशों के साथ मजबूत मित्रता विकसित की है। इसके चलते उसे झगड़ों के समय में अधिक सफलता की संभावनाओं के साथ वार्ता की पहल करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का यह हालिया दौर भारत की इस क्षेत्र में बहुआयामी रिश्तों की नई नीति की परीक्षा होगी।

पश्चिमी एशिया में हो रही घटनाओं को रूस और चीन बड़ी उत्सकुता से देख रहे हैं क्योंकि दोनों के ही क्षेत्र में मजबूत हित जुड़े हैं। जबकि मॉस्को स्वयं को एक उभरती हुई वर्चस्वकारी ताकत के तौर पर देखता है और पश्चिम एशिया उसकी योजना का बड़ा हिस्सा है, चीन भी समान रूप से चिंतित है क्योंकि उसके तेल आयातों का 50 प्रतिशत हिस्सा इस क्षेत्र से आता है। हालांकि, उसकी सबसे बड़ी चिंता है उसकी महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल, क्योंकि इराक की अपनी अवस्थिति के चलते बड़ी भू-सामरिक महत्ता है। अनुमाल लगाया जा रहा है कि मॉस्को खामोशी से ईरान की सहायता कर रहा है क्योंकि उसके साथ उसकी खुफिया सूचना साझीदारी है। यह अन्य चीजों के ज्यादा अमेरिका के लिए चिंता का विषय है।

दाग छुड़ाऊं कैसे...

पिछले दिनों हुई डिफेन्स एक्सपो ने लखनऊ में धरती पर नया रिकार्ड जरूर दर्ज किया लेकिन इस एक्सपो ने सरकार के एक बहुत वरिष्ठ मंत्री का धर्म नष्ट कर दिया है। धार्मिक होने के साथ-साथ सरकार के इस मंत्री का जीवन पूरी तरह सात्विक है और उन्होंने विवाह तक नहीं किया है। इतना ही नहीं उन्हें बाहर का खाना खाने से भी परहेज है। सो अपना सात्विक घरेलू भोजन अक्सर साथ लेकर चलते हैं। विदेशी मेहमानों के सम्मान में मंत्री जी थोड़ा उदार हो गये और होटल के खाने में हाथ लगा बैठे और धोखे में वह नॉनवेज खा गये। हालांकि अहसास होने पर मंत्री ने अपनी गलती को तुरंत सुधारा लेकिन तब तक उनका धर्म नष्ट हो चुका था और कुछ साथियों ने इसे देख भी लिया था। केन्द्र तथा राज्य सरकार के मंत्री और रक्षा मंत्रालय के अधिकारी जहां एक्सपो की सफलता का गुनगान करने में लगे हैं वहीं योगी सरकार के यह मंत्री मौका देख अपनी पीड़ा को कहने से नहीं चूकते। उनका कहना है कि धर्म और आस्था के रास्ते पर चलने वाली योगी आदित्यनाथ सरकार में भोजन के साथ नॉनवेज परोसा जाना ठीक नहीं। मंत्री की बात कुछ हद तक ठीक भी है क्यों कि उनकी सरकार में डिनर अथवा किसी भी लंच में अभी तक नॉनवेज नहीं दिखा है। अलवत्ता खिचड़ी तथा अन्य देशी सात्विक व्यंजन जरूर रहते हैं।योगी सरकार की अर्थ व्यवस्था की कमान संभालने वाली सरकार के इस वरिष्ठ मंत्री के गुस्से को कम करने के लिये साथ के मंत्री तथा अन्य करीबी समझाने में लगे हैं कि भाई एक्सपो में देशी-विदेशी सभी मेहमान थ, जिसमें नॉनवेज का परोसा जाना जरूरी था। खैर जो भी हो लेकिन करीब सत्तर साल के मंत्री के बेदाग सात्विक जीवन को एक्सपो ने दाग तो लगा ही दिया है। अब देखना है कि मंत्री जी का यह दाग कैसे छूटता है।

गाजीपुर पर गाज

पूर्वांचल के समाजवादी ठाकुर साहब का प्रकाश काफी कम होता दिखाई पड़ रहा है। स्थिति यह है कि लगता है कि समाजवादियों को उनकी याद ही नहीं आती। काफी लम्बे समय से वह समाजवाद के किसी भी कार्यक्रम में देखे नहीं गए। अभी हाल ही में साहित्यकारों के एक कार्यक्रम में वे दिखाई तो पड़े लेकिन समाजवाद के मुखिया से थोड़ी दूर। ये दूरी तो समाजवादियों के सत्ता में रहने के दौरान ही हो गई थी जब पूर्वांचल के सिंह साहब समाजवाद के मुखिया से दूर शिव की भक्ति कर रहे थे। शायद उसी दौरान ही उनकी और समाजवाद के मुखिया के बीच की खाई तैयार हो गई थी लेकिन सिंह याहब इस खाई की गहराई को समझ नहीं सके थे और शिव की भक्ति में पूरी तरह से सराबोर थे। सत्ता गई और शिव का समाजवाद के मुखिया से पूरी तरह से अलगाव हो गया। फिर क्या था। सिंह साहब न घर के रहे और न ही घाट के। अब न तो उन्हें कोई समाजवादी पूछता है और न ही वह शिव, जो प्रगति करके दूसरा खेमा तैयार कर चुके हैं। ऐसी स्थिति में सिंह साहब का प्रकाश तो कम होना ही है।

साहब बहादुर

यूपी की नौकरशाही में इस समय एक साहब का जलवा है। इसके चलते बाकी साहब तो खौफ में हैं ही साथ ही साथ सूबे के चीफ साहब भी इन साहब के आगे बेबस दिखाई पड़ते हैं। वह इसलिए क्योंकि साहब महाराज जी के सबसे ज्यादा करीबी अधिकारियों में तो हैं ही साथ ही साथ उनके पास प्रदेश के एक्सप्रेस-वे को बनाने तथा प्रदेश में निवेश लाने का जिम्मा तो है ही और साथ में उप्र की कानून व्यवस्था को भी चुस्त-दुरूस्त बनाऐ रखने का भी दारोमदार भी इन्हीं पर है। लखनऊ में पहली बार हुई रक्षा प्रदर्शनी में भी साहब का जलवा बिखरा और 33 एमओयू उनके विभाग के साथ हुए। बंधन कार्यक्रम में मंच पर साहब ही विदेशी कंपनियों के बीच छाए हुए थे। बाकी अधिकारी नीचे सोफे की शोभा बढ़ा रहे थे। इस कार्यक्रम में एक लंबे साहब कहीं नहीं दिखाई पड़े। आखिर कार्यक्रम साहब बहादुर का जो ठहरा।

प्रभारी-पार्टी पर भारी

देश की सबसे पुरानी पार्टी की सूबाई इकाई के प्रभारी ही पार्टी पर भारी पड़ रहे हैं। पार्टी की स्थिति यह है कि दिन-प्रतिदिन उसका जनाधार पूरी तरह से खत्म होता चला जा रहा है। कार्यकर्ता बचे नहीं हैं लेकिन नेताओं की लंबी फौज पार्टी की लगातार हो रही हार को मुंह चिढ़ा रही है। काम करने के बजाए पद हथियाने के लिए मारामारी मची हुई है। एक जमाने में पार्टी में सिर्फ राष्ट्रीय प्रभारी महासचिव होता था और उसके साथ एक सचिव सह प्रभारी रहता था। अब तो इस पार्टी में प्रभारी महासचिव के साथ पहले से ही छह-छह सहप्रभारी हैं और उसके ऊपर से अब एक के बजाए तीन प्रभारी प्रशासन भी तैनात कर दिए गए हैं। पार्टी की इस स्थिति पर उसके खुद के नेता ही कहने से नहीं चूकते कि यहां जिस चीज के लिए देखो प्रभारी बन जाते हैं। दरअसल यह प्रभारी ही पार्टी का बंटाधार कर रहे हैं।

ब्लैक से व्हाइट

प्रदेश के डिप्टी सीएम के लेटर से भी एलडीए का भ्रष्टाचार दूर नहीं हुआ है। उद्धार करने उतरे मंत्री साहब भी चुप्पी मार गए। हालांकि नये बड़े साहब भी भ्रष्टाचार देखकर परेशान हैं। बावजूद इसके सुधारने के भागीरथ प्रयास जारी हैं जबकि इससे पूर्व तत्कालीन बड़े साहब के निर्देश पर इंजीनियरिंग के मुखिया आनन फानन में कुछ फर्मों को ब्लैक लिस्ट में डालकर अपनी गर्दन बचाने में जुटे गए थे। आलम यह था कि साहब ने अभी हुंकार भी नहीं भरी, केवल नजरें टेढ़ी करते ही एक दर्जन एजेंसियों पर प्रतिबंध लग गया। फिर क्या था लोग चुटकी लेने से नहीं चूके। आधा दर्जन और फर्में भी लपेटे में हैं जिनके पैरोकार भी जांच करने वाले अधिकारी ही हैं। कुल मिलाकर इंजीनियरिंग के मुखिया किसी तरह अपने को जाल में फंसाने से बचा ले गए। एलडीए के बड़े साहब ने अभी से चिन्हित कर भ्रष्ट कर्मचारियों में भय का माहौल बनाने में जुट गए हैं जिसमें वह कुछ हद तक सफल भी हो गए हैं। वहीं, भ्रष्टाचार का अखाड़ा बने एलडीए में अफसर काम कम अपने को बचाने की जुगत में लगे हुए हैं। हालांकि कुछ लोग प्रतिबंधित फर्मों को साहब के भय के ताप से बचाने में जुटे हुए हैं जबकि बड़े साहब की कुर्सी बड़ी कांटों वाली है, जिस पर ज्यादा देर तक कुछ ही अफसर रह सके हैं।

माजरा क्या है

अपने संस्थान के मैनेजमेंट गुरु संस्थान में सब कुछ अपने हिसाब से करना चाहते हैं। उन्होंने संस्थान के मठाधीश गुरुजनों को अपनी कुर्सी की ताकत का अहसास कराना शुरू कर दिया है। अब मठाधीशों की इस चुप्पी के पीछे क्या राज है, यह किसी को समझ में नहीं आ रहा है। कुर्सी की ताकत है पाने की लालसा। फिलहाल, हर कोई यही कह रहा है कि कुर्सी पाने के चक्कर में बैर लेना नहीं चाह रहे हैं। शायद यही वजह है कि मुखिया की हर बात पर हां में हां सभी मिलाये जा रहे हैं। अब ताजा उदाहरण ले लीजिए। पिछले मुखिया के कार्यकाल में सीबीसीएस को शुरू करने की कवायद की गयी थी। इसके पीछे पुराने मुखिया का मकसद था कि विवि में पढ़ने वाले छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तर्ज पर तैयार किया जाय। जिससे पढ़कर निकलने के बाद छात्र को प्रतियोगी परीक्षाओं का सामना करने में आसानी हो। इसके लिए बड़े-बड़े एक्सपर्ट बुलाये गये। मल्टीपल च्वाइस सिस्टम आधारित क्वेश्चन बैंक बनाने का फरमान जारी हो गया। मगर गुरुजी को नहीं करना था, इसलिए उन्होंने पुराने मुखिया के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कुल मिलाकर पुराने मुखिया की कवायद धरी की धरी रह गयी। लेकिन नये मुखिया ने अब उसी कवायद को फिर से छेड़ दिया है। उन्होंने सीबीसीएस लागू करने का निर्णय ले लिया है। अब वही गुरूजन हैं, जिनके मुंह से इसके खिलाफ एक बोल भी नहीं फूट रहे हैं। वह भी इसे लागू करने की बात करते हुए इसकी महत्ता बताते हुए फिर रहे हैं। ऐसे में यह नहीं समझ में आ रहा है कि यह कुर्सी की ताकत है या पाने की लालसा है।

नकल कराने वालों पर गैंगस्टर और रासुका लगेगा

● बोर्ड परीक्षा को लेकर डिप्टी सीएम की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी बोर्ड की परीक्षा की तैयारियों को लेकर उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। जिसमें नकल को किसी भी हालत में रोकने का संकल्प दोहराया गया और निर्देश दिये गये कि नकल कराने वाले गिरोह पर गैंगस्टर तथा रासुका के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा के दौरान बिजली की आपूर्ति तथा छात्रों के आने-जाने के विशेष प्रबंध करने के भी निर्देश दिये गये।

विधान सभा स्थित अपने कार्यालय में उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने हाईस्कूल एवं इण्टरमिडिएट की बोर्ड परीक्षा पर बैठक में निर्देश दिये कि परीक्षा के दौरान पुलिस द्वारा नियमित पेट्रोलिंग करने के साथ ही परीक्षा केन्द्रों, संकलन केन्द्रों एवं मूल्याकन केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी सुनिश्चित करें। उन्होनें निर्देश दिया कि नकल कराने वाले गिरोहों पर गैंगस्टर एक्ट एवं रासुका के तहत कार्यवाही किया जाए। एसटीएफ के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो संगठित रूप से नकल कराने में लिप्त हैं उनके विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही करें। डॉ शर्मा ने परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि बसों का संचालन नियत समय पर सुनिश्चित किया जाए। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की आवागमन की असुविधा न हो। बोर्ड परीक्षा स्पेशल बसें चलायें जाने पर बैठक में विचार किया गया। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में चिकित्सा विभाग को निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रों के पास 102 एम्बुलेंस सेवा मुस्तैद रखी जाए, जिससे आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करायी जा सके।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्रों, संकलन केन्द्रों एवं मूल्यांकन केन्द्रों तक जाने वाले मार्गो को अभियान चलाकर गड्ढ़ा मुक्त किया जाए। उन्होंने नगर विकास विभाग को निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रोंए संकलन केन्द्रों एवं मुल्याकन केन्द्रों के आस-पास के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए तथा नियमित साफ-सफाई, फगिंग एवं चूने का छिड़काव कराने के साथ ही पेयजल की व्यवस्था की जाए तथा पॉट होल्स को ठीक किया जाए। डॉ दिनेश शर्मा ने ऊर्जा विभाग को निर्देश दिया कि परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केन्द्रों पर निर्बाध बिजली की आपूर्ति की जाए। इसके साथ ही संकलन केन्द्रों एवं मूल्यांकन केन्द्रों पर भी बिजली की अनवरत सप्लाई की जाए। उन्होंने ने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रों के पास के हाई टेशन लाइनों के खम्भों की गार्डींग करायी जाए, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित न हो। बैठक में प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य देवेश चर्तुवेदी, एडीजी लॉ एण्ड आर्डर पीवी रामाशास्त्री, महानिरीक्षक एसटीएफ अमिताभ यश, सचिव नगर विकास अनुराग यादव, प्रबंध निदेशक यूपीएसआरटीसी राजशेखर, प्रमुख अभियन्ता लोक निर्माण विभाग आर आर सिंह सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

लखनऊ में विधानसभा के तिलक हाल में श्रम विभाग की बैठक में भाग लेते श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ के हर फीडर को बनाएं स्मार्ट: श्रीकान्त शर्मा

● ऊर्जा मंत्री ने हर फीडर का प्रभारी बनाने के दिये निर्देश

● गर्मियों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए 31 मार्च तक पूरे करें काम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने शनिवार को योजना भवन में लखनऊ की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सभी मंडल मुख्यालयों को ऊर्जा की दृष्टि से स्मार्ट बनाया जाए। इसी क्रम में राजधानी में तैनात सभी अधिकारियों को एक-एक फ ीडर का इंचार्ज बनाया जाएगा। वह अपने आवंटित कार्यों के साथ ही फीडर को आदर्श बनाने की कार्य योजना पर काम करेंगे। तभी इस लक्ष्य को पूरा किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि राजधानी के लाइन लॉस को सिंगल डिजिट में ले आनेए निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने व उपभोक्ता सेवाओं को दुरुस्त करने में किसी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। निर्देशित किया कि अधिकारी तय समय पर निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें। 31 मार्च सभी के लिए डेडलाइन है। अच्छा काम करने वाले पुरस्कृत होंगे। विभाग सभी अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए परफर्मेंस ऑडिट भी करवाएगा। उन्होंने आगामी गर्मियों के दृष्टिगत छूटे हुए काम 31 मार्च तक जरूर पूरे कर लिए जाएं। समस्त उपखंड अधिकारी कार्यालय में डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफ ार्मर की मैपिंग एवं लोड बैलेंसिंग का काम पूरा कर लिया जाए। पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए जिससे उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली और पर्याप्त बिजली सप्लाई सुनिश्चित हो। निर्देशित किया कि झटपट पोर्टल, निवेश मित्र पोर्टल पर कनेक्शन के आवेदन तय समय सीमा के भीतर निस्तारित किये जायें। उपभोक्ताओं को कनेक्शन के लिये इधर उधर भटकना न पड़े। विद्युत विभाग उपभोक्ता देवो भव: की नीति पर काम कर रहा है। किसी भी दशा में उपभोक्ताओं की समस्याओं का व्यावहारिक निराकरण करना है। उत्पीड़न की शिकायत मिली तो कड़ी कार्रवाई होगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि त्रुटिपूर्ण बिलों की शिकायतें उन्हें मिल रहीं हैं वहीं बिलिंग की प्रगति भी धीमी मिलने पर नाराजगी जताई। निर्देशित किया कि तय तिथि पर उपभोक्ता को सही बिल मिल जाना चाहिए। इसमें विफ ल रहने वाले अधिकारियों की भूमिका की समीक्षा भी की जाएगी। उन्होंने स्मार्ट मीटर से संबंधित समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

योगी सरकार भ्रष्टाचार पर निरंतर कड़ा प्रहार कर रही: भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व ने प्रदेश की सम्मानित जनता से भ्रष्टाचार मुक्त उप्र का वादा किया था जिस पर प्रदेश की योगी सरकार ने निरंतर कड़ा प्रहार कर रही है। योगी के नेतृत्व ने शासन-प्रशासन से भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था को साकार करने के लिए सरकार द्वारा की जा रही कड़ी और निर्णायक कार्यवाही अत्यन्त सराहनीय है। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा जिस तरह की टालमटोल की लचर नीति अपनायी गयी तथा भ्रष्टाचार को संरक्षित किया गया उसी का परिणाम है कि पूरी व्यवस्था में शीर्ष से लेकर निचले स्वर तक भ्रष्टाचार ने अपना साम्राज्य पसार लिया था।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने प्रदेश की कमान सम्हालने के बाद से जिस तरह भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाई और पारदर्शी व्यवस्था को साकार करने के लिए कार्य किया। उसी का परिणाम है कि लगभग 700 से अधिक अधिकारियों व कर्मचारियों की बर्खास्तगी की कार्यवाही सरकार ने किया। जिसमें श्रेणी एक व श्रेणी दो के सभी अधिकारी शामिल है। उन्होंने कहा 2017 में योगी सरकार आने के पहले की सरकारों ने भ्रष्टाचारी अधिकारियोंए कर्मचारियों की फाइले अलमारियों में बंद की दी थी और 14 से 15 वर्षो तक उसे खोला ही नहींए जिसे योगी सरकार ने जांचों को निष्कर्ष तक पहुंचा कर आईएएस अधिकारियों तक को जेल भेजने का कार्य किया। श्रीवास्तव ने कहा कि योगी सरकार ने भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही तो की है खाद्यान्न घोटाले के नाम पर जाने वाले प्रदेश में खाद्यान्न घोटाला पूरी तरह समाप्त हुआ तथा लगभग 1 हजार करोड़ का खाद्यान्न जो तस्करी के जरिए नेपाल-बिहार चला जाता था उसे राशन कार्ड को आधार कार्ड से जोड़कर सरकार ने बचाया तथा गरीब जरूरत मंद लोगों तक पहुंचाने का अति सराहनीय कार्य किया।

काशी महाकाल एक्सप्रेस के यात्री उठा सकेंगे धार्मिक स्थलों के दर्शनों का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● अयोध्या, संगम, श्रृंगवेरपुर, काशी, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर सहित कई अन्य स्थानों के भ्रमण का मिलेगा मौका

देश की तीसरी तेजस एक्सप्रेस (काशी-महाकाल एक्सप्रेस) को प्रधानमंत्री रविवार को वाराणसी से इंदौर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस नई ट्रेन के संचालन की शुरुआत होने से यात्रियों को गंतव्य तक जाने के लिए एक और ट्रेन सुलभ हो जाएगी। हालांकि इससे भी ज्यादा खास बात यह कि आईआरसीटीसी ने काशी महाकाल एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए कई टूर पैकेजों की घोषणा भी कर दी है। या यूं कहें कि काशी से लेकर महाकाल की नगरी तक पड़ने वाले सभी तीर्थों का यात्री आसानी से दर्शन कर सकेंगे। बस इसके लिए उन्हें अपने टिकटों की बुकिंग करनी होगी। आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अश्विनी श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक सोमवार व बुधवार को उज्जैन ओंकारेश्वर दर्शन की योजना तैयार की गई है। यह पैकेज 2 रात व 3 दिन का होगा और यात्रियों के इसके लिए 9420 रुपए का भुगतान करना होगा। वहीं प्रत्येक शुक्रवार को उज्जैन-ओंकारेश्वर-माहेश्वर-इंदौर दर्शन का आयोजन किया जाएगा। 3 रात एवं 4 दिनों की इस यात्रा के लिए यात्रियों को 12450 रुपए का भुगतान करना होगा। इसके तहत श्रद्धालुओं को इंदौर, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर, माहेश्वर में होल्कर किला, नर्मदा घाट एवं शिव मंदिर, उज्जैन में काल भैरव मंदिर, राम मंदिर घाट, हरसिद्धि मंदर, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। इसी तरह से प्रत्येक शुक्रवार को ही भोपाल, सांची स्तूप, भीमबेटका रॉक पेंटिंग, काल भैरव मंदिर, हरसिद्धि मंदिर एवं महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए जाएंगे। 3 रात एवं 4 दिन की इस यात्रा के लिए यात्रियों को 14950 रुपए का किराया देना होगा। इसके साथ ही प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को ही भोपाल भ्रमण का मौका मिलेगा। 2 रात एवं 3 दिन की इस यात्रा के लिए पर्यटकों को जहां 8480 रुपए किराए का भुगतान करना होगा। वहीं उन्हें भोपाल, सांची स्तूप, भीमबेटका रॉक पेंटिंग के दर्शन का भी मौका मिलेगा। आईआरसीटीसी की ओर से काशी दर्शन का आयोजन शनिवार को किया जाएगा। इस दौरान उन्हें 6010 रुपए का भुगतान करना होगा। जिसके तहत उन्हें वाराणसी के घाट, काशी विश्वनाथ मंदिर, संकट मोचन मंदिर और दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती का मौका मिलेगा। वहीं मंगलवार को होने वाले काशी दर्शन के तहत श्रद्धालुओं को सारनाथ के दर्शन भी कराए जाएंगे और इस पैकेज का मूल्य 8110 रुपए प्रति व्यक्ति होगा। वहीं काशी-प्रयाग दर्शन योजना का आयोजन 2 रातों एवं तीन दिनों के लिए प्रत्येक मंगलवार को होगा। जिसके लिए उन्हें 10050 रुपए का भुगतान करना होगा। इसके तहत उन्हें काशी विश्वनाथ मंदिर, संकट मोचन मंदिर, वाराणसी के घाट और दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती, सारनाथ, प्रयाग में संगम और हनुमान मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। काशी-प्रयाग-अयोध्या दर्शन का आयोजन प्रत्येक शनिवार को 3 रात एवं 4 दिनों के लिए होगा। इसका किराया 14770 रुपए होगा और श्रद्धालुओं को इसके तहत काशी विश्वनाथ मंदिर, संकट मोचन मंदिर, वाराणसी के घाट, दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती, सारनाथ, प्रयाग में संगम और हनुमान मंदिर में दर्शन, श्रृंगवेरपुर, अयोध्या में श्रीराम मंदिर और हनुमान गढ़ी के दर्शन भी कराए जाएंगे।

मायावती ने की मंगटा गांव में हुई घटना की कड़ी निंदा

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती ने कानपुर देहात के मंगटा गांव की घटना को गंभीरता से लेते हुए कड़ी निंदा की है। उन्होंने शनिवार को ट्वीट करके कहा कि बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर व उनका बनाया संविधान उनके करोड़ों अनुयाइयों की रगों में बसता है। उनका किसी भी रूप में अपमान उन्हें कतई बर्दाश्त नहीं। इसलिए मंगटा, कानपुर देहात में उनके पोस्टर फाड़ने पर लोगों ने विरोध किया, जिन पर हुई जुल्म ज्यादती अतिनिन्दनीय है।

उन्होंने कहा कि बसपा का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल रविवार को कानपुर जाएगा और इस घटना के संबंध में पीड़ित लोगों से मिलने के साथ-साथ नामदर्ज एफआईआर पर समुचित कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग प्रशासन से करेगा।

दलितों व महिलाओं पर हमला करने वालों को संरक्षण दे रही सरकार

● मंगटा के पीड़ितों के साथ खड़ी है कांग्रेस, सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि भाजपा एक तरफ दलितों के उत्थान का दंभ भरती है लेकिन दूसरी तरह आरोपितों को संरक्षण देती है। आंकड़े कहते है कि भाजपा सरकार में दलितों पर सबसे ज्यादा हमे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कानपुर देहात के मंगटा गांव में वह साथी विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के साथ पीड़ितों का हाल जानने गए तो पता चला कि दलित समाज के लोगों पर दबंगो ने हमला किया। पीड़ितों का कहना था कि उनके बच्चों को स्कूल जाने से रोका जाता है। महिलाओं को शौचालय जाने के दौरान उपद्रवी जातिगत छींटाकशी करते हैं। कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक इन दलितों की लड़ाई लड़ेगी। मंगटा गांव के पीड़ित परिवारो से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने कानपुर देहात के जिला चिकित्सालय और कानपुर नगर के चिकित्सालय पहुंचकर मुलाकात की और हाल जाना। प्रतिनिधिमंडल ने मंटगा गांव पहुंचकर घटनास्थल का भी दौरा किया। लल्लू ने कहा कि इस घटना में 50 से ज्यादा लोगों को जिनमें महिलाओं की संख्या ज्यादा है, को गम्भीर चोटें आई हैं। अधिकतर लोगों के हाथ और पैर में फैक्चर हुआ है तथा सिर में चोटें आईं हैं। पीड़ित परिवारों ने मारपीट की घटना में पुलिस प्रशासन के मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया और कहा कि बच्चों को सरकारी स्कूल से मार कर भगा दिया गया है, गांव में डर का माहौल बना हुआ है। गांव में महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल था। पीड़ितों से मिलने के बाद योगी सरकार को घेरते हुए लल्लू ने आरोप लगाया कि हमला करने वाले एक राजनैतिक दल से जुड़े हैं उनको सरकार का संरक्षण है। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष और राज्य सभा सदस्य पीएल पुनिया, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, पूर्व सांसद राकेश सचान, पूर्व सांसद राजाराम पाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल सहित जिलाध्यक्ष नरेश कटियार, जिलाध्यक्ष कानपुर नगर उषा रानी कोरी शामिल रहे।

कांग्रेस आज निकालेगी आरक्षण बचाओ मार्च

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी रविवार को प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में परिवर्तन चौक से हजरतगंज चौराहा स्थित डॉ.अंबेडकर की प्रतिमा तक आरक्षण बचाओ मार्च निकालेगी। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता बृजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दोपहर 12 बजे से मार्च की शुरुआत परिवर्तन चौक से होगी। मार्च में अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष पीएल पुनिया, अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद ब्रजलाल खाबरी, अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रदीप नरवाल, पूर्व मंत्री आरके चौधरी, अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी, पूर्व विधायक रामसजीवन निर्मल, तरूण रावत प्रदेश महासचिव एवं अनुसूचित जाति के प्रभारी आलोक प्रसाद, महासचिव मनोज यादव सहित भारी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे।

आदिवासी ही हैं भारत के मूल निवासी: नायडू

जनजातीय संस्कृति को कायम रखना हमारा कर्त्तव्य: उपराष्ट्रपति

भाषा। मंडला (मध्यप्रदेश)

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने मंडला जिले के रामनगर में शनिवार को कहा कि भारत के मूल निवासी आदिवासी ही हैं और जनजातीय संस्कृति को बनाए रखना हमारा कर्त्तव्य है।

नायडू मंडला जिले के ऐतिहासिक स्थल रामनगर में दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव के शुभारंभ के बाद उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, भारत के मूल निवासी आदिवासी ही हैं। आदिवासी संस्कृति को बनाए रखना और जनजातियों का विकास करना हमारा कर्तव्य है और यह हमारा संवैधानिक दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों से हमें प्रकृति के साथ जीवनयापन करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। नायडू ने कहा कि गोंडवाना साम्राज्य की ऐतिहासिक धरोहर रामनगर आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। आदिवासी संस्कृति को जीवित रखने और उससे युवाओं को परिचित कराने के लिए आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया गया है। यह एक अच्छा प्रयास है जिसके माध्यम से आदिवासी शिल्प, संगीत, कला व संस्कृति आदि का प्रदर्शन किया जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति को जीवित रखने के लिए केवल सरकारी प्रयास ही काफी नहीं है, इसमें समाज का भी योगदान होना चाहिए। नायडू ने आगे कहा कि हमें अपने जीवन में, जन्म देने वाली माँ, जन्मभूमि, मातृभाषा और देश को कभी नहीं भूलना चाहिए। जनजातीय वर्ग ही समाज का वह वर्ग है जो प्रकृति को माता के रूप में पूजता है। यह जनजातीय परंपरा हम सभी के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादाई है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक होते समाज में अपनी संस्कृति को संरक्षित करने के साथ ही आदिवासियों को शिक्षा के क्षेत्र में भी विशेष ध्यान देना चाहिए। शिक्षा से ही समाज में जागृति व उन्नति आती है।

नायडू ने कहा कि विकास के लिए शांति आवश्यक है। शांति के बिना विकास नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गोंड साम्राज्य की यह ऐतिहासिक धरती जनजातियों की भाषा, संस्कृति और जीवन पद्धति को संजोकर रखने एवं उनके आर्थिक विकास में भागीदार बनेगी। कार्यक्रम के पूर्व उन्होंने गोंडवाना साम्राज्य के शहीद राजाओं को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन के बाद उन्होंने जनजातीय नृतक दल व उपस्थित जनसमुदाय से मिलकर अभिवादन किया। कार्यक्रम के अंत में उपराष्ट्रपति द्वारा स्वरोजगार और आपदा राहत के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से हितलाभ का वितरण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते तथा केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आदिवासी संस्कृति, धरोहर व उनके विकास के साथ शिक्षा व उन्नति पर जोर दिया।

रामनगर में आदिवासी महोत्सव के दौरान सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक और प्रमाणपत्र देते उप राष्ट्रपति वैंकैया नायडू

दस साल के लड़के से चोरी कराने के आरोप में तीन गिरफ्तार

भाषा। ठाणे

महाराष्ट्र में ठाणे जिले के मीरा रोड क्षेत्र से पुलिस ने विवाह समारोहों में एक लड़के से कथित रूप से चोरी करवाने वाले एक गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि तीनों आरोपियों की पहचान विक्रांत भनेरिया (21), चंदन सिंह राजपूत (50) और आदित्य सिसोदिया (19) के रूप में की गई है। तीनों मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले की सारंगपुर तहसील के निवासी हैं। पुलिस ने दस साल के एक लड़के को हिरासत में लिया है जिसे गिरोह के सदस्य चोरी करने के लिए भेजते थे।

नया नगर थाने के वरिष्ठ निरीक्षक कैलाश बर्वे ने कहा, ठाणे जिले की ग्रामीण पुलिस ने तीनों को गुरुवार को गिरफ्तार किया। गिरोह पहले भी ऐसे कई अपराध कर चुका है। ताजा घटना मीरा रोड पर एक विवाह समारोह में 12 फरवरी को हुई थी। उन्होंने कहा, शिकायत के अनुसार लड़का दुल्हन की कमरे में घुसा। दुल्हन के एक रिश्तेदार ने उसे वहां पड़े एक बैग में से बटुआ चुराते देखा। जब रिश्तेदार ने लड़के को टोका तो उसने कहा कि बटुआ उसकी मां का है। बर्वे ने कहा, रिश्तेदार को लड़के पर शक हुआ और उसने लड़के से उसकी माँ के पास ले चलने को कहा। इस पर लड़का जवाब नहीं दे पाया तो रिश्तेदार उसे मैरिज हॉल के प्रबंधक के पास ले गया जिसने पुलिस को घटना की जानकारी दी। दुल्हन के रिश्तेदार ने बाद में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान यह सामने आया कि गिरोह लड़के को विवाह समारोहों में चोरी करने के लिए भेजता था और चोरी करने के बाद उसे पैसे देता था। वरिष्ठ निरीक्षक बर्वे ने बताया कि लड़के द्वारा दी गई सूचना के आधार पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कई गिरोह सक्रिय हैं।आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है और लड़के को अदालत के आदेशानुसार भिवंडी में सुधार गृह में भेज दिया गया है।

महाराष्ट्र में तीन तलाक मामले में परिवार के पांच सदस्यों पर मुकदमा दर्ज

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में तीन तलाक के आरोप में पुलिस ने दो महिलाओं समेत एक ही परिवार के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने यह जानकारी शनिवार को दी। शिकायत के अनुसार, पीड़िता को पिछले साल फरवरी से ही दहेज की मांग को लेकर उसके पति शारिक शेख और ससुराल पक्ष के चार लोगों द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था। इसमें कहा गया कि आरोपियों ने पीड़िता के परिवार वालों से दोपहिया वाहन और घर खरीदने के लिए पैसे की मांग की। आरोप है कि मांग पूरी नहीं होने पर पीड़िता को जिंदा जलाने की धमकी दी गई। शिकायत के मुताबिक, प्रताड़ना के चलते जब पीड़िता मायके जाने की तैयारी करने लगी, तभी उसके पति ने कथित तौर पर उसे तीन बार तलाक कहा और गैरकानूनी तरीके से तलाक दे दिया। पुलिस उपायुक्त (भिवंडी जोन 2) राजकुमार शिंदे ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय दंड संहिता और मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 की प्रासंगिक धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

गिरिराज ने आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया भाकपा व राजद ने गंगाजल से किया शुद्धिकरण

भाषा। बेगूसराय (बिहार)

केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद गिरिराज सिंह द्वारा भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कार्यकर्ताओं ने शनिवार को गंगाजल से प्रतिमा का शुद्धिकरण किया। उन्होंने आरोप लगाया कि गिरिराज ने प्रतिमा को अशुद्ध कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि बेगूसराय की बलिया प्रखंड में संविधान निर्माता भीम राव आंबेडकर के नाम पर उद्यान का नाम रखा गया है और गिरिराज ने शुक्रवार को जिले में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के पक्ष में रैली करने से पहले उद्यान में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया था। माल्यार्पण के करीब 24 घंटे के बाद भाकपा नेता सनोज सरोज और राजद नेता विकास पासवान एवं रूप नारायण पासवान बालटी में गंगाजल भरकर आए। वे नजदीक ही सीएए के खिलाफ करीब एक पखवाड़े से प्रदर्शन कर रहे हैं। भाकपा और राजद नेताओं ने आंबेडकर की मूर्ति को धोने से पहले गंगाजल छिड़का और जय भीम के नारे के साथ ही, 19 वीं सदी के समाज सुधारक ज्योतिबा एवं सावित्री फुले की प्रशंसा में नारे लगाए। उन्होंने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो क्लिप में भाकपा और राजद नेता यह कहते हुए दिख रहे हैं कि कल यहां आकर गिरिराज ने माहौल को दूषित कर दिया क्योंकि उन्होंने अपने भाषण में कहा कि बलिया लघु पाकिस्तान बन गया है।

उन्होंने गिरिराज को मनुवाद को बढ़ावा देने वाला बताते हुए कहा कि वह हर उस मुद्दे के साथ खड़े हुए हैं जिनका आंबेडकर ने विरोध किया। इसलिए प्रतिमा पर उनके द्वारा माल्यार्पण किया जाना उसे अपवित्र करने के बराबर है। इस घटनाक्रम पर गिरिराज प्रतिक्रिया देने के लिए उपलब्ध नहीं थे क्योंकि वह दिल्ली के लिए रवाना हो चुके थे। हालांकि, भाजपा के जिलाध्यक्ष राजकिशोर सिंह ने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सीएए के विरोध के नाम पर ए लोग 1947 के बंटवारे से पहले वाला माहौल पैदा करने का प्रयास रहे हैं।उन्होंने कहा, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आंबेडकर समाज के प्रत्एक वर्ग के लिए आदर्श हैं और किसी का उन पर एकाधिकार नहीं है। यह देश इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

ओडिशा विधानसभा में मीडिया पर प्रतिबंध का विरोध, हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित

भुवनेश्वर। ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष एस एन पात्रा द्वारा मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर शनिवार को सदन में हंगामा हुआ जिसके कारण सदन की कार्यवाही को दो बार स्थगित करना पड़ा। सुबह 10.30 बजे जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ, सदन में सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया, कांग्रेस और भाजपा के विधायकों ने अध्यक्ष से आग्रह किया कि वे अपने आदेश पर पुनर्विचार करें और मीडिया को सदन में होने वाली गतिविधियों की रिपोर्ट करने दें। अध्यक्ष द्वारा मांगों पर ध्यान नहीं दिए जाने से सदन में हंगामा जारी रहा, जिससे सदन की कार्यवाही को पहले पूर्वाहन 11.30 बजे तक, फिर बाद में शाम तीन बजे तक स्थगित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष पात्रा ने शुक्रवार को एक फैसले में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों को निर्देश दिया था कि वे सदन के अंदर हंगामे की रिपोर्ट न करें और विरोध कर रहे सदस्यों के नाम का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया। अध्यक्ष के इस फैसले की भाजपा और कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की। भाजपा के सदन में नेता प्रतिपक्ष प्रदीप कुमार नाइक ने कहा कि विधायकों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए अध्यक्ष का फैसला नुकसानदेह है और उन्होंने इस फैसले को तत्काल वापस लिए जाने की मांग की। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक एस सलूजा ने कहा, लोकतंत्रिक व्यवस्था में विधानसभा अध्यक्ष का यह फैसला स्वीकार्य नहीं है। अगर विधायक विधानसभा में विरोध नहीं करेंगे तो कहां करेंगे ? विधानसभा में विरोध विधायकों का लोकतांत्रिक अधिकार है।

भागवत ने गुजरात में आरएसएस के नए मुख्यालय भवन का उद्घाटन किया

भाषा। अहमदाबाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुजरात में संघ के नवनिर्मित मुख्यालय- डॉ हेडगेवार भवन का शनिवार को उद्घाटन किया।

मणिनगर इलाके में स्थित पांच मंजिला भवन के उद्घाटन से पहले उन्होंने भवन के मुख्य द्वार पर स्थापित भारत माता के विशाल चित्र पर पुष्प चढ़ाए। यह नया भवन पांच करोड़ रुपए की लागत से बना है। आरएसएस की पांच दशक पुरानी इमारत को गिरा कर इसका निर्माण किया गया है। आरएसएस की एक विज्ञप्ति में बताया गया कि नए परिसर में पार्किंग के लिए दो भूमिगत तल हैं। प्रथम तल पर एक बड़ा सभागार, द्वितीय और तृतीय तल पर दो छोटे सभागार, एक पुस्तकालय और ठहरने के लिए कमरे हैं। उद्घाटन समारोह के बाद, भागवत ने आरएसएस के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ भवन की सैर की। राज्य के दो दिन के दौरे पर आए भागवत बाद में नए भवन के निर्माण में योगदान देने वाले दानकर्ताओं और अन्य लोगों के साथ मुलाकात करेंगे। शाम में वह शहर के दिनेश हॉल में बुद्धिजीवियों की सभा को संबोधित करेंगे। रविवार को संघ सरसंचालक शहर के मणिनगर इलाके में निजी स्टेडियम परिसर ट्रांसस्टेडिया में आरएसएस कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। आरएसएस कार्यकर्ता अपने परिवार के सदस्यों के साथ कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

अमृतसर में परीक्षा देने के बाद प्रश्नपत्र के बारे में चर्चा करतीं सीबीएसई बोर्ड की छात्राएं

बंगाल में जादू-टोने के चलते दो बच्चों की मौत, दो घायल

भाषा। मालदा

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में बच्चों पर जादू-टोना किए जाने के चलते दो बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि यह घटना शुक्रवार की रात गजोले थाना क्षेत्र के कदमताली गांव में हुई थी। पुलिस जिला अधीक्षक आलोक रजोरिया ने कहा, मृतक लड़कों की उम्र पांच और सात साल थी जबकि तीन और छह साल की दो बहनों को मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच शुरू कर दी गई है और मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। बच्चों के परिजन ने बताया कि चारों लड़कों और दोनों लड़कियों पर जादू-टोना किया गया था। शुक्रवार शाम पास के जंगल से लौटने के बाद सभी बच्चे बेहोश हो गए थे। उन्होंने बताया कि बच्चे वहां खेलने गए थे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच से लगता है कि बच्चों ने जंगल से कोई जहरीला फल खा लिया था। टीएमसी की स्थानीय विधायक दीपाली बिस्वास ने शनिवार को गांव का दौरा किया और अस्पताल में बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यह अंधविश्वास का मामला है। बच्चे बच गए होते अगर परिजन तांत्रिकों की बजाए उन्हें डॉक्टर के पास ले जाते। मैंने ग्रामीणों से ऐसे अंधविश्वासी बातों में यकीन नहीं करने की अपील की। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि चिकित्सीय टीम को गांव भेजा गया है।

पश्चिम बंगाल में फिशिंग कैट का कटा हुआ सिर मिला

हावड़ा (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में एक नहर के पास विलुप्तप्राय फिशिंग कैट का कटा हुआ सिर मिला।फिशिंग कैट मछली पकड़ने वाली बिल्ली होती है। इससे पहले जनवरी में हुगली जिले में विभिन्न घटनाओं में दो फिशिंग कैट को बाघ समझकर मार दिया गया था। उलुबेरिया वन क्षेत्र अधिकारी उत्पल सरकार ने बताया कि वन अधिकारियों को सूचना मिली कि श्यामपुर ब्लॉक के नाकोल गांव में एक फिशिंग कैट को मार दिया गया है जिसके बाद उन्होंने उसका पता लगाने के लिए शुक्रवार को तलाश अभियान शुरू किया लेकिन उन्हें रूपनारायण नदी से जुड़ी नहर के निकट फिशिंग कैट का सिर ही मिला। प्रारंभिक जांच में पता चला कि फिशिंग कैट की करंट लगने से मौत हुई। मछलियों की चोरी रोकने के लिए गांव के एक तालाब के चारों ओर तारें लगाई गई थीं। फिशिंग कैट को संभवत: उन्हीं से करंट लग गया। उन्होंने बताया कि फिशिंग कैट के सिर को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और तालाब मालिक की तलाश की जा रही है।

विष्णु दत्त शर्मा बने मध्यप्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश भाजपा के महासचिव एवं खजुराहो लोकसभा सीट के सांसद विष्णु दत्त शर्मा (49) मध्यप्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष बनाए गए हैं।

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी आधिकारिक घोषणा की।विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने विष्णु दत्त शर्मा को मध्यप्रदेश भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। वह जबलपुर से सांसद राकेश सिंह की जगह लेंगे। उन्हें केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह का दाहिना हाथ माना जाता है। राज्य के राजनीतिक गलियारों में अनुमान लगाया जा रहा था कि राकेश सिंह को फिर से मध्यप्रदेश भाजपा की कमान सौंपी जा सकती है। उन्होंने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के समर्थन में पिछले महीने अपने लोकसभा क्षेत्र जबलपुर में एक विशाल रैली का आयोजन किया था। हालांकि, भाजपा नेतृत्व ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए शर्मा को चुना। पार्टी के इस कदम ने भाजपा के कई नेताओं को आश्चर्यचकित किया है। विष्णु दत्त शर्मा पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में वी डी शर्मा के नाम से जाने जाते हैं। वह संघ के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से की थी। एबीवीपी को 1990 के दशक में मध्यप्रदेश में मजबूत करने का श्रेय उन्हीं को जाता है। शर्मा एबीवीपी के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं। वह वर्ष 2013 में भाजपा में आए। इस पद पर उनकी नियुक्ति के बाद भाजपा नेतृत्व ने मध्यप्रदेश में दूसरा महत्वपूर्ण पद ब्राह्मण नेता को सौंपा है।

शाह फैसल के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पूर्व आईएएस अधिकारी शाह फैसल के खिलाफ विवादास्पद जन सुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद से हिरासत में बंद फैसल के खिलाफ शुक्रवार रात को पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती की एहतियातन हिरासत की मियाद खत्म होने से महज कुछ ही घंटे पहले छह फरवरी की रात को दोनों नेताओं के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया था। पीएसए के तहत दो प्रावधान हैं – लोक व्यवस्था और राज्य की सुरक्षा को खतरा। पहले प्रावधान के तहत किसी व्यक्ति को बिना मुकदमे के छह महीने तक और दूसरे प्रावधान के तहत किसी व्यक्ति को बिना मुकदमे के दो साल तक हिरासत में रखा जा सकता है। फैसल को पिछले साल 13 और 14 अगस्त की बीच रात में दिल्ली हवाईअड्डे पर इस्तांबुल के लिए उड़ान भरने से पहले रोक दिया गया था और उन्हें श्रीनगर ले जाया गया था, जहां उन्हें हिरासत में लिया गया था।

विधानसभा में आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर तृणमूल कांग्रेस विधायक ने माकपा विधायक से मांगी माफी

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में माकपा विधायक जहांआरा खान के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर तृणमूल कांग्रेस विधायक नरगिस बेगम ने शनिवार को उनसे माफी मांगी। मेमारी विधानसभा क्षेत्र से विधायक नरगिस बेगम ने विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंदोपाध्याय द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद जहांआरा खान से माफी मांगी। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में हिस्सा लेते हुए नरगिस ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध पर जमुरिया विधायक जहांआरा खान की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए आपत्तिजनक शब्द कहे थे, जिन्हें सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। तृणमूल कांग्रेस विधायक ने जिस वक्त यह टिप्पणी की, उस वक्त विधानसभा उपाध्यक्ष सुकुमार हंसदा सदन में पीठासीन पदाधिकारी थे। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी विधायकों से सदन में अपने शब्दों के चयन को लेकर हमेशा सावधान रहने का अनुरोध करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर संसदीय मामलों की समिति में भी चर्चा हुई है और सदस्यों का मानना है कि ए टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। संसदीय मामलों के मंत्री पार्थ चटर्जी ने भी नरगिस बेगम को माफी मांगने को कहा।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने बजट सत्र के पहले हिस्से में सबसे अधिक सवाल पूछे

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने राज्यसभा में बजट सत्र के पहले हिस्से में सबसे अधिक 18 प्रश्न पूछे। राज्य सभा सचिवालय ने एक बयान में कहा ऊपरी सदन के कुल 118 सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों पर सरकार से लिखित जवाब की मांग करते हुए कुल।,120 अतारांकित प्रश्न उठाए हैं। मंगलवार को संपन्न हुए सत्र के पहले हिस्से के सात दिनों में से प्रत्एक दिन 160 अतारांकित प्रश्नों का उत्तर दिया गया। बयान के अनुसार कुल अतारांकित प्रश्नों में से 50 प्रतिशत राज्य सभा के केवल 35 सदस्यों द्वारा पूछे गए। ओ ब्रायन ने सबसे अधिक 18 सवाल, वाईएसआरसीपी के वेमीरेड्डी प्रभाकर ने 17 और निर्दलीय सांसद परिमल नाथवानी ने 16 सवाल पूछे। भाजपा के केजे अलफोंस, कांग्रेस से कुमारी शैलजा और के टी सुब्बारामी रेड्डी समेत 10 सदस्यों में से प्रत्एक ने 15-15 सवाल पूछे।

ओडिशा सरकार ने बजट में कागज का प्रयोग न कर 700 पेड़ बचाए: राज्यपाल

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा के राज्यपाल गणेशी लाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 में बजट कार्य के लिए कागज का इस्तेमाल नहीं करके राज्य सरकार ने करीब 700 विशाल पेड़ों को बचाया है। अधिकारियों ने शनिवार को राज्यपाल के हवाले से बताया कि डिजिटल तरीकों ने काफी हद तक 2019-20 के वार्षिक बजट के दौरान दस्तावेजों की छपाई को घटाया है।

लाल ने शुक्रवार को बजट सत्र की शुरुआत से पहले विधानसभा में अपने अभिभाषण के दौरान कहा, इसने (आंशिक बदलाव) करीब 57 लाख पन्नों के मुद्रण को घटाया जिससे करीब 700 पेड़ों को बचाया गया। राज्यपाल ने कहा कि भविष्य में राज्य सरकार बजट कार्य को पूरी तरह कागज रहित बनाने की मंशा रखती है।

रांची के रिम्स में भर्ती लालू प्रसाद यादव से मिलने पहुंचे अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने पत्रकारों से भी बात की

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 16 फरवरी 2020

सामाजिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करें विज्ञानी: नरेंद्र मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों से अपील की है कि वे देश के सामने मौजूद कुपोषण जैसी वर्तमान सामाजिक समस्याओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करें। मोदी ने यहां शुक्रवार को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) सोसाइटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए वर्चुअल प्रयोगशालाएं विकसित करने की महत्ता पर बल दिया ताकि विज्ञान को देश के हर कोने में प्रत्एक छात्र तक ले जाया जा सके।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार मोदी ने युवाओं को विज्ञान की ओर आकर्षित करने और भावी पीढ़ी में वैज्ञानिक सूझ बूझ मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में काम कर रहे भारतीयों के बीच अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में सहयोग बढ़ाने के लिए कदम उठाने के संबंध में भी सुझाव दिए।

मोदी ने वैज्ञानिकों से कहा कि वे भारत की आकांक्षापूर्ण आवश्यकताओं पर काम करें। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर को कृषि उत्पादों और जल संरक्षण के क्षेत्र में उपयोगी अनुसंधान के जरिए भारत के सामने मौजूद कुपोषण जैसी वर्तमान सामाजिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

तनावमुक्त माहौल में बोर्ड परीक्षा दें: प्रधानमंत्री ने छात्रों से कहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा की शुरुआत पर छात्रों को शुभकामनाएं दी और उनसे कहा कि वे तनावमुक्त और खुशनुमा माहौल में बोर्ड परीक्षा दें। मोदी ने 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों को एक्जाम वारियर बताते हुए कहा कि महीनों के कठिन परिश्रम और तैयारी का निश्चित तौर पर अच्छा परिणाम आएगा। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, सीबीएसई की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा आज शुरू हो रही है, सभी युवा एक्जाम वारियर, उनके माता पिता और शिक्षकों को शुभकामनाएं। मैं अपने युवा मित्रों से आग्रह करूंगा कि वे खुशनुमा और तनावमुक्त माहौल में बोर्ड परीक्षा दें। गौरतलब है कि 18.89 लाख बच्चे 10वीं कक्षा और 12.06 लाख बच्चे 12वीं कक्षा की परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं।

अमृतसर में जलियांवाला बाग मेमोरियल नवीनीकरण और निर्माण कार्य के चलते सार्वजनिक रूप से दो महीने के लिए बंद कर दिया गया है

भारत हमेशा से बहुध्रुवीय देश रहा है: वैद्य

भाषा। नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह (संयुक्त महासचिव) मनमोहन वैद्य ने शनिवार को कहा कि भारत हमेशा से सामंजस्य बिठाने वाला और बहुध्रुवीय देश रहा है। वह द्वितीय नागपुर साहित्य महोत्सव में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, भारत में हमेशा ही आध्यात्मिक लोकतंत्र रहा है। यह हमेशा से सामंजस्य बिठाने वाला देश रहा है। धर्म का पालन करना हमेशा ही भारत का स्वभाव रहा है।

वैद्य ने कहा, धर्म का मतलब समाज को अपना मानकर उसे देना है। इसका मतलब साझा करना और समाज को देना है। धर्म का मतलब समाज को समृद्ध करना है। उन्होंने कहा, धर्म का मतलब पंथ नहीं होता है। इसका मतलब समाज को देना और साझा करना है। इसी तरह से राष्ट्र का मतलब लोग होते हैं और राष्ट्रीयता का मतलब राष्ट्रवाद नहीं है। यह (राष्ट्रवाद) एक पश्चिमी अवधारणा है। वैद्य ने कहा, धर्म भेदभाव नहीं करता है। यह समाज को जोड़ता है और उसे एकजुट करता है। धर्म हर व्यक्ति को जोड़ता है और एकजुट करता है।

उन्होंने कहा, भारत 800 साल के इस्लामी और ब्रिटिश शासन के बावजूद भी इस्लामी या ईसाई देश क्यों नहीं हो गया? इसका एक कारण यह है कि भारत हमेशा ही बहुध्रुवीय देश रहा है, जहां नियंत्रण समाज के पास रहा है और उसने अपने फैसलों को क्रियान्वित किया है, जबकि शासकों ने सहयोगी भूमिका निभाई। वैद्य ने कहा, यही कारण है कि समाज को आज भी देश को एकजुट रखना चाहिए। उन्होंने कहा, धर्म जुड़े रहने के लिए हमारी आंखे खोलता है। आप जुड़ाव महसूस करते हैं और आप कुछ करने के लिए आगे प्रेरित होते हैं...यह धर्म है।

हमारा समाज हमेशा धर्मनिष्ठ रहा है। यह सरकार आधारित नहीं, बल्कि समुदाय आधारित रहा है। मुझे लगता है कि संविधाननिर्माता इस बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट थे कि भारत में उस समय धर्मनिरपेक्षता की जरूरत नहीं थी। वैद्य ने कहा कि भारतीयता के मूल्य बिल्कुल अलग हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रवाद भारत की अवधारणा नहीं है। इसकी उत्पत्ति पश्चिमी देशों की राष्ट्र –राज्य अवधारणा में हुई थी और यह फासीवाद तथा हिटलर एवं मुसोलिनी जैसी शख्सियतों के साथ आई। भारत में राष्ट्रीयता की अवधारणा राष्ट्र और राष्ट्रवाद से अलग है। इसलिए, राष्ट्रवाद राष्ट्रीयता के लिए एक स्वीकार्य समानार्थी शब्द नहीं है। उन्होंने कहा, राष्ट्र की भारतीयता की अवधारणा राष्ट्र से अलग है। हमारे लिए राष्ट्र का मतलब भोगौलिक क्षेत्र से नहीं है बल्कि लोग और समाज से है।

ई–वोटिंग से कर सकेंगे कहीं से भी मतदान

भाषा। नई दिल्ली

यदि आप उस राज्य में रह रहे हैं जहां के आप पंजीकृत मतदाता नहीं है तो आपको मतदान के दिन निराश नहीं होना पड़ेगा क्योंकि चुनाव आयोग ऐसे मतदाताओं को ई वोटिंग के जरिए मताधिकार प्रयोग की सुविधा देने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। आयोग की इस भावी पहल से मतदान प्रतिशत बढ़ने और चुनाव संपन्न कराने के खर्च में कमी आने के भी आसार हैं।

आयोग इसके लिए ई वोटिंग के जरिए दूरस्थ मतदान (रिमोट वोटिंग) की सुविधा मुहैया कराने के विकल्पों को विकसित कर रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने हाल ही में इस व्यवस्था के बारे में खुलासा किया था कि आईआईटी चेन्नई के सहयोग से विकसित की जा रही मतदान की इस पद्धति के तहत किसी भी राज्य में पंजीकृत मतदाता किसी अन्य राज्य से मतदान कर सकेगा। एक अनुमान के मुताबिक देश में लगभग 45 करोड़ प्रवासी लोग हैं जो रोजगार आदि के कारण अपने मूल निवास स्थान से अन्यत्र निवास करते हैं। इनमें से कई मतदाता विभिन्न विवशताओं के कारण मतदान वाले दिन अपने उस चुनाव चुनाव क्षेत्र में नहीं पहुंच पाते हैं जहां के वे पंजीकृत मतदाता है। इस परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि दूरस्थ मतदान का प्रयोग ई वोटिंग के रूप में सबसे पहले 2010 में गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में किया गया था। इसमें राज्य के प्रत्एक स्थानीय निकाय के एक एक वार्ड में ई वोटिंग का विकल्प मतदाताओं को दिया गया था।

इसके बाद 2015 में गुजरात राज्य निर्वाचन आयोग ने अहमदाबाद और सूरत सहित छह स्थानीय निकायों के चुनाव में मतदाताओं को ई वोटिंग की सुविधा से जोड़ा था। हालांकि व्यापक प्रचार न हो पाने के कारण इस चुनाव में 95.9 लाख पंजीकृत मतदाताओं में

चुनाव आयोग की पहल

से सिर्फ 809 मतदाताओं ने ही ई वोटिंग का इस्तेमाल किया था। देशव्यापी स्तर पर ई वोटिंग को लागू करने के लिए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओ पी रावत के कार्यकाल में मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़कर सीडेक के सहयोग से ई वोटिंग सॉफ्टवेयर विकसित करने की परियोजना को आगे बढ़ाया था।

इस परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि आधार को मतदाता पहचान पत्र से लिंक करने को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने के कारण यह परियोजना लंबित थीं लेकिन हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने आधार संबंधी पूर्वनिर्धारित दिशानिर्देशों के तहत इसे मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि लगभग 31 करोड़ मतदाता पहचान पत्र को आधार से पहले ही लिंक किया जा चुका है। देश में फिलहाल पंजीकृत कुल 91.12 करोड़ मतदाताओं में अब लगभग 61 करोड़ मतदाताओं के मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ना बाकी है।

गुजरात मॉडल के तहत ई वोटिंग के लिए मतदाता को आयोग की वेबसाइट पर ई वोटर के रूप में खुद को पंजीकृत करने का विकल्प दिया गया था। ऑनलाइन पंजीकरण आवेदन में दिए गए तथ्यों की जांच में पुष्टि के बाद पंजीकृत मतदाता को एसएमएस और ईमेल के जरिए एक पासवर्ड मिलता था। मतदान के दिन निश्चित अवधि में मतदाता को पासवर्ड की मदद से ई बैलेट पेपर भरकर ऑनलाइन मतदान करने का विकल्प दिया गया था। भारत में झारखंड और दिल्ली विधानसभा चुनाव में ई वोटिंग की सुविधा सर्विस वोटर को इलेक्ट्रॉनिक डाक मतपत्र के रूप में मुहैया कराई गई है। गत आठ फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में 80 साल से अधिक उम्र वाले मतदाताओं, दिव्यांग और रेल, चिकित्सा एवं अन्य आपात सेवा कर्मियों को डाक मतपत्र के जरिए घर से ही मतदान की सुविधा देने की शुरुआत हुई है। अरोड़ा ने कहा है कि पूरे देश में इस श्रेणी के मतदाताओं को जल्द ही इस सेवा से जोड़ दिया जाएगा।

आयोग के विशेषज्ञों के अनुसार मतदान की विश्वसनीयता को ध्यान में रखते हुए फर्जी वोटिंग सहित अन्य गड़बड़ियों की समस्या से बचने में भी दूरस्थ मतदान कारगर विकल्प साबित होगा। निर्वाचन प्रक्रिया में इस प्रकार के बदलाव के लिए आयोग को कानून मंत्रालय से जन प्रतिनिधित्व कानून के मौजूदा प्रावधानों में बदलाव की दरकार होगी। सूत्रों के अनुसार आगामी 18 फरवरी को चुनाव आयोग और कानून मंत्रालय के आला अधिकारियों की प्रस्तावित बैठक में इन पहलुओं पर विचार हो सकता है।

असहमति लोकतंत्र का सेफ्टी वॉल्व: न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

भाषा। अहमदाबाद

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने असहमति को लोकतंत्र का सेफ्टी वॉल्व करार देते हुए शनिवार को कहा कि असहमति को एक सिरे से राष्ट्र–विरोधी और लोकतंत्र–विरोधी बता देना संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण एवं विचार–विमर्श करने वाले लोकतंत्र को बढ़ावा देने के प्रति देश की प्रतिबद्धता के मूल विचार पर चोट करता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यहां एक व्याख्यान देते हुए यह भी कहा कि असहमति पर अंकुश लगाने के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल डर की भावना पैदा करता है जो कानून का शासन का उल्लंघन करता है।

उन्होंने कहा, असहमति को एक सिरे से राष्ट्र–विरोधी और लोकतंत्र–विरोधी करार देना संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण एवं विचार–विमर्श करने वाले लोकतंत्र को बढ़ावा देने के प्रति देश की प्रतिबद्धता की मूल भावना पर चोट करती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि असहमति का संरक्षण करना यह याद दिलाता है कि लोकतांत्रिक रूप से एक निर्वाचित सरकार हमें विकास एवं सामाजिक समन्वय के लिए एक न्यायोचित औजार प्रदान करती है, वे उन मूल्यों एवं पहचानों पर कभी एकाधिकार का दावा नहीं कर सकती जो हमारी बहुलवादी समाज को परिभाषित करती हैं। उन्होंने यहां आयोजित 15 वें, न्यायमूर्ति पीडी देसाई स्मारक व्याख्यान भारत को निर्मित करने वाले मतों: बहुलता से बहुलवाद तक विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, असहमति पर अंकुश लगाने के लिए सरकारी मशीनरी को लगाना डर की भावना पैदा करता है और स्वतंत्र शांति पर एक डरावना माहौल पैदा करता है जो कानून के शासन का उल्लंघन करता है और बहुलवादी समाज की संवैधानिक दूरदृष्टि से भटकाता है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) ने देश के कई हिस्सों में व्यापक स्तर पर प्रदर्शनों को तूल दिया है। उन्होंने कहा कि सवाल करने की गुंजाइश को खत्म करना और असहमति को दबाना सभी तरह की प्रगति––राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक–– की बुनियाद को नष्ट करता है। इस मायने में असहमति लोकतंत्र का एक सेफ्टी वॉल्व है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि असहमति को खामोश करने और लोगों के मन में भय पैदा होना व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हनन और संवैधानिक मूल्य के प्रति प्रतिबद्धता से आगे तक जाता है। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ उस पीठ का हिस्सा थे, जिसने उत्तर प्रदेश में सीएए के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से क्षतिपूर्ति वसूल करने के जिला प्रशासन द्वारा कथित प्रदर्शनकारियों को भेजी गई नोटिसों पर जनवरी में प्रदेश सरकार से जवाब मांगा था।

उन्होंने यह विचार प्रकट किया, असहमति पर प्रहार संवाद आधारित लोकतांत्रिक समाज के मूल विचार पर चोट करता है और इस तरह किसी सरकार को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वह अपनी मशीनरी को कानून के दायरे में वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षण के लिए तैनात करे तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाने या डर की भावना पैदा करने की किसी भी कोशिश को नाकाम करे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि विचार–विमर्श वाले संवाद का संरक्षण करने की प्रतिबद्धता प्रत्एक लोकतंत्र का, खासतौर पर किसी सफल लोकतंत्र का एक अनिवार्य पहलू है। उन्होंने कहा कि कारण एवं चर्चा के आदर्शों से जुड़ा लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि अल्पसंख्यकों के विचारों का गला नहीं घोंटा जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्एक नतीजा सिर्फ संख्याबल का परिणाम नहीं होगा, बल्कि एक साझा आमराय होगा।

पीडीपी नेता ने पार्टी से इस्तीफा देते हुए कहा अनुच्छेद-370 अपनी सार्थकता खो चुका था

भाषा। जम्मू

वरिष्ठ पीडीपी नेता शाह महमूद तांत्रे ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह कदम उपराज्यपाल जीसी मुर्मू से मुलाकात के कारण कुछ नेताओं को बेवजह पार्टी से निकाले जाने से नाराज होकर उठाया।

वर्ष 2014 में पीडीपी के टिकट से पुंछ–हवेली सीट से विधानसभा के लिए निर्वाचित 64 वर्षीय तांत्रे ने कहा, कांग्रेस शासन में करीब तीन दर्जन संशोधन की वजह से अनुच्छेद–370 अपनी सार्थकता खो चुका था। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष अगस्त में सरकार ने जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद–370 को निरस्त करने के साथ राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने का फैसला किया था। पीडीपी ने नौ जनवरी को उपराज्यपाल से मिलने

● पार्टी नेताओं को निकालना ठीक नहीं है, उन्हें पहले कारण बताओ नोटिस दिया जाना चाहिए था: तांत्रे

वाले आठ नेताओं, दिलावर मीर, रफी अहमद मीर, जफर इकबाल, अब्दुज मजीद पडरू, राजा मंजूर खान, जावेद हुसैन बेग, कमर हुसैन और अब्दुल रहीम राथर को पीडीपी ने पार्टी से बाहर निकाल दिया था।

इन नेताओं ने सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी के नेतृत्व में मुर्मू से मुलकात की थी। तांत्रे ने बताया कि पार्टी नेताओं को निकालना ठीक नहीं है। उन्हें पहले कारण बताओ नोटिस दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, विचार करने के बाद मैंने अंतरात्मा की आवाज पर पार्टी को छोड़ने का फैसला किया। तांत्रे ने कहा, वह बुखारी से हाथ मिलाने और भविष्य की रणनीति पर सहयोगियों, दोस्तों और शुभचिंतकों से परामर्श के बाद फैसला लेंगे।

उन्होंने कहा, उपराज्यपाल से मुलाकात अपराध नहीं है... मौजूदा परिदृश्य में हमें केंद्र और उपराज्यपाल से बात करनी होगी और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने, पड़ोसी हिमाचल प्रदेश की तरह भूमि और रोजगार की रक्षा की मांग उठानी होगी जो बिना बातचीत संभव नहीं है। तांत्रे ने कहा, अनुच्छेद–370 के साथ या उसके बिना हम देश से जुड़े हैं। लोगों को हालात सुधारने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीडीपी जैसी क्षेत्रीय पार्टियों का स्वशासन का नारा खोखला है और हमने आगे बढ़ने और राज्य में शांति एवं समृद्धि के लिए अलग रवैया अपनाना होगा।

अहमदाबाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगमन को लेकर गांधी आश्रम में पेड़ों का रंग रोगन करते मजदूर

पेज एक का शेष

शपथ ग्रहण...

यही नहीं, यातायात व्यवस्था सुधारने के साथ–साथ दिल्ली की खूबसूरती में चार चांद लगाने वाले सिग्नेचर ब्रिज को बनाने वाले आर्किटेक्ट, अनधिकृत कॉलोनियों में पांच साल तक काम करने वाले इंजीनियर और कर्मचारी, डोर टू डोर स्टेप डिलीवरी के एजेंट मौजूद रहेंगे। ये सभी विशेष मेहमान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ स्टेज पर बैठेंगे। कौटल्यिा राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय के प्रिंसिपल और हैप्पीनेस कर्रिकुलम समिति के प्रमुख सदस्य डॉ. सीएस वर्मा ने कहा कि कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता पाकर वह बहुत खुश हैं। इस खुशी को वह शब्दों में बयान नहीं कर सकते। इसी तरह की प्रतिक्रिया समारोह में बुलाए गए 33 वर्षीय ऑटो चालक राजू मिस्त्री, 40 वर्षीय आंगनवाड़ी कर्मी नजमा, 36 वर्षीय बस मार्शल गीता देवी, आशाकर्मी शशि शर्मा, 181 हेल्पलाइन की ऑपरेटर ख्याति गुप्ता, नजफगढ़ के किसान दलीबीर सिंह, स्कूलों में अभिभावकों के प्रतिनिधि मोहम्मद ताहिर ने व्यक्त की। सभी का कहना है कि वे न्योता पाकर अभिभूत हैं। शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या पर मुख्यमत्री केजरीवाल ने कैबिनेट साथियों को अपने आवास पर रात्रिभोज दिया और भविष्य की रणनीति का खाका खींचा। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों या पार्टी नेताओं को न्योता नहीं दिया है। हां, दिल्ली में जीते भाजपा के आठों विधायकों को बुलाया गया है। कार्यक्रम रविवार सुबह 10 बजे शुरू होगा। इस लिहाज से सुरक्षा और यातायात संभालने को व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 3000 कर्मी तैनात किए जा रहे हैं।

शाह से...

हस्ताक्षर किया गया। उन्होंने कहा ' हम सब एक हैं और फैसला किया दादियों के साथ मार्च में शामिल होंगे। हमारी चिंताएं एक हैं, लिहाजा हम एक साथ जुलूस में जाएंगे और कल शाह से मिलेंगे।' प्रदर्शनकारियों के मुताबिक मंच से इस बारे में ऐलान किए जाने के बाद सुझाव मांगे गए थे कि कौन और कितने लोग गृहमंत्री शाह से मिलने जाएंगे। बैठक में हमें कई सुझाव मिले इस पर विचार करते हुए हमने फैसला किया है कि यह समय एकजुट होने का है और हमने अपनी बुजुर्ग दादियों को समर्थन देने का फैसला किया है। हम शाह से कानून वापस लेने की मांग करेंगे और हमारे मांगे पूरी तक प्रदर्शन चलता रहेगा। इस सप्ताह की शुरुआत में समाचार चैनल से बातचीत के दौरान शाह ने कहा था जो व्यक्ति सीएए से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना चाहता है, वह उनके कार्यालय से समय मांग सकता है। उसे तीन दिन के भीतर मिलने का समय दिया जाएगा। गौरतलब है कि गृह मंत्री से मुलाकात को लेकर शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी दो भागों में बंट गए थे। कुछ चाहते थे कि शाह प्रदर्शन स्थल पर आएं क्योंकि प्रदर्शन जनता से जुड़ा है लेकिन बाद में अड़े प्रदर्शनकारियों ने जुलूस में शामिल होने पर सहमति जता दी।

जेवर एयरपोर्ट...

स्तनधारियों की कुल छह प्रजातियों, पक्षियों की 60 प्रजातियां, काले हिरणों के 28 समूह, 21 नील गायों के समूह, सुनहरे सियार, जंगली बिल्ली, 64 सारस बगुले पाए गए। इसके अलावा जीजेआईए के आसपास 99 जलाशय भी पाए गए हैं।

सिंधिया की...

बाद ये कयास लगाए जाने लगे कि वो नाराज होकर बैठक से निकल गए। हालांकि बाद में सिंधिया ने एक चैनल से बातचीत में खुद के नाराज होने की खबरों का खंडन किया और कहा कि वह बैठक खत्म होने से कुछ देर पहले अनुमति लेकर बाहर निकले थे।

खबरों के मुताबिक ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछले दिनों इस बात पर नाराजगी जताई थी कि सरकार ने राज्य के किसानों से किए गए कर्जमाफी के वादे को निभाया नहीं है। इसी संदर्भ उन्होंने चेतावनी दी थी कि वह अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे।

सैकड़ों सालों से मदरसों के मूल पाठ्यक्रमों में नहीं हुआ बड़ा बदलाव: पुस्तक

भाषा। नई दिल्ली

मदरसा शिक्षा प्रणाली गुजरे समय की गिरफ्त में जकड़ी हुई है और इनके मूल पाठ्यक्रमों में सैकड़ों साल से कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। एक नई पुस्तक में यह बात कही गई है। मदरसा इन द एज ऑफ इस्लामोफोबिया नामक इस पुस्तक के लेखकों जिया–उस–सलाम और एम असलम परवेज ने एक समय उत्कृष्ट शिक्षा का केन्द्र रहे मदरसों के प्रतिबंधित शिक्षण संस्थान बनने तक के सफर को बयां किया है।

वे कहते हैं कि एक समय मुस्लिम दुनिया के शैक्षणिक केन्द्र रहे मदरसे आज मुस्लिम समुदाय के भीतर ही हाशिए पर पहुंच गए हैं। अच्छी माली हैसियत वाले, अच्छे पढ़े–लिखे और अच्छी जगहों पर काम कर रहे मुसलमान अब अपने बच्चों को मदरसे नहीं भेजते। पुस्तक में कहा गया है कि मदरसों के पास संसाधनों की कमी है, दौलतमंद लोग उन्हें ठुकरा चुके हैं और राजनीतिक नेता उनकी निंदा करते नहीं थकते। एसएजीई सेलेक्ट द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक भारत की मदरसा शिक्षा प्रणाली में झांकने और यह देखने का प्रयास कराती है कि मुसलमानों को अपने गौरव के दिनों को दोबारा जिंदा करने के लिए कितनी लंबी दूरी तय करनी होगी। यह पुस्तक पश्चिम एशिया के आरंभिक शिक्षा केंद्रों से लेकर मध्ययुगीन भारत के मदरसों तक, और अंत में स्वतंत्रता के बाद के भारत में ले जाने का एक प्रयास है, जहां एक स्थानीय मदरसे से आलिम बने व्यक्ति को अक्सर दुनिया से अनजान माना जाता है।

किताब के लेखकों का कहना है कि मदरसे बुरे और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। वे अफसोस के साथ कहते हैं, मदरसों का कोष बहुत कम हो गया है और वे सिर्फ दान या चंदे पर निर्भर हैं।

भावना जाट को मिला ओलंपिक का टिकट

• 20 किमी पैदल चाल के लिए क्वालीफाई किया

भाषा। रांची

भारतीय एथलीट भावना जाट ने शनिवार को यहां राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाने के बाद 2020 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। राजस्थान की 23 साल की इस एथलीट ने।:29.54 सेकेंड के समय से ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया जिसका क्वालीफिकेशन समय 1:31.00 सेकेंड था। गरीब किसान परिवार की भावना ने इस तरह पिछले साल अक्टूबर में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के दौरान बनाए गए 1:38.30 सेकेंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में काफी सुधार किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रियंका गोस्वामी 1:31.36 सेकेंड के समय से ओलंपिक कट से करीब से चूक गईं जिसका आयोजन 24 जुलाई से नौ अगस्त तक तोक्यो में किया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रीय रिकार्ड दिल्ली की बेबी सौम्या के नाम था जिन्होंने राष्ट्रीय पैदल चाल चैम्पियनशिप 2018 (दिल्ली) में 1:31:29 सेकेंड का समय लिया था। भावना जयपुर में कोच गुरमुख सिहाग की देखरेख में खुद ही अभ्यास करती है। उन्होंने जूनियर या सीनियर स्तर के किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। वह भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के किसी शिविर का भी हिस्सा नहीं रही है। उन्होंने सीनियर स्तर पर 2016 में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैम्पियनशिप से पदार्पण किया। हैदराबाद में आयोजित इस प्रतियोगिता में वह 1:52:38 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रही थी। भारतीय रेलवे में (कोलकाता में) ट्रेन टिकट परीक्षक के तौर पर काम करने वाली भावना ने कहा, यह सपने के सच होने जैसा है। मैं अभ्यास के दौरान।:27:00 सेकेंड का समय ले रही थी। ऐसे में मुझे पता था कि अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो मैं ओलंपिक क्वालीफाइंग समय।:31:00 सेकेंड से कम समय में स्पर्धा को पूरा कर सकती हूं। जयपुर के सवई मान सिंह स्टेडियम के आस-पास सड़क पर अभ्यास करने वाली भावना ने कहा, यह पिछले कुछ महीने से की गई मेरी और कोच की मेहनत का नतीजा है। केटी इरफान (पुरुषों की 20 किलोमीटर पैदल चाल), अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज) एवं मिश्रित 4x400 मीटर रिले टीम और नीरज चोपड़ा (पुरुष भालाफेंक) पहले ही एथलेटिक्स में तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। उनके कोच गुरमुख ने कहा कि भावना ने डोप परीक्षण के लिए नमूना दिया है जिसका मतलब यह हुआ कि उनका राष्ट्रीय रिकार्ड मान्य रहेगा। भावना इसके बाद एशियाई पैदल चाल चैम्पियनशिप में भाग लेंगी जो 15 मार्च से जापान में होगी।

लक्ष्य ने उलटफेर किया, इंडोनेशिया से हारकर भारत को मिला कांसा

• एशियाई टीम बैडमिंटन चैम्पियनशिप

भाषा। मनीला (फिलीपींस)

लक्ष्य सेन की एशियाई खेलों के चैम्पियन जोनाथन क्रिस्टी पर उलटफेर भरी जीत भी भारतीय पुरूष टीम के काम नहीं आ सकी जो यहां शनिवार को एशियाई टीम बैडमिंटन चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में दो बार की गत चैम्पियन इंडोनेशिया से 2-3 से हार गई और उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। लक्ष्य (31वीं रैंकिंग) ने दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी जोनाथन पर दूसरे एकल मुकाबले में 21-18 22-20 से सनसनीखेज जीत हासिल और भारत को दौड़ में बनाए रखा। पहले एकल में बी साई प्रणीत शुरूआती गेम में एंथोनी जिनटिंग से 6-21 से पिछड़ने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए। एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की युगल जोड़ी ने कड़ी मशक्कत की लेकिन उन्हें तीन बार के विश्व चैम्पियन और दूसरी रैंकिंग के मोहम्मद अहसन और हेंड्रा सेटियावान से 10-21 21-14 21-23 से हार का सामना करना पड़ा। इससे इंडोनेशियाई टीम 2-। से आगे हो गई। वर्ष 2018 के सालोर्लक्स ओपन चैम्पियन शुभंकर डे ने फिर तीसरे एकल में दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी शेसार हिरेन रूस्तावितो को 21-17 21-15 से हराकर उलटफेर किया जिससे फिर भारतीय टीम 2-2 से बराबरी पर पहुंच गई। निर्णायक मुकाबला दूसरा युगल मैच रहा। इसमें चिराग शेट्टी और लक्ष्य सेन उतरे लेकिन वे मार्कस फर्नाल्डी गिडियोन और केविन संजया सुकामुलजियो की दुनिया की नंबर एक जोड़ी की बराबरी नहीं कर सके और महज 24 मिनट में हार गए। इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-6 21-13 से जीत हासिल की और टीम फाइनल में पहुंच गई। भारतीय पुरूष टीम ने इस तरह चैम्पियनशिप का दूसरा कांस्य पदक हासिल किया, इससे पहले उन्होंने 2016 हैदराबाद चरण में भी कांसा जीता था।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबाल टीम का मैत्री मैच में रोमानिया से सामना

तुर्कलेर (तुर्की)। भारतीय महिला अंडर-17 फुटबाल टीम के कोच थामस डेनेरबी को उम्मीद है कि टीम जब रोमानिया के खिलाफ मैत्री मैच में मैदान में उतरेगी तो यह शारीरिक मुकाबला होगा। दो मैत्री मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला रविवार को यहां खेला जाएगा। डेनेरबी ने कहा, रोमानिया के खिलाड़ी अच्छा पास देने के साथ तकनीकी रूप से कुशल है। उनकी टीम शारीरिक रूप से मजबूत है और ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेलना हमारे लिए अच्छा है। स्वीडन और नाइजीरिया की टीमों के साथ फीफा विश्व कप में भाग लेने वाले डेनेरबी ने कहा कि मैच में भारत का पलड़ा मजबूत होगा क्योंकि खिलाड़ियों के पास अच्छी गति है। हमारे पास तेज गति वाले खिलाड़ी है तो इस मामले में हम भारी पड़ेंगे। मै ऐसे मैच की उम्मीद कर रहा हूं जहां शारीरिक खेल होगा और मै चाहता हूं कि हम रोमानिया के खिलाफ जीत कर आए। भारतीय टीम मैच की तैयारियों के लिए मंगलवार को ही यहां पहुंच गई।

चर्चिल ब्रदर्स ने रोमांचक मुकाबले में आइजल एफसी को हराया

मडगांव (गोवा)। आखिरी सीटी बजने से कुछ क्षण पहले विलिस प्लाजा के गोल से चर्चिल ब्रदर्स ने शनिवार को यहां आईलीग फुटबाल टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबले में आइजल एफसी को 2-। से हराया। दावदा कीसे ने मैच के 73वें मिनट में गोलकर चर्चिल ब्रदर्स को बढ़त दिलाई लेकिन आखिरी समय (90। मिनट) में पाउल रामफंगजयुवा ने गोलकर स्कोर को।-। से बराबर कर दिया। मैच बराबरी पर खत्म होने की ओर बढ़ रहा था लेकिन विलिस ने (90।5 मिनट) अखिरी क्षणों में गोलकर टीम को तीन अंक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के बाद चर्चिल ब्रदर्स की टीम 16 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई जबकि आइजल एफसी 14 अंक के साथ सातवे पायादान पर है।

ओग्बेचे के दोहरे गोल ने बेंगलुरु पर केरल को दिलाई जीत

कोच्चि। केरल ब्लास्टर्स ने पिछड़ने के बाद बार्थोलोमेव ओग्बेचे के दो गोल की बदौलत शानदार वापसी करते हुए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल मुकाबले मे शनिवार को यहां बेंगलुरू एफसी को 2-। से हरा दिया। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम मे खेले गए मैच मे डेशहोर्न ब्राउन ने 16वे मिनट मे गोल कर बेंगलुरू को।-0 से आगे कर दिया, लेकिन ओग्बेचे ने दो गोल करते मेजबान टीम को जीत दिला दी। इसमे से एक गोल पेनाल्टी पर हुआ। ओग्बेचे ने मध्यांतर से ठीक पहले फ्री किक पर गोल कर केरल ब्लास्टर्स को बराबरी पर पहुंचा दिया। इसके बाद मैच के 70वें मिनट मे ब्लास्टर्स को पेनाल्टी मिली जिस पर ओग्बेचे ने गोल कर अपनी टीम को 2-। से आगे कर दिया। बेंगलुरू की टीम पहले ही प्लेआफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है जबकि केरल की टीम खिताबी दौड़ से बाहर हो गई है।

कुरेन ने इंग्लैंड को जीत दिलाई

• श्रृंखला 1-1 से बराबर
• दक्षिण अफ्रीका पर दो रन से रोमांचक जीत

भाषा। डरबन

टॉम कुरेन के अंतिम दो गेंद में दो विकेट झटकने से इंग्लैंड ने शुक्रवार को दूसरे ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका पर दो रन से रोमांचक जीत हासिल की जिससे तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई। इस मुकाबले में दोनों पारियों में 30 छक्के लगे और अब श्रृंखला का फैसला रविवार को सेंचुरियन में होने वाले तीसरे और अंतिम मैच के नतीजे से होगा। इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए सात विकेट पर 204 रन की पारी खेली जिसमें मैन आफ द मैच मोईन अली ने 11 गेंद में तेजी से 39 रन जुटाए जिससे मेहमान टीम ने अंतिम पांच ओवरों में 79 रन जुटाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने सात विकेट पर 202 रन बना पाई। दक्षिण अफ्रका के कप्तान क्विंटन डि कॉक ने 22 गेंद में आठ छक्कों की मदद से 65 रन की पारी खेली, उन्होंने तेम्बा बावुमा के साथ 92 रन की भागीदारी निभाई। मार्क वुड ने इन दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट झटके। लेकिन रासी वान डर डुसेन (नाबाद 43 रन) और ड्वेन प्रिटोरियस (25) ने दक्षिण अफ्रीका को करीब तक पहुंचा दिया था। इससे टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन की दरकार थी जिसमें प्रिटोरियस ने 12 रन बनाए लेकिन वह यार्कर गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। इंग्लैंड को अंतिम दो गेंद में तीन रन चाहिए थे लेकिन टीम ने प्रिटोरियस का विकेट गंवा दिया। ब्योर्न फोर्टुइन ने अंतिम गेंद को फ्लिक करने की कोशिश की पर आदिल राशिद को कैच देकर आउट हो गए।

जोशना ने 18वां और घोषाल ने 13वां राष्ट्रीय खिताब जीता

• सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

भाषा। चेन्नई

देश के शीर्ष स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और सौरव घोषाल ने शनिवार को यहां 77वीं सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में क्रमशः 18वां और 13वां खिताब अपने नाम किया। चेन्नई की शीर्ष वरीय जोशना ने तन्वी खन्ना के खिलाफ पहला गेम गंवा दिया लेकिन इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए 8-11 11-6 11-4 11-7 से जीत हासिल की। पिछले साल जोशना ने पुणे में 16वां राष्ट्रीय खिताब जीतकर भुवनेश्वरी कुमार के रिकार्ड की बराबरी की थी। उन्होंने पहला राष्ट्रीय खिताब 2000 में जीता था, तब से उन्होंने महज दो मैच, दोनों फाइनल्स गंवाए हैं। वहीं घोषाल ने युवा दूसरे वरीय अभिषेक प्रधान को 11-6 11-5 11-6 से मात देकर खिताब अपने नाम किया।

कम्बाला धावक गौड़ा का शीर्ष कोचों की निगरानी में होगा ट्रायल : रीजीजू

भाषा। नई दिल्ली

खेल मंत्री किरेन रीजीजू के निर्देश पर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने वाले कम्बाला (भैंसों की परंपरागत दौड़) जॉकी श्रीनिवास गौड़ा का बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में विशेषज्ञ कोचों की निगरानी में ट्रायल होगा। रीजीजू ने शनिवार को साइ के शीर्ष कोचों को 28 वर्ष के इस धावक का ट्रायल करवाने का निर्देश दिया है। कर्नाटक के गौड़ा ने इस प्रतियोगिता के दौरान सिर्फ 13.62 सेकेंड में 142.5 मीटर की दौड़ लगाई जिसके बाद ए दावा किया गया कि उन्होंने सिर्फ 9.55 सेकंड में 100 मीटर की दूरी तय की जो उसेन बोल्ट का विश्व रिकार्ड भी है। रीजीजू ने ट्विटर पर लिखा, मैं कर्नाटक के श्रीनिवास गौड़ा को साइ के शीर्ष कोचों के सामने ट्रायल के लिए बुलाऊंगा। लोगों में ओलंपिक के स्तर को लेकर जानकारी की कमी है और खासतौर पर एथलेटिक्स में जहां मानवीय क्षमता के सर्वोच्च स्तर की परीक्षा होती है। मैं सुनिश्चित करूंगा कि देश में किसी भी प्रतिभा को परखे बिना बेकार नहीं होने दिया जाएगा। इसके बार साइ ने ट्वीट कर जानकारी दी कि गौड़ा के ट्रायल सोमवार को बेंगलुरु में होगा। साइ ने ट्विटर पर लिखा, हमने श्रीनिवास गौड़ा से संपर्क कर लिया है और उनके लिए ट्रेन टिकट भी बुक करवा ली है।

Chola चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड
प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

शुद्धिपत्र

उपरिवर्णित कम्पनी द्वारा श्री विनोद कुमार जैन के विरुद्ध वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत एक सूचना दिनांकित 22-11-2018 जारी की गई थी। कम्पनी एतद्द्वारा धारा 13(2) सूचना दिनांक 22-11-2018 वापस लेती है तथा यह सूचना निम्नवर्णित सम्पत्तियों के लिए निरस्त की जाती है। हम धारा 13-2 के तहत पुनः एक नई सूचना जारी करेंगे।

1. सम्पत्ति परिमाप 100 वर्ग गज सम्पत्ति सं. 995/229-ई6बी(पुरानी), एवं नई सं.-9/2292, खाता नंबर 4, खसरा नंबर 128 का हिस्सा, स्थित आबादी गली नंबर 11 एवं 12 कैलाश नगर, गांधी नगर, सीलमपुर शाहदरा, नई दिल्ली-110031
2. सम्पत्ति परिमाप 120 वर्ग गज सम्पत्ति सं. 9/2368, खाता नंबर 115, खसरा नंबर 128 का हिस्सा, स्थित आबादी गली नंबर 2, कैलाश नगर, गांधी नगर, सीलमपुर शाहदरा, नई दिल्ली-110031

(कर्जदार/सह-कर्जदार का नाम - विनोद कुमार जैन, दीपा जैन, अभिषेक जैन, अंकित जैन, अनुबंध सं X0HEEDL00001563721, X0HEDHE00001306266)
हम धारा 13-2 के तहत पुनः एक नई सूचना जारी करेंगे।

स्थान : दिल्ली + एनसीआर
हस्ता./-
तिथि : 16/02/2020
(प्राधिकृत अधिकारी)
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

ऋण वसूली न्यायाधिकरण
।।, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

बिक्री सूचना की उदघोषणा

निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध अंकिता गुप्ता ओ.ए. नंबर 239/2019 एवं आई.ए. नंबर 1601/2019 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

1. सम्पत्ति का वर्णन : मेक : बीएमडब्ल्यू एक्स 1
   रजि. नंबर : डीएल5सीएन2006
   विनिर्माण वर्ष : 2016
   सुरक्षित मूल्य - रू. 16,50,000/-
   ईएमडी - रू. 1,65,000/-
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 26-02-2020 पूर्वा. 11.00 बजे
3. नीलामी साइट : नीलामी का स्थान : रिद्धी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर - 17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशनके पीछे, गुरूग्राम
4. प्रबंधक : कल्याणी प्रीति
   मोबाइल नंबर : 9599281817

बिक्री की शर्तें

उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।

इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन के संबंध में उपरिवर्णितानुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दिए जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।

बिक्री मूल्य की शेष राशि उपरोक्तानुसार जमा करने में असफल रहने पर, धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी।

इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से दिनांक 26 फरवरी, 2020 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा बैंक प्रबंधक कल्याणी प्रीति को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

पेस अभी एक साल और खेल सक्ते है: भूपति

भाषा। कोलकाता

दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति ने शनिवार को यहां कहा कि ग्रैंडस्लैम जीतने वाले उनके पूर्व जोड़ीदार लिएंडर पेस अभी शानदार तरीके से खेल रहे है जिसे वह एक और साल जारी रख सकते है। ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले 46 साल के पेस पहले ही कह चुके है कि पेशेवर सर्किट में यह उनका आखिरी साल है। वह शनिवार को बेंगलुरु ओपन के पुरुष युगल के फाइनल में हार गए। घरेलू मैदान पर

यह एटीपी टूर का उनका आखिरी मुकाबला था। पेस के साथ ग्रैंडस्लैम का तीन खिताब जीतने वाले भूपति ने कहा, वह अभी भी अच्छा खेल रहे है। वह बेंगलुरु एटीपी के फाइनल में पहुंचे। अगर वह कुछ और महीने तक अच्छा खेलना जारी रखते है तो एक और साल खेलने पर विचार कर सकते है। मुझे लगता है कि वह जिस तरह से खेल रहे है, उन्हें तब तक खेलना चाहिए जब तक वह खेल सकते है। भूपति से जब पूछा गया कि क्या पेस तोक्यो ओलंपिक की टीम में जगह बना सकते है तो उन्होंने कहा, इसके लिए दावेदारी में चार-पांच खिलाड़ी है। हमें अंतिम तारीख (जून के आखिर में) तक इंतजार करना होगा। पेस को अगर तोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है तो यह रिकार्ड आठवां मौका होगा जब वह इस प्रतियोगिता में खेलेंगे।

आईपीएल ने न्यूजीलैंड में खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में योगदान दिया: गाविन

भाषा। हैमिल्टन

पूर्व तेज गेंदबाज और मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता गाविन लार्सन को लगता है कि आईपीएल के लिए अलग विंडो बनाने के फैसले ने न्यूजीलैंड क्रिकेटरों को बेहतर बनाने में बड़ी भूमिका अदा की है। लार्सन और कोच गैरी स्टीड (मुख्य चयनकर्ता भी) के दो सदस्ईय पैनल पर देश के खिलाड़ियों के विकास के देखरेख की जिम्मेदारी है। साथ ही क्रिकेट बोर्ड ने भी सुनिश्चित किया है कि आईपीएल इस योजना का हिस्सा हो। न्यूजीलैंड की वनडे टीम में 90 के दशक में नियमित रूप से खेलने वाले लार्सन ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा, यह स्पष्ट है। हमारे अनुबंध में साफ है कि अगर किसी फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को चुना है तो उन्हें आईपीएल विंडो के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। जब हमारे खिलाड़ियों को आईपीएल फ्रेंचाइजी द्वारा चुना जाता है तो वे अपने खेल में सुधार कर सकते हैं। हम खिलाड़ियों में होने वाले सुधार को देख रहे हैं जो क्रिकेट के विकास का शानदार हिस्सा है। लार्सन ने स्वीकार किया कि कार्यक्रम बनाना चुनौती हो सकता है लेकिन साथ ही इससे ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। कार्यक्रम को लेकर कुछ छोटी चुनौतियां आती हैं, जैसे इंग्लैंड दौरा जो आईपीएल तक खत्म किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर चुनौती आती है। लार्सन ने कहा कि न्यूजीलैंड क्रिकेट और खिलाड़ियों के बीच संबंध काफी शानदार हैं क्योंकि बोर्ड उनकी वित्तीय रूप से बेहतर होने की जरूरत को समझता है जिसके लिए फ्रेंचाइजी लीग, काउंटी क्रिकेट और ब्रिटेन में क्लब क्रिकेट खेलना अहम है।

ओलंपिक की तैयारियों में फिटनेस पर जोर : मारिन

नई दिल्ली। भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने तोक्यो ओलंपिक के लिए फिटनेस को अहम बताते हुए कहा कि आगामी अभ्यास शिविर में इस पर जोर देने के साथ टीम के कमजोर पक्षों को मजबूत किया जाएगा। हाकी इंडिया ने शनिवार को 25 सदस्ईय संभावित खिलाड़ियों की कोर टीम की घोषणा की जिसने रविवार से बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) शिविर में अभ्यास शुरु किया। खिलाड़ी 27 दिनों तक चलने वाली इस प्रशिक्षण और अनुकूलन शिविर में मारिन की देख-रेख में अभ्यास करेगी। टीम को इस साल जून में एशियाई चैम्पियंस ट्राफी और जुलाई-अगस्त में ओलंपिक में हिस्सा लेना है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Shafaquat Husain, S/o Liaqat Husain, R/o. F-246, 2nd Floor, German Lane, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, have changed my name to Shafaqat Husain for all future purposes.
PD(8800)A

एन के टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : ओमैक्स स्क्वायर, प्लॉट नंबर 14, 5वां तल, जासोला डिस्ट्रिक्ट सेंटर जासोला, नई दिल्ली-110025
सीआईएन : एल17299डीएल1983पीएलसी163230, फोन : 011-61119313
ई-मेल : n.ktextiles123@gmail.com, वेबसाइट : www.nktil.com

31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रू. लाख में)

	पृथक्कृत	तिमाही समाप्त 31.12.2019 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 30.09.2019 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 31.12.2018 (अलेखापरीक्षित)	नौ माह समाप्त 31.12.2019 (अलेखापरीक्षित)	नौ माह समाप्त 31.12.2018 (अलेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्त 31.03.2019 (लेखापरीक्षित)
1	परिचालन से कुल आय	1.70	2.63	1.58	5.30	4.96	6.65
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पहले)	0.45	1.46	0.41	1.03	0.64	0.11
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	1.46	0.41	1.03	0.64	0.11	
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	0.45	1.46	0.31	1.03	0.47	0.09
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है]	0.45	1.46	0.31	1.03	0.47	1,513.82
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10 प्रत्येक)	83.98	83.98	83.98	83.98	83.98	83.98
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर) जैसाकि लेखावर्ष 2018-19 के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है।	-	-	-	-	-	4,196.96
8	प्रति शेयर अर्जन (रू.) (अंकित मूल्य रू. 10/- प्रत्येक)						
	1 मूल	0.05	0.17	0.04	0.12	0.06	0.01
	2 तनुकृत	0.05	0.17	0.04	0.12	0.06	0.01

31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रू. लाख में)

	समेकित	तिमाही समाप्त 31.12.2019 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 30.09.2019 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 31.12.2018 (अलेखापरीक्षित)	नौ माह समाप्त 31.12.2019 (अलेखापरीक्षित)	नौ माह समाप्त 31.12.2018 (अलेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्त 31.03.2019 (लेखापरीक्षित)
1	परिचालन से कुल आय	593.13	218.72	294.52	823.25	505.01	1934.66
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पहले)	1659.10	870.54	705.71	817.63	500.22	1926.20
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	1659.10	870.54	705.71	817.63	500.22	1926.20
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	1464.71	792.02	622.17	742.89	461.69	1720.29
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है]	1,564.59	863.28	748.32	1,056.15	739.71	14,534.59
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10 प्रत्येक)	83.98	83.98	83.98	83.98	83.98	83.98
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर) जैसाकि लेखावर्ष 2018-19 के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है।	-	-	-	-	-	-
8	प्रति शेयर अर्जन (रू.) (अंकित मूल्य रू. 10/- प्रत्येक)						
	1 मूल	186.30	102.80	89.11	125.76	88.08	1730.72
	2 तनुकृत	186.30	102.80	89.11	125.76	88.08	1730.72

नोट :-
उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षा) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए अलेखापरीक्षित परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। विस्तृत अलेखापरीक्षित परिणाम तथा यह संक्षिप्त विवरण लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित और निदेशक मंडल द्वारा उनकी दिनांक 14-02-2020 को आयोजित बैठक में अनुमोदित किए गए थे। अलेखापरीक्षित परिणामों का पूर्ण प्रारूप कम्पनी की वेबसाइट www.nktil.com पर स्टॉक एक्सचेन्ज की वेबसाइट www.msei.in पर उपलब्ध है। कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) ने हमको लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड उपलब्ध नहीं कराया है अतः परिणाम हार्ड कॉपी में प्रस्तुत किए गए हैं तथा सीएसई को ई-मेल भी भेजा गया है।

वास्ते एन के टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता./-
बलबीर सिंह
निदेशक
डीआईएन : 00027438

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 14-02-2020

भारतीय मध्यक्रम निश्चित रूप से सुधार कर सकता है : मंधाना

भाषा। दुबई

फार्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का मानना है कि मध्यक्रम की अनिरंतरता को देखते हुए भारत की शीर्ष चार खिलाड़ियों को 21 फरवरी से आस्ट्रेलिया में शुरू होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के दौरान लंबे समय तक बल्लेबाजी करनी होगी। भारत के मध्यक्रम का प्रदर्शन निरंतर नहीं रहा है और लगातार विफलताओं का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा है। वर्ष 2017 विश्व कप फाइनल में भारत ने सात विकेट 28 रन के अंदर गंवा दिए थे और टीम इंग्लैंड से नौ रन से हार गई थी। वहीं हाल में त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम 144 रन पर सिमट गई थी जबकि एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 115 रन था। मध्यक्रम में निश्चित रूप से सुधार किया जा सकता है। वर्ष 2018 महिला टी20 विश्व कप में 1,000 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन तक पहुंचने वाली तीसरी भारतीय मंधाना हाल में आस्ट्रेलिया में त्रिकोणीय श्रृंखला में शीर्ष रन स्कोरर भी रही थीं। ऐसी कुछ चीजें अब भी हैं जिन्हें हमें अपने बल्लेबाजी लाइन अप में देखना हैं और हम ऐसा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मध्यक्रम की मदद का सबसे बढ़िया तरीका है कि शीर्ष क्रम 20 ओवर तक बल्लेबाजी करे। मुझे लगता है कि शीर्ष चार खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा समय तक बल्लेबाजी करने की जरूरत है। हमें कोशिश करनी होगी कि हम 16वें या 17वें ओवर तक आउट नहीं हों और अगर हम 20वें ओवर तक डटे रहेंगे तो समस्या निपट जाएगी। मंधाना शुक्रवार को आईसीसी रैंकिंग में चौथे नंबर पर पहुंच गईं थी। भारतीय टीम 21 फरवरी को चार बार की चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरूआत करेगी।

जायसवाल ने विश्व कप में सफलता का श्रेय एस्ट्रोटर्फ को दिया

भाषा। मुंबई

अंडर-19 विश्व कप में मैन आफ द सीरिज रहे भारत के यशस्वी जायसवाल ने कहा कि एस्ट्रो टर्फ पिचों में अभ्यास करने से उन्हें दक्षिण अफ्रीका की उछाल भरी पिचों पर अच्छा खेलने में मदद मिली। जायसवाल टूर्नामेंट की छह पारियों में 400 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ी बने। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में लगाई गई नाबाद शतकीय पारी भी शामिल है। ज्वाला सर (उनके मेंटोर) ने मुझे कहा था कि मुझे वहां से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार लाना है। हमने उछाल भरी पिचों पर बल्लेबाजी का काफी अभ्यास किया था। हमने शार्ट गेंद खेलने का भी काफी अभ्यास किया था। मैन आफ द सीरिज का पुरस्कार अपने कोच के नाम करने वाले 18 साल के इस खिलाड़ी ने कहा, मै शार्ट गेंद को या तो खेल रहा था या छोड़ रहा था। एस्ट्रो टर्फ पर वैसा ही उछाल होता है जैसा वहां की पिचो पर, इसलिए मैने एस्ट्रोटर्फ पिचों पर बल्लेबाजी का अभ्यास किया जिसका फायदा हुआ। भारतीय क्रिकेट के आने वाले समय में बड़े खिलाड़ी के तौर पर देखे जा रहे जायसवाल ने कहा कि टूर्नामेंट के दौरान उसने सीखा कि दवाब के क्षणों में कैसे बल्लेबाजी करनी है। अलग-अलग देशों में खेलने का अनुभव शानदार रहा। यहां पिचे अलग तरह की थी। मैने मैच के साथ नेट अभ्यास के दौरान भी बल्लेबाजी का लुत्फ उठाया बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, मुझे खेल के दौरान दबाव से निपटने के बारे में काफी कुछ सीखने को मिला क्योंकि ज्यादातर मैचो मे दबाव था। जायसवाल ने टूर्नामेंट में 59 (श्रीलंका के खिलाफ), नाबाद 29 (जापान), 62 (आस्ट्रेलिया), नाबाद 105 (पाकिस्तान) और 88 (फाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ) ने रन की पारियां खेली। पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी उनके करियर की काफी अहम शतकीय पारी है। मुंबई मे टेंट मे रहने के साथ पानी-पूरी बेचकर गुजारा करने वाले जायसवाल ने इस मौके पर जूनियर टीम के मुख्य चयनकर्ता आशीष कपूर के प्रति आभार जताया जिन्होने उन्हे पारी का आगज करने की सलाह दी थी। अंडर-19 टीम के सभी चयनकर्ताओ ने मेरी मदद की। आशीष कपूर सर की वजह से मैने पारी का अगाज करना शुरु किया। मै सभी चयनकर्ताओ और कोचो का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा।

विदित गुजराती ने रैगर को हराया, संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचे

प्राग। भारत के दूसरे नंबर के खिलाड़ी विदित एस गुजराती यहां तीसरे दौर में आस्ट्रिया के जीएम मार्क्स रैगर पर जीत से प्राग शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग मे शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। भारत के लिए शुक्रवार का दिन मिश्रित नतीजो वाला रहा जिसमे देश के तीसरे नंबर के खिलाड़ी पी हरिकृष्णा को युवा अलीरेजा फिरौजा से 40 चाल मे हार का सामना करना पड़ा। विदित ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए 46 चाल मे लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पोलैंड के शीर्ष वरीय जान क्रिस्तोफ दुदा को अमेरिका के सैम शंक्लैंड ने ड्रा पर रोका।

हम्पी और हरिका ने केर्न्स कप शतरंज में ड्रा खेले

सेंट लुइस (अमेरिका)। भारत की कोनेरू हम्पी ने यहां दूसरे केर्न्स कप शतरंज टूर्नामेंट के सातवे दौर मे ड्रा खेला जिससे वह 4.5 अंक लेकर विश्व चैम्पियन वेनजुन जु के साथ संयुक्त बढ़त बनाए है। विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियन हम्पी को शुक्रवार को सातवे दौर मे अमेरिका की इरिना क्रश से 52 चाल मे ड्रा से संतोष करना पड़ा। वही टूर्नामेंट मे खेल रही अन्य भारतीय खिलाड़ी द्रोणावल्ली हरिका को अमेरिका की कारिसा यिप ने 43 चाल के बाद अंक बांटने पर मजबूर किया। इससे भारतीय खिलाड़ी के 3.5 अंक है।

पीसीबी प्रतिबंध से बचे उमर अकमल

कराची। पाकिस्तानी बल्लेबाज उमर अकमल लाहौर मे राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी मे फिटनेस परीक्षण के दौरान एक ट्रेनर पर कथित अभद्र टिप्पणी करने के बावजूद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रतिबंध से बच गए। यह घटना पिछले महीने हुई थी जब सभी खिलाड़ियो को बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला और पाकिस्तान सुपर लीग से पहले एनसीए मे फिटनेस परीक्षण देने के लिए कहा गया। शारीरिक वसा जांच के दौरान उमर (26 वर्ष) झुंझला गए जो अन्य परीक्षों मे विफल हो गए थे। और उन्होंने कपड़े निकालते हुए ट्रेनर पर अभद्र टिप्पाणी की। ट्रेनर ने इस मामले की रिपोर्ट मिस्बाह उल हक को दी जो मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता है। उन्होंने बोर्ड से जांच के लिए कहा। पीसीबी ने जांच पूरी होने के बाद कहा कि यह घटना गलतफहमी के कारण हुई। उमर अकमल को अपने किए पर पछतावा है और पीसीबी ने उन्हे फटकार लगाई और सीनियर क्रिकेटर के तौर पर उनकी जिम्मेदारियो की याद दिलाई। इसके अनुसार, अब यह मसला खत्म हो गया है और पीसीबी और उमर अकमल इस पर कोई टिप्पणी नही करेगे।

बुमराह-शमी ने हाथ साफ किया

- गेंदबाजी में दिखाया दम, बल्लेबाजों ने भी रन जुटाए
- न्यूजीलैंड एकादश की टीम 74.2 ओवर में 235 रन पर सिमटी

भाषा। हैमिल्टन

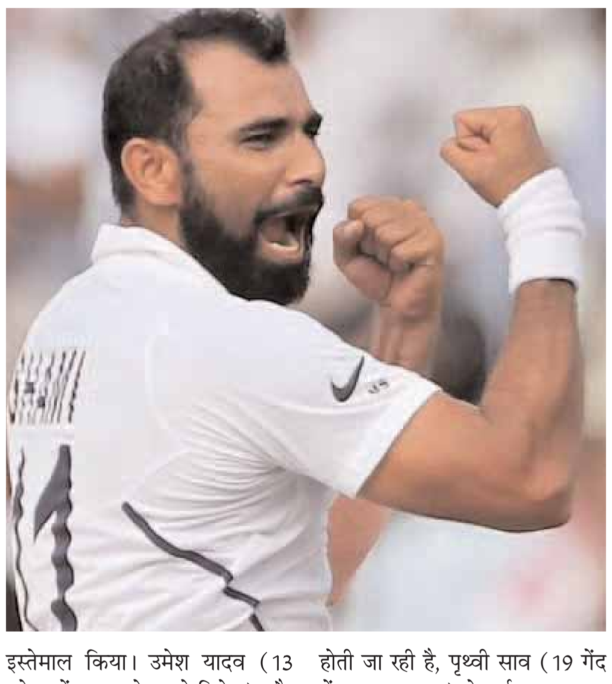

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड एकादश के खिलाफ भारत के अभ्यास मैच के दूसरे दिन शानदार गेंदबाजी की और वेलिंगटन में होने वाले पहले टेस्ट से पहले घरेलू टीम को चेताया कि मेजबानों के लिए चीजें इतनी आसान नहीं होंगी। न्यूजीलैंड की टीम 74.2 ओवर में 235 रन पर सिमट गई जिसमें बुमराह (11 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट) और शमी (10 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट) ने परिस्थितियों का अच्छा इस्तेमाल किया। उमेश यादव (13 ओवर में 49 रन देकर दो विकेट) और नवदीप सैनी (15 ओवर में 58 रन देकर दो विकेट) ने काफी ओवर फेंके लेकिन वे टीम के दो मुख्य तेज गेंदबाजों की तरह अपने स्पेल से बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर सके। पिच अब बल्लेबाजों के लिए आसान होती जा रही है, पृथ्वी साव (19 गेंद में नाबाद 29 रन) ने कई कवर ड्राइव लगाई और उनकी पारी में एक शानदार छक्का भी शामिल रहा जबकि मयंक अग्रवाल (17 गेंद में नाबाद 23 रन) ने एक छक्का लगाया जिससे दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने बिना विकेट गंवाए 53 रन बना लिए थे। मुख्य कोच रवि शास्त्री अपने तेज गेंदबाजों की लय देखना चाहते थे और बुमराह व शमी ने बादलों भरे मौसम में काफी अच्छी गेंदबाजी की। उमेश और सैनी ने हालांकि अपने पहले स्पेल में काफी फुल लेंथ गेंद फेंकी। बुमराह ने उछाल हासिल करते हुए बल्लेबाजों को परेशान किया और तीन छोटे स्पेल में गेंदबाजी की जबकि शमी ने दो स्पैल डाले। शमी ने ध्यान सीम को दोनों तरीकों से गेंदबाजी करने पर लगाया। बुमराह ने विल यंग (02) को कोण लेती गेंद से बल्ला छुआने के लिए उकसाया और ऋषभ पंत ने इस कैच को लपकने में जरा गलती नहीं की। इसके बाद उन्होंने फिन एलेन (20) का विकेट झटका। लंच के बाद शमी के दूसरे स्पैल ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया जिसमें सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जिमी नीशाम शामिल थे जो उनकी अतिरिक्त उछाल लेती गेंद का सामना नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने क्रीज पर जमे हुए हेनरी कूपर (68 गेंद में 40 रन) को फुल लेंथ गेंद पर आउट किया। इसके बाद दोनों अंतिम सत्र में गेंदबाजी के लिए नहीं उतरे। अंत में आधा घंटा काफी मनोरंजक रहा जिसमें स्कॉट कुगेलीजन और ब्लेयर टिकनर की गेंदों को साव और अग्रवाल ने काफी पीटा और आसानी से रन जुटाए। भारत ने लगातार दूसरे दिन साव-अग्रवाल की सलामी जोड़ी को उतारा जिससे शुभमन गिल को शायद अपने टेस्ट पदार्पण के लिए इंतजार करना होगा।

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी : 263 रन,न्यूजीलैंड एकादश पहली पारी : विल यंग का पंत बो बुमराह 02,रचिन रविंद्र का पंत बो यादव 34, टिम सिफर्ट का पंत बो शमी 09, फिन एलेन बो बुमराह 20, हेनरी कूपर का अग्रवाल बो शमी 40,टॉम ब्रूस बो सैनी 31, डेरिल मिशेल का साव बो यादव 32, जेम्स नीशाम बो शमी 01, डेन क्लीवर बो सैनी 13, स्कॉट कुगेलीजन नाबाद 11, ईश सोढी का पुजारा बो अश्विन 14,**अतिरिक्त** : 28, **कुल योग** : 74.2 ओवर में सभी आउट : 235 रन, **विकेट पतन** :1-11 2-36 3-70 4-82 5-133 6-155 7-161 8-204 9-213, **गेंदबाजी** : बुमराह 11-3-18-2, यादव 13-1-49-2, शमी 10-5-17-3, सैनी 15-2-58-2, अश्विन 15.2-2-46-1, जडेजा 10-4-25-0, **भारत दूसरी पारी** : पृथ्वी साव खेल रहे है 35, मयंक अग्रवाल खेल रहे है 23, **अतिरिक्त** :1, **कुल योग** : सात ओवर में बिना विकेट गंवाए 59 रन,**गेंदबाजी** : ब्लेयर टिकनर 3-0-19-0, स्कॉट कुगलीजन 3-0-34-0, स्कॉट जानस्टन 1-0-6-0

महज दो से चार मैचों में बुमराह की काबिलियत पर कैसे सवाल उठा सकते हैं लोग : शमी

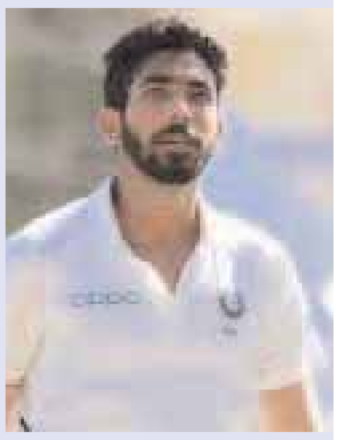

हैमिल्टन। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने शनिवार को कहा कि महज दो-चार मैचों मे खराब प्रदर्शन के बाद लोग जसप्रीत बुमराह के कई एकदिवसीय मैचों मे जीत दिलाने वाले प्रदर्शन को कैसे भूल सकते है। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी तीन वनडे मैचों मे विकेट हासिल नही कर सके जिसमे भारत को हार का सामना करना पड़ा। इससे उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाए जा रहे है। न्यूजीलैंड एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच के दूसरे दिन के खेल के बाद शमी ने कहा, मै समझ सकता हूं कि अगर हम एक विषय पर कुछ समय बाद चर्चा करे, पर महज दो-चार मैचो के बाद ऐसा करना। उसने महज दो मैचो मे अच्छा नही किया तो आप उसकी मैच जीतने की काबिलियत की अनदेखी नही कर सकते। बुमराह के सीनियर जोड़ीदार शमी ने न्यूजीलैंड एकादश के खिलाफ 18 रन देकर तीन विकेट झटककर शानदार प्रदर्शन किया। उन्होने कहा, बुमराह ने भारत के लिए कितना कुछ हासिल किया है, आप इसे कैसे भूल सकते हो या फिर आप इसकी अनदेखी कैसे कर सकते हो? इसलिए अगर आप सकारात्मक रूप से सोचोगे तो यह खिलाड़ी के लिए अच्छा है और उसके आत्मविश्वास के लिए भी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने आलोचको पर सवाल करते हुए कहा, खिलाड़ी के तौर पर, यह बहुत अलग होता है। बाहर से किसी की आलोचना करना बहुत आसान है क्योंकि कुछ का काम टिप्पणी करना और पैसा कमाना है। हर खिलाड़ी चोटिल हो सकता है और किसी भी व्यक्ति को नकारात्मक चीजो की बाते करने के बजाय सकारात्मक चीजो को देखने की कोशिश करनी चाहिए। अगर एक खिलाड़ी की अचानक फार्म खराब हो जाती है तो इससे लोगो का रवैया एकदम से बदल जाता है जो शमी को बिलकुल अच्छा नही लगता। जब आप कुछ मैचो मे अच्छा नही करते तो लोग बहुत अलग तरीके से सोचना शुरू कर देते है और उनका आपके बारे मे रवैया बदल जाता है। इसलिए हमे ज्यादा सोचना नही चाहिए।

घरेलू सत्र के कैलेंडर आज चर्चा करेगा बीसीसीआई

- शीर्ष परिषद बैठक में होगी सहित अन्य एजेंडों पर चर्चा

भाषा। नई दिल्ली

बीसीसीआई की रविवार को यहां होने वाली शीर्ष परिषद की बैठक में 2020-21 घरेलू सत्र के लिए कैलेंडर पर फैसला करना, आचरण अधिकारी की नियुक्ति और भारतीय क्रिकेटरों के संघ (आईसीए) के लिए फंड जारी करने सहित कई एजेंडे शामिल होंगे। न्यायमूर्ति डीके जैन को पिछले साल फरवरी में बीसीसीआई का पहला लोकपाल नियुक्त किया गया था और इसके बाद वह इसके आचरण अधिकारी के रूप में दोहरी भूमिका निभाने लगे और उन्होंने सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और कपिल देव के खिलाफ हितों के टकराव संबंधित आरोपों का निपटारा किया। यह देखना होगा कि जैन को इसी जिम्मेदारी के लिए बरकरार रखा जाएगा या फिर सौरव गांगुली की अगुआई वाला बोर्ड नई नियुक्ति करेगा। नौ सदस्ईय परिषद के लिए एक और मुद्दा एजेंडे में शामिल होगा और वो आईसीए को फंड जारी करना है जो उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुकत लोढा पैनल की सिफारिशों के मुताबिक बना भारत का पहली खिलाड़ी संघ है। अक्टूबर में बने आईसीए को बीसीसीआई से कोष की काफी जरूरत है। अभी तक खिलाड़ियों के संघ को कोई फंड नहीं दिया गया है जिससे इसका कोई कार्यालय नहीं है और यह नियमित अंतराल पर बैठक भी नहीं कर पा रहा। अक्टूबर में हुई पहली बैठक में आईसीए ने 15 से 20 करोड़ रूपए का अस्थाई बजट तैयार किया था। उसे बीसीसीआई से अभी शुरूआती अनुदान भी नहीं मिला है लेकिन उसे आगे खुद ही राशि जुटानी होगी। शीर्ष परिषद ने अभी तक अपनी पहली बैठक 30 नवंबर को की थी और उसे कम से कम तीन महीने में एक बार बैठक करनी होती है। बैठक में 2020-21 घरेलू सत्र के कार्यकम का भी फैसला करना है। पिछले साल नवंबर में इस्तीफा देने वाले पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी संतोश रंगनेकर के पद पर नियुक्ति पर भी फैसला होने की संभावना है। साथ ही कैग द्वारा नामांकित की गई अलका रेहानी भारद्वाज भी पहली बार शीर्ष परिषद बैठक में शिरकत करेंगी जिन्हें दिसंबर में नियुक्त किया गया था। उन्होंने संवैधानिक उल्लघंनों की शिकायतों पर चर्चा के लिए जल्दी बैठक बुलाने की अपील की थी।

हारकर जम्मू-कश्मीर क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई

- रणजी राउंडअप : हरियाणा दो विकेट से जीता

भाषा। जम्मू

जम्मू कश्मीर रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप सी के मुकाबले में शनिवार को यहां हरियाणा से दो विकेट से हारने के बाद भी क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा। इस हार के बाद भी परवेज रसूल की कप्तानी में टीम 39 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रही। जबकि मैच जीतने के बावजूद भी टूर्नामेंट में हरियाणा का सफर खत्म हो गया। हरियाणा 36 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। ग्रुप से क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम ओड़िशा रही जिसने अपने आखिरी लीग मुकाबले में झारखंड से ड्रा खेलकर पहली पारी में बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किया। टीम 38 अंक के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही। झारखंड पहले ही इस दौड़ से बाहर हो गया था। चौथी पारी में जीत के लिए 224 रन का पीछा करने उतरे हरियाणा ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 103 रन से की लेकिन स्कोर में सिर्फ चार रन ही जुटे थे कि अजीत चहल का विकेट गिर गया। इसके बाद रसूल ने हरियाणा के कप्तान हर्षल पटेल को बोल्ड किया। विकेटकीपर बल्लेबाज रोहित शर्मा (141 गेंद में नाबाद 75 रन) ने एक छोर संभाले रखा और उन्हें जयंत यादव (13) का अच्छा मिला और दोनों ने आठवें विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। इसके बाद शर्मा ने राहुल तेवतिया (नाबाद 27) के साथ 44 रन की अटूट साझेदारी कर हरियाणा को जीत दिला दी। कटक में खेले गए ग्रुप के एक अन्य अहम मुकाबले में ओड़िशा ने झारखंड की पहली पारी को 356 रन पर समेट कर पहली पारी में बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। पहली पारी में 436 रन बनाने वाली ओड़िशा ने दूसरी पारी में 51 ओवर में एक विकेट पर 187 रन बनाकर पारी घोषित की जिसके साथ ही मैच को ड्रा घोषित कर दिया गया। ओड़िशा के लिए सुभ्रांशु सेनापति ने दूसरी पारी में नाबाद 100 रन बनाए।

महाराष्ट्र ने बारामती में खेले गए मैच में उत्तराखंड को 67 रन से हराया। इस हार के बाद उत्तराखंड की टीम ग्रुप तालिका में सबसे नीचे रहने के कारण प्लेट ग्रुप में रेलीगेट हो गई। उत्तराखंड को चौथी पारी में जीत के लिए 270 रन की जरूरत थी लेकिन चौथे दिन टीम ने दो विकेट पर 103 रन से आगे खलते हुए 202 रन पर सभी विकेट गंवा दिए। गुवाहाटी में त्रिपुरा और असम का मैच ड्रा पर छूटा। त्रिपुरा ने दूसरी पारी सात विकेट पर 166 रन बनाकर घोषित की जिसके बाद असम को जीत के लिए 381 रन का लक्ष्य मिला लेकिन दिन का खेल खत्म होने तक टीम पांच विकेट पर 180 रन ही बना सकी। रायपुर में पहली पारी में बड़े अंतर से पिछड़ने के बाद छत्तीसगढ़ ने सेना के खिलाफ मजबूत वापसी की और दूसरी पारी में जीवनजोत सिंह के 236 रन के दम पर तीन विकेट पर 586 रन बनाए। टीम के लिए हरप्रीत सिंह भाटिया ने 191 और अनुज तिवारी ने नाबाद 100 रन बनाए।

हिमाचल के आगे धराशाई हुआ यूपी

- 386 रन से जीता, छह अंक मिला पर आगे की राह नहीं मिली

लखनऊ। लखनऊ में हिमाचल प्रदेश ने उत्तर प्रदेश पर 386 रन से जीत हासिल की जिससे उसे छह अंक मिले। लेकिन ये अंक उसे अगले दौर में पहुंचाने के लिए काफी नहीं थे। इस मैच में हिमाचल की ओर से रिषि धवन ने उम्दा खेला दिखाया। मुंबई ने ड्रा हुए मुकाबले में मध्य प्रदेश पर पहली पारी की बढ़त से तीन अंक हासिल किए।

चिराग की मदद से सौराष्ट्र ने तीन अंक जुटाए

वहीं निचले क्रम के बल्लेबाज चिराग जानी के नाबाद 124 रन की मदद से सौराष्ट्र ने शनिवार को तमिलनाडु के खिलाफ ड्रा हुए रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप बी मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। चिराग और अर्पित वसावड़ा की 132 रन की पारी की मदद से सौराष्ट्र ने नौ विकेट पर 481 रन पर घोषित की और पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक जुटाए। तमिलनाडु ने पहली पारी में 424 रन बनाए थे। चिराग ने अपनी पारी में 10 चौके और दो छक्के जमाए।

गुजरात से हारने के बावजूद आंध्र आगे बढ़ा

नाडियाड (गुजरात)। आंध्र ने शनिवार को यहां ग्रुप ए के अंतिम मैच मे तालिका मे शीर्ष पर चल रही गुजरात के हाथो आठ विकेट की हार के बावजूद रणजी ट्राफी के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। आंध्र की टीम कही भी गुजरात के बराबर नही थी। गुजरात के ग्रुप चरण के आठ मैचों मे 35 अंक रहे। गुजरात, बंगाल, कर्नाटक, सौराष्ट्र और आंध्र ने ग्रुप ए और ग्रुप बी के क्रास पूल से क्वार्टर फाइनल मे प्रवेश किया जबकि जम्मू कश्मीर और ओड़िशा ने ग्रुप सी से नाकआउट चरण मे जगह बनाई। प्लेट ग्रुप से गोवा ने अंतिम आठ राउंड मे स्थान पक्का किया। क्वार्टरफाइनल मुकाबले 20 से 24 फरवरी तक खेले जाएंगे जिसमे सौराष्ट्र का सामना आंध्र से होगा जबकि कर्नाटक की भिड़ंत जम्मू कश्मीर से होगी। अन्य मैचो मे बंगाल की टीम ओड़िशा से जबकि गुजरात की टीम गोवा से भिड़ेगी। पहली पारी मे 177 रन पर सिमटने वाली आंध्र की टीम दूसरी पारी मे महज 258 रन ही बना सकी जिससे उसने गुजरात को महज 30 रन का लक्ष्य दिया जिसने दो विकेट गंवाकर 9.5 ओवर मे इसे हासिल कर लिया। सात विकेट पर 216 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए आंध्र ने शनिवार को अपनी पारी मे महज 42 रन जोड़े। के करण शिंदे (64) आंध्र के लिए शीर्ष स्कोरर रहे जबकि बी सुमंत ने 47 रन बनाए। बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने 92 रन देकर सात विकेट हासिल किए। वही ग्रुप के अन्य मैचो मे दिल्ली और राजस्थान तथा हैदराबाद और विदर्भ के बीच मुकाबला ड्रा रहा। दिल्ली ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक जुटाए जबकि हैदराबाद मे विदर्भ को तीन अंक मिले। लेकिन नतीजा उन्हे अगले दौर मे पहुंचाने के लिए काफी नही था।

इशांत ने फिटनेस टेस्ट पास किया

- न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए रवाना होंगे

भाषा। नई दिल्ली

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा शनिवार को बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में फिटनेस टेस्ट में सफल रहे और वह 21 फरवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड में टीम के साथ जुड़ेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, हां, उसने (इशांत) फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और (वह) न्यूजीलैंड में टीम से जुड़ेगा। उम्मीद है कि इशांत पहले टेस्ट के लिए वेलिंगटन रवाना होंगे। इशांत ने चोट से उबरने में मदद करने के लिए एनसीए के फिजियो आशीष कौशिक को धन्यवाद दिया। इशांत ने ट्वीट किया, 20 जनवरी को टखने में चोट लगने के बाद मेरे लिए मुश्किल समय था, लेकिन मुझे खुशी है कि आशीष कौशिक की मदद से मैं आज फिट हूं। उस समय स्कैन में जो दिखा था वह डरावना था। शुक्रिया आशीष। भारत के लिए 96 टेस्ट खेलने वाले इशांत का टखना रणजी ट्राफी के मैच में 20 जनवरी को चोटिल हो गया था। न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट श्रृंखला के लिए चार फरवरी को चुनी गई टीम में इशांत शामिल थे। उस समय कहा गया था कि उन्हें फिटनेस टेस्ट पास करने पर ही मौका मिलेगा।

टेस्ट चैम्पियनशिप जीतना वनडे और टी20 विश्व कप से बड़ी उपलब्धि : पुजारा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने शनिवार को कहा कि आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप को जीतना एकदिवसीय या टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप को जीतने से काफी बड़ी उपलब्धि होगी। भारत के नाम सात टेस्ट मे 360 अंक है और टीम पहली बार हो रहे आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका मे शीर्ष पर है। पुजारा ने इंडिया टुडे टेलीविजन चैनल के कार्यक्रम इंस्पिरेशन मे कहा, जब आप टेस्ट चैम्पियन बनेंगे, मै कहूंगा कि यह एकदिवसीय या टी20 विश्व कप जीतने से बड़ा खिताब होगा। इसकी वजह है इसका खास प्रारूप। अगर आप अतीत के किसी महान क्रिकेट खिलाड़ी या मौजूदा क्रिकेटरो से भी पूछे, तो वे कहेंगे कि टेस्ट क्रिकेट इस खेल का सबसे चुनौतीपूर्ण प्रारूप है। जब आप टेस्ट क्रिकेट के विश्व चैंपियन बनते है तो इससे बड़ा कुछ नही होता है। भारतीय टीम ने

आईसीसी विश्व टेस्ट चैपियनशिप की शुरुआत वेस्टइंडीज पर 2-0 से जीत से करने के बाद दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को क्रमशः 3-0 और 2-0 से हराया। विराट कोहली की कप्तानी मे टीम अब वेलिंगटन मे 21 फरवरी से शुरू होने वाली दो मैचो की टेस्ट श्रृंखला मे न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। दाएं हाथ के 32 साल के इस बल्लेबाज ने कहा, ज्यादातर टीमो ने अपने घरेलू परिस्थितियो मे अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन जब वे विदेश मे जाते है, तो उन्हे हमेशा चुनौती मिलती है। खासकर भारतीय टीम अब विदेशो मे अच्छा प्रदर्शन करने लगी है। हमने अब विदेशो मे श्रृंखला जीतना शुरू कर दिया है। इस भारतीय टीम के साथ सबसे बड़ा फायदा (विदेशो मे अच्छा प्रदर्शन) यही है। टेस्ट चैपियनशिप के बारे मे बात करे तो किसी भी टीम को फाइनल मे पहुंचने के लिए लगातार दो साल तक अच्छा खेलना होगा और उन्हे न केवल घरेलू मैदान पर जीत दर्ज करनी होगी बल्कि विदेशो मे भी दमदार प्रदर्शन करना होगा। पुजारा ने आईसीसी के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को शुरू करने के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि इसने खेल के पारंपरिक प्रारूप को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया है। टेस्ट क्रिकेट को बनाए रखने के लिए आईसीसी ऐसी योजना लेकर आया है जिसके बारे मे क्रिकेट खेलने वाले देशो को टेस्ट क्रिकेट के बारे मे सोचना होगा। टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखने के लिए, मुझे लगता है कि यह उन सर्वश्रेष्ठ मंचो से एक है।

ट्रम्प की भारत यात्रा पूरी तरह सफल होगी

भाषा। वाशिंगटन

दक्षिण एशिया मामलों के प्रतिष्ठित अमेरिकी विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आगामी भारत यात्रा को देखना दिलचस्प होगा और यह कई मानकों पर पूरी तरह से सफल होगी।

व्हाइट हाउस ने इस सप्ताह घोषणा की कि ट्रम्प का प्रथम महिला के साथ 24 और 25 फरवरी को अहमदाबाद तथा नई दिल्ली की यात्रा करने का कार्यक्रम है। 21वीं सदी के तीसरे दशक में यह अमेरिकी राष्ट्रपति की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी और महाभियोग सुनवाई में सीनेट से बरी होने के बाद भी उनकी पहली यात्रा होगी। कार्नेजी एन्डॉमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस की सीनियर फेलो एश्ले टेलिस ने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे लगता है कि ट्रम्प की यात्रा को देखना दिलचस्प होगा और यह कई मानकों पर पूरी तरह से सफल होगी। ट्रम्प का गुजरात के अहमदाबाद पहुंचने पर लाखों लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किए जाने की उम्मीद है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम नव निर्मित मोटेरा स्टेडियम में हजारों लोगों के सामने ऐतिहासिक भाषण दे सकते हैं। भारत से संबंधित मामलों पर सबसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञों में से एक टेलिस ने कहा कि हालांकि वह इसे लेकर अनिश्चित हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार विवाद हल होगा या नहीं। सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है। टेलिस ने कहा, हालांकि भारत सरकार ने दावा किया है कि दोनों देश एक समझौते के करीब हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस पर वास्तव में कोई प्रगति हुई है। रक्षा बिक्री पर कुछ प्रगति हुई होगी लेकिन वह भी अनिश्चित है। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में यूएस इंडिया पॉलिसी स्टडीज में वधवानी चेयर रिक रोसॉव ने हालांकि उम्मीद जताई कि दोनों नेता हाल में आए व्यापार अवरोधों को दूर करने के लिए एक समझौता कर सकते हैं।

लोकप्रियता के मामले में फेसबुक का मुझे पहला और मोदी को दूसरा स्थान देना सम्मान की बात है : ट्रम्प

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि फेसबुक ने उन्हें इस सोशल मीडिया साइट पर लोकप्रियता के मामले में पहला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दूसरा स्थान दिया है।

ट्रम्प और प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प प्रधानमंत्री मोदी के आमंत्रण पर 24 और 25 फरवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे। ट्रम्प ने शनिवार को ट्वीट किया, मेरा मानना है कि यह बहुत सम्मान की बात है। (फेसबुक के सह संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी) मार्क जुकरबर्ग ने हाल में कहा, डोनाल्ड जे ट्रम्प फेसबुक पर शीर्ष स्थान पर है।

नंबर दो पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी हैं। दरअसल, मैं दो सप्ताह में भारत जा रहा हूं। इसे लेकर उत्साहित हूं। ऐसा पहली बार नहीं है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया है कि फेसबुक पर लोकप्रियता के मामले पर वह पहले और मोदी दूसरे नंबर पर हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी और वरिष्ठ सलाहकार इवांका ट्रम्प ने शनिवार को अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) में शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का दौरा किया।

क्विक न्यूज

अफगानिस्तान में हवाई हमले में आठ लोगों की मौत

जलालाबाद। अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत मे हुए हवाई हमले में कम से कम आठ लोगो की मौत हो गई। अधिकारियो ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता अताउल्ला खोगयानी के अनुसार हमला शुक्रवार को प्रांत के पूर्वी भाग में आम लोगों के ले जा रहे एक वाहन पर हुआ। उन्होंने कहा, हमले का निशाना तालिबान के आतंकवादी थे, लेकिन दुर्भाग्य से आम नागरिक इसकी जद में आ गए। उन्होंने कहा कि इसमे आठ लोगो की मौत हो गई।

शिकागो में गोलीबारी में छह घायल

शिकागो(एपी)। शिकागो के दक्षिणी इलाके मे एक अपार्टमेंट परिसर में गोलीबारी में तीन नाबालिगो सहित छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार तड़के एक विज्ञप्ति में कहा कि शुक्रवार की रात अपार्टमेंट इकाई में सभा के दौरान गोलीबारी हुई शुरू हुई। कोई गिरफ्तारी नही की गई है। गोलीबारी मे घायल तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। विज्ञप्ति के अनुसार गोलीबारी किन हालात में हुई इसकी जानकारी नही मिल पाई है। स्थानीय समाचार पत्रों के मुताबिक गोलीबारी पार्कवे गार्डन हाउसिंग कॉम्प्लेक्स मे हुई।

बर्लिन में संगीत समारोह स्थल के सामने गोलीबारी में एक की मौत, तीन घायल

बर्लिन। बर्लिन मे शुक्रवार को संगीत समारोह के कार्यक्रम स्थल के सामने गोलीबारी मे एक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। बर्लिन के पुलिस अधिकारियो ने शनिवार को बताया कि शहर के मध्य मे पॉट्सडैम प्लाजो के पास स्थित टेम्पोड्रोम के बाहर अज्ञात लोगों ने खुलेआम गोलीबारी की और मौके से फरार हो गए। यह स्पष्ट नही हो पाया कि गोलीबारी शुक्रवार की रात कार्यक्रम स्थल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम तुर्की कॉमेडी नाइट से जुड़ा था या नही।

फ्रांस से कोरोना वायरस से पीड़ित पर्यटक की मौत

पेरिस। फ्रांस में कोरोना वायरस से पीड़ित 80 वर्षीय चीनी पर्यटक की मौत हो गई है। कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति की एशिया से बाहर मौत का यह पहला मामला है। फ्रांस स्वास्थ्य मंत्री एग्नेस बुजीन ने शनिवार को यह जानकारी दी। बुजीन ने कहा यह मरीज जनवरी के अंतिम सप्ताह से पेरिस के अस्पताल मे भर्ती था।

यूएई मंदिर परियोजना के निर्माण में उल्लेखनीय पड़ाव पूरा

भाषा। दुबई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबूधाबी के पहले हिंदू मंदिर के निर्माण में महत्त्वपूर्ण पड़ाव पूरा हो गया है।

अधिकारियों ने बताया कि यहां इसकी नींव को पहली बार कांक्रीट से भरने का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में संयुक्त अरब अमीरात में दुबई के ओपेरा हाउस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) मंदिर की आधारशिला रखी थी।

यूएई में भारत के राजदूत पवन कपूर और दुबई में भारत के महावाणिज्य दूत विपुल, सामुदायिक विकास प्राधिकरण के सीईओ उमर अल मुथन्ना और शापूरजी पलोंजी के सीईओ मोहनदास सैनी की मौजूदगी में पूज्य ब्रह्मविहारी स्वामी और पूज्य अक्षयमुनिदास स्वामी ने परियोजना के लिए विशेष पूजा की।

समारोह के दौरान पूज्य ब्रह्मविहारी स्वामी ने कहा, आज हमने मंदिर की अनोखी नींव भरने का कार्य प्रारंभ किया जिसका निर्माण प्राचीन प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक उपकरणों से किया गया है। उन्होंने कहा, यह ईश्वर की कृपा, समुदाय के पूर्ण समर्थन और यहां मौजूद हर व्यक्ति के प्रेम के बिना संभव नहीं था।

● नींव भरने का काम प्रारंभ

राजदूत कपूर ने कहा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे इसका श्रेय मेरे पूर्ववर्ती को देना होगा जिन्होंने इस पहल का समर्थन किया और यूएई की सरकार को इस बड़े और उदार फैसले को लेने के लिए मनाया जिसने न सिर्फ भूमि दान की बल्कि मंदिर के लिए पहला लाइसेंस भी दिया। अल मुथन्ना ने कहा कि व्यक्ति चाहे किसी भी धर्म को मानता हो, अगर वह अच्छासकारात्मक है तो वह समुदाय के लिए धरोहर के समान है।

उन्होंने कहा, हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमने सही साझेदार चुना, आज का दिन इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि हमने सही साझेदार बीएपीएस को चुना। निर्माण स्थल पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे जहां समारोह की शुरुआत प्रार्थनाओं के साथ हुई और इसके बाद मंदिर की नींव में फ्लाई ऐश कंकरीट भरने का काम पूरा हुआ।

मंदिर की नींव में एक ही बार में 3,000 घन मीटर कंकरीट का मिश्रण भरा गया जो 55 प्रतिशत फ्लाई ऐश से बना हुआ था। इससे मंदिर की नींव को दुनिया भर में प्रयोग होने वाले कंकरीट मिश्रणों की तुलना में अधिक पार्यावरण हितैषी तरीके से भरा गया।

यदि यूरोप अर्थपूर्ण आर्थिक लाभ देता है, तो परमाणु समझौते की ओर लौट सकते हैं: ईरान

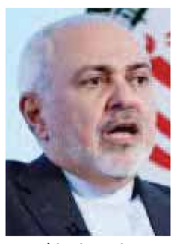

म्युनिख (एएफपी)। ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कहा है कि यदि यूरोप अर्थपूर्ण आर्थिक लाभ मुहैया कराता है तो ईरान फिर से 2015 परमाणु समझौते की ओर वापस जा सकता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के साथ हुए परमाणु समझौते से पीछे हट गए थे और उन्होंने उस पर फिर से कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे जिसके बाद से समझौते का यूरोपीय पक्ष-ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी इसे बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अमेरिका के समझौते से पीछे हटने के बाद ईरान ने भी अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हटते हुए कई कदम उठाए हैं जिनमें यूरेनियम संवर्धन बढ़ाना शामिल है। जरीफ ने म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, हमने कहा है कि वह यूरोप के कदमों के अनुरूप इन कदमों को वापस लेने या धीमा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, हम फैसला करेंगे कि क्या यूरोप द्वारा उठाए कदम इस काबिल हैं कि हम अपने कदम पीछे खींचें या उनकी गति धीमी करें। यूरोप ने अमेरिकी प्रतिबंधों का असर कम करने के लिए ईरान के साथ वैध मानवीय कारोबार को संभव बनाने के लिए इन्स्टेक्स नाम से एक विशेष व्यापार तंत्र बनाया है, लेकिन ईरानी पक्ष को नहीं लगता कि यह पर्याप्त है। जरीफ ने कहा, हम चैरिटी की बात नहीं कर रहे हैं। हम ईरान के और ईरानी लोगों के आर्थिक लाभ लेने के अधिकार की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण बड़ा नुकसान एवं अपूरणीय क्षति हुई है लेकिन यदि यूरोप अर्थपूर्ण कदम उठाता है तो हम अपने बढ़े हुए कदम पीछे ले सकते हैं।

चीन में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,523 हुई

बीजिंग (भाषा)। घातक कोरोना वायरस संक्रमण के कारण चीन में 143 और लोगों की मौत होने के साथ ही इससे मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1,523 हो गई है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि देश में शुक्रवार को इस विषाणु के संक्रमण के कारण 143 लोगों की मौत हुई और 2,641 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। चीन में इस संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 66,492 हो गई है।आयोग ने बताया कि इस संक्रमण से सर्वाधिक प्रभावित हुबेई प्रांत में शुक्रवार को 139 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा हेनान में दो और बीजिंग एवं चोंगक्किंग में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। चीन सरकार ने हुबेई प्रांत को छोड़कर देश के अन्य हिस्सों में कोरोना वायरस संक्रमण के लगातार कम होने की बात शुक्रवार को रेखांकित की थी।

इस बीच, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस बीमारी के उपचार एवं रोकथाम के लिए कृत्रिम मेधा और क्लाउड कम्प्युटिंग जैसी डिजिटल तकनीकों की मदद लिए जाने की अपील की।

क्रूज पर सवार तीन संक्रमित भारतीयों की हालत में सुधार

भाषा। तोक्यो

जापान में भारतीय दूतावास ने शनिवार को कहा कि जापानी तट के पास एक क्रूज जहाज पर सवार एवं कोरोना वायरस से संक्रमित तीन भारतीयों की हालत में सुधार हुआ है और पृथक रखे गए इस जहाज पर भारतीयों में संक्रमण का कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया है।

जापान के तट पर इस महीने की शुरुआत में पहुंचे इस क्रूज जहाज पर सवार 3,711 लोगों में कुल 138 भारतीय हैं। इनमें चालक दल के 132 सदस्य और छह यात्री शामिल हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जहाज पर मौजूद तीन भारतीयों समेत 218 लोग घातक कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में हैं।

जापान स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को कहा कि वह जापान के तट पर खड़े इस क्रूज जहाज को पृथक रखे जाने की अवधि खत्म होने पर उसमें सवार सभी भारतीयों को उतारने के प्रयास कर रही है। दूतावास ने ट्वीट किया, यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि कोविड-19 (कोरोना वायरस) से संक्रमित तीन भारतीयों की हालत में सुधार हुआ है और जहाज पर भारतीयों में संक्रमण का कोई नया मामला नहीं है।

भारतीय दूतावास जापानी अधिकारियों, जहाज प्रबंधन कंपनी और जहाज में सवार भारतीय नागरिकों के साथ संपर्क में है। पिछले महीने हांगकांग में एक यात्री को उतारे जाने के बाद उसमें कोरोना वायरस की पुष्टि होने के बाद से जहाज को पृथक रखा गया है। दूतावास ने जहाज पर मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को ई-मेल भेजकर सभी तरह की मदद देने का आश्वासन दिया है।

दूतावास ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि उन सभी से जापान सरकार के स्वास्थ्य और अलग रखे जाने के प्रोटोकॉल का पालन करने का भी आग्रह किया गया है। जापान सरकार ने बृहस्पतिवार को घोषणा की थी कि 80 या उससे अधिक उम्र के यात्रियों में कोविड-19 की जांच निगेटिव आने पर उन्हें जहाज से उतरने का विकल्प दिया जाएगा। शुक्रवार को बयान में कहा गया कि कोई भारतीय इस श्रेणी में नहीं है।

मेक्सिको सिटी में लिंग हिंसा के खिलाफ एक प्रदर्शन के दौरान, महिलाओं ने एक संदेश लिखे पोस्टर को दिखाते हुए। जिसमें स्पैनिश भाषा में लिखा 'डरो मत। मैं न तो बलात्कार करता हूं और न ही मारता हूं'।

शरीफ को धन शोधन मामले में व्यक्तिगत पेशी से मिली छूट

लाहौर (भाषा)। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को धन शोधन के एक मामले में यहां की एक अदालत ने मेडिकल आधार पर व्यक्तिगत पेशी से छूट दे दी है। साथ ही, अदालत ने इस मामले की सुनवाई 28 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख एवं 69 वर्षीय शरीफ का लंदन के एक अस्पताल में कोरोनरी आर्टरीज से संबंधित रोग (धमनियों में रूकावट के चलते होने वाली हृदय संबंधी बीमारी) का इलाज चल रहा है। शरीफ ने अदालत से चौधरी चीनी मिल मामले में अपने खिलाफ कार्यवाही में व्यक्तिगत पेशी से छूट मांगी थी। खबर के मुताबिक अदालत ने शरीफ की अर्जी स्वीकार कर ली और मामले की सुनवाई 28 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी।

माली में हमले में नौ सैनिकों समेत 40 लोगों की मौत

एएफपी। बमाको

मध्य माली में एक के बाद एक हुए हमलों में नौ सैनिकों समेत 40 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ज्यादातर मौतें बेहद अशांत क्षेत्र में अंतर्नस्ली हिंसा के कारण हुई हैं। सरकार ने बताया कि 31 लोगों की मौत ओगोसागो गांव में रात में हुए हमले में हुई। इस गांव में फुलानी लोगों का बाहुल्य है जहां पिछले साल मार्च में 160 लोगों की मौत हुई थी। इस नरसंहार का आरोप डोगोन मिलिशिया के लोगों पर लगा था।

गांव के प्रमुख अली उस्मान बरी ने बताया कि करीब 30 बंदूकधारियों ने इस नए हमले को अंजाम दिया। उन्होंने कहा, झोपड़ियों एवं फसलों को आग लगा दी गई, मवेशियों को जला दिया गया या साथ ले जाया गया।बरी ने कहा कि सरकार अपराधियों को ढूंढ निकालेगी।

इससे पहले स्थानीय सरकार के अधिकारी ने कहा था कि 28 लोग लापता हैं। उन्होंने इस हमले के लिए डोगोन शिकारी समूह को जिम्मेदार ठहराया। इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। अधिकारी और गांव के प्रमुख बरी दोनों ने कहा कि इलाके से सैनिकों को वापस ले लेने के बाद हमलावर कई घंटे तक यहां घूमते रहे। सेना ने बताया कि बाद में शुक्रवार की रात मध्य गावो क्षेत्र में घात लगाकर किए गए हमले में माली के आठ सैनिकों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि मध्य माली के मोंडोरो में सेना के शिविर पर हुए हमले में एक अन्य सैनिक की भी मौत हो गई।

मैक्सिको के एक राज्य में राष्ट्रपति ओब्रोडोर के दौरे वाले दिन आठ शव बरामद

मैक्सिको सिटी (एपी)। मैक्सिको के दक्षिण मिचोआकान राज्य में शुक्रवार को आठ शव पाए गए। उसी दिन मैक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रे मैनुअल लोपेज ओब्रोडोर वहां अन्य राष्ट्रीय गार्ड चौकी के उद्घाटन के लिए राज्य में आए थे। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी से हुई ए मौतें दक्षिणपूर्व जिक्विलपन से 400 किलोमीटर दूर हुएतैमो में हुई, जहां राष्ट्रपति वैलेंटाइन दिवस पर गार्ड की नई चौकी के उद्घाटन के लिए आए हुए थे। एक अधिकारी ने बताया कि सभी लोगों को उच्च क्षमता वाले हथियारों से गोली मारी गई। घटनास्थल पर चोरी की एक एसयूवी भी बरामद की गई है। जांचकर्ताओं ने अन्य कोई जानकारी नहीं दी। लोपेज के एक दिसंबर 2018 को कार्यभार संभालने के बाद से मैक्सिको में हत्याओं के मामले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं।

सेना प्रमुख के यात्रा प्रतिबंध पर लंका ने सख्त आपत्ति जताई

कोलंबो (भाषा)। श्रीलंका ने अपने सेना प्रमुख की यात्रा पर प्रतिबंध लगाए जाने को लेकर अमेरिका के समक्ष सख्त आपत्ति जताई है। अमेरिका ने श्रीलंका के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल शवेंद्र सिल्वा और उनके परिवार पर यात्रा प्रतिबंध लगाया हुआ है। श्रीलंका ने कहा कि प्रतिबंध का कदम असत्यापित सूचना पर उठाया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पीयो ने कहा था कि सिल्वा के खिलाफ बड़े स्तर पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप गंभीर एवं विश्वास करने योग्य हैं। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार रात को जारी बयान में कहा, श्रीलंका सरकार ने अपने सेना प्रमुख सिल्वा और उनके परिवार के सदस्यों की यात्रा पर लगाए प्रतिबंध के खिलाफ अमेरिका के समक्ष आधिकारिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज की है। बयान में कहा गया कि श्रीलंका सरकार ने अमेरिका से निवेदन किया है कि वह अपने सूत्रों की सत्यता की जांच करें और अपने फैसले पर विचार करें। बयान में कहा गया कि श्रीलंका के राष्ट्रपति द्वारा अपने सेना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर अमेरिका की ओर से सवाल किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था।

जयशंकर ने म्युनिख में अमेरिकी विदेश मंत्री पोम्पिओ और नैंसी पेलोसी से मुलाकात की

भाषा। म्युनिख

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) के इतर अमेरिका के अपने समकक्ष माइक पोम्पिओ से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

जयशंकर ने ट्वीट किया, एमएससी 2020 में विदेश मंत्री पोम्पिओ से मिलकर खुशी हुई। हम डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा को लेकर आशान्वित हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यौते पर 24-25 फरवरी को भारत की राजकीय यात्रा करेंगे। इसी सप्ताह इसकी घोषणा की गई थी। इस यात्रा के दौरान ट्रंप नई दिल्ली के अलावा अहमदाबाद जाएंगे और वहां नवनिर्मित स्टेडियम में मोदी के साथ एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस प्रतिष्ठित सुरक्षा सम्मेलन के लिए शुक्रवार को यहां पहुंचे जयशंकर ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी से भी मुलाकात की और कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों के प्रति उनका निरंतर सहयोग उसे मजबूती प्रदान करने वाला एक बड़ा स्रोत रहा है।

जयशंकर ने शुक्रवार को सम्मेलन से इतर संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत केली नाइट क्राफ्ट से मुलाकात की थी। अपनी पहली भारत यात्रा पर आ रहे ट्रंप दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को और गहरा बनाने की कोशिश के तहत नई दिल्ली में देश के शीर्ष कारोबारियों के साथ बैठक करेंगे। जयशंकर ने विश्व के कई नेताओं से भेंट की, जो इस सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा नीति पर चर्चा के लिए विश्व का एक प्रमुख मंच है। यह सम्मेलन 14 से 16 फरवरी तक चलेगा।

दुबई में गल्फूड 2020 में इंडिया पवेलियन का उद्घाटन करेंगी हरसिमरत कौर बादल

दुबई (भाषा)। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर बादल के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल गल्फूड 2020 में शामिल होने के लिए 16 से 18 फरवरी तक दुबई आएगा, यहां बादल रविवार को इंडिया पवेलियन का उद्घाटन करेंगी।यह पवेलियन 4,500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला होगा और इसमें 300 से अधिक भारतीय कंपनियां विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित करेंगी।भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, टी बोर्ड भारत, कॉफी बोर्ड भारत, भारतीय नारियल बोर्ड और काजू निर्यात संवर्धन परिषद करेंगे।

अमेरिका के वैश्विक भूमिका छोड़ने के दावों को पोम्पिओ ने किया खारिज

म्यूनिख (एएफपी)। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने शुक्रवार को वैश्विक मंच से अमेरिका के पीछे हटने के यूरोपीय निराशावाद को खारिज करते हुए कहा कि ट्रांसअटलांटिक गठजोड़ के खत्म होने को व्यापक रूप से बढ़ाचढ़ाकर पेश किया जा रहा है। पोम्पिओ ने म्यूनिक सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में कहा, पश्चिम जीत रहा है और हम साथ में जीत रहे हैं। इस वार्षिक सम्मेलन में दुनियाभर के नेता, जनरल और कूटनीतिज्ञ सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा के लिए जुटते हैं हालांकि इस बार का सम्मेलन घटते पश्चिमी प्रभाव और चीन व रूस के बढ़ते प्रभुत्व की आशंकाओं के बीच हो रहा है। जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक वाल्टर स्टीनमीयर ने एक दिन पहले अपने संबोधन में कहा था कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विचार को ही खारिज कर दिया और अब अपने पड़ोसियों और साझेदारों की कीमत पर कार्वाई कर रहा है। मार्क ट्वेन के एक प्रसिद्ध कथन का उल्लेख करते हुए पोम्पिओ ने कहा, ए बयान वास्तविकता की परिलक्षित नहीं करते।

एलओसी के पास कथित संघर्ष विराम उल्लंघन को लेकर भारतीय राजनयिक तलब

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान ने भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ राजनयिक को शनिवार को तलब किया और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास संघर्षविराम के कथित उल्लंघन को लेकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 फरवरी को नियंत्रण रेखा के पास राखचिकरी और नेजापीर सेक्टरों में गोलीबारी की। मंत्रालय ने कहा, अंधाधुंध और उकसावे वाली गोलीबारी से फतेहपुर गांव में 13 साल की लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई।

इसने आरोप लगाया कि भारतीय बल, नियंत्रण रेखा और कामकाजी सीमा के पास तोपों, मोर्टार के गोलों और स्वचालित हथियारों से असैन्य इलाकों को लगातार निशाना बना रहे हैं जो अब भी जारी है। मंत्रालय ने आरोप लगाया, भारत की तरफ से संघर्षविराम उल्लंघनों में असाधारण बढ़ोतरी 2017 से जारी है जब भारतीय बलों ने 1970 बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया था। इस साल अब तक भारत ने 287 बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया है। मंत्रालय ने साथ ही कहा कि ए क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा है और यह सामरिक भूल साबित हो सकती है। पाकिस्तान ने भारत से अपने बलों को संघर्षविराम का अक्षरश: पालन करने तथा एलओसी और कामकाजी सीमा पर शांति बरकरार रखने का निर्देश देने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) प्रस्तावों के तहत भारत और पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह (यूएनएमओजीआईपी) को उसकी अनिवार्य भूमिका का निर्वाह करने की अनुमति देनी चाहिए।

पायनियर
रविवार, 16 फरवरी, 2020

एजेण्डा

अपने साथ रहकर खुश हों। अपनी कमजोरियों से प्यार करें। अपनी चालाकियां स्वीकारें और जानें कि आप भी उतने ही उत्तम हैं जितने कि दूसरे, बिलकुल आपकी तरह
-अरियाना ग्रांडे

कानून को अधिक असरदार बनाने की जरूरत

2013 में, एक पांच साल की लड़की का अपहरण किया गया, आरोपियों ने उसके साथ गैंगरेप किया और मृत मानकर फेंक दिया। छह साल बाद, 18 जनवरी को, बलात्कारियों को बीस साल की सजा सुनाई गयी। किन कारणों से न्यायपालिका को न्याय देने में इतना लंबा समय लग गया। इसकी पड़ताल करती मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट

रौंगटे खड़े कर देने वाले निर्भया कांड, जिसने देश को हिला कर रख दिया था, के बाद दिल्ली ने एक और निर्भया को देखा, जोकि उम्र में बहुत छोटी है। वह भी उतनी ही बहादुर है जितना कि कोई हो सकता है और वह तब तक लड़ती रही जब तक कि जीत नहीं गयी। गुड़िया (नाम परिवर्तित) सिर्फ पांच साल की थी जब उसे 15 अप्रैल, 2013 को गांधी नगर, पूर्वी दिल्ली में उसके घर से उठा लिया गया, उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और मरने के लिए फेंक दिया गया। न्याय की तलाश में उतना ही समय लगा जितना कि निर्भया कांड में और नन्हीं बहादुर जान को आखिर छह सालों के बाद न्याय मिल गया।

गुड़िया के लिए 15 अप्रैल महज एक सामान्य दिन था जब वह अपने अपार्टमेंट से कालोनी के लॉन में खेलने गयी थी। उसी समय मनोज शाह और प्रदीप कुमार, जो उसी बिल्डिंग के भूतल में रहा करते थे, उसे फुसलाकर मनोज के किराए के कमरे ले गए जहां दोनों ने उसका गैंगरेप किया, बर्बरता की और मृत मानकर छोड़ गए।

गुड़िया के पिता राजेश (नाम परिवर्तित) बोझिल स्वर में बताते हैं ''जब वह कई घंटों तक वापस लौट कर नहीं आई तो हम उससे ढूंढ़ने गए लेकिन वो नहीं मिली। उसकी मां ने पुलिस को सूचना दी और एफआईआर दर्ज कराई गयी। दो दिन की खोजबीन के बाद, वह हमारी बिल्डिंग के भूतल में रौंगटे खड़े कर देने वाली हालत में मिली- बेहोश, बंधी हुई व खून से लथपथ। उसकी गर्दन पर घाव था और उसके गुप्तांगों में बोतलें व मोमबत्तियां डाली गयी थीं।''

राकेश न्याय पाने के लिए मदद मांगने बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के पास गए। बीबीए टीम ने मामले को हाथ में लिया और उन्हें कानूनी, वित्तीय व चिकित्सा सहायता देने का भरोसा दिलाया।

पकड़े जाने के भय के कारण, दोनों ने लड़की की हत्या करने की कोशिश की थी और मान लिया था कि वह मर चुकी है, उन्होंने उसे वहीं छोड़ दिया। गुड़िया को एम्स ले जाया गया जहां उसके छह आपरेशन किए गए। आईसीयू में लंबे समय रहने के बाद, उसे अंततः अतिरिक्त देखभाल व सुरक्षा के लिए यंग वुमेंस क्रिश्चियन ऐसोसिएशन के पास भेज दिया गया।

एक सप्ताह बाद दोषियों को बिहार से गिरफ्तार किया गया और 24 मई को चार्जशीट दाखिल की गयी। उसके बाद जुलाई में, दिल्ली अदालत ने उनके खिलाफ नाबालिग के साथ बलात्कार करने, अप्राकृतिक हमला, अपहरण, हत्या का प्रयास, सुबूतों को बिगाड़ने, जबरन कैद करने व पोक्सो अधिनियम के तहत यौन हमला करने के आरोप दर्ज किए गए।

स्थितियों ने तब यूटर्न लिया जब प्रदीप घटना के समय नाबालिग होने का दावा लेकर अदालत गया। 2017 में, उसे नाबालिग घोषित किया गया और मामला किशोर न्याय प्राधिकरण के पास भेज दिया गया। हालांकि, 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट ने बीबीए के हस्तक्षेप के बाद, प्रदीप को बालिग घोषित कर दिया और नाबालिग के आधार पर दिया गया उसकी जमानत का आदेश का रद्द कर दिया। इस साल 18 जनवरी को, अदालत ने दोनों को दोषी करार दिया और उन्हें 20 साल कारावास की सजा सुनाई।

बीबीए की डायरेक्टर, संपूरन बेहुरा बताती हैं, ''प्रदीप ने अदालत में नाबालिग होने के झूठे प्रमाणपत्र पेश किए। मामले को हमारे द्वारा हाई कोर्ट ले जाया गया। हमने आदेश को चुनौती दी और उसका बोन टेस्ट कराने के लिए हस्तक्षेप किया। साथ ही जब हमने उसके द्वारा पेश किया गया प्रमाणपत्र पढ़ा तो यह स्कूल के प्रिंसिपल की ओर से था और जो उस रजिस्टर की प्रतिलिपि नहीं था जिसे छात्र प्रवेश के समय भरते हैं। कानून के मुताबिक, व्यक्ति को छात्र को स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र या रजिस्टर की प्रतिलिपि को जमा करना पड़ता है जहां आपने प्रवेश के समय अपनी जन्मतिथि दर्ज कराई होती है। इसीलिए, हाईकोर्ट द्वारा प्रमाणपत्र को खारिज कर दिया गया। बाद में, बाद में बोन टेस्ट ने बता दिया कि वह अपराध करते समय लगभग 22 साल का था।''

ऐसा लगता है कि दोषी अब झूठी नाबालिगता के जरिए वैकल्पिक रास्ता अपना रहे हैं और दया याचना कर रहे हैं। क्या इसे रोकने का कोई उपाय है? बेहुरा कहती हैं, ''पोस्को एक्ट की एक धारा कहती है कि जब एक आरोपी को गिरफ्तार होता है और वह नाबालिग होने का दावा करता है तो बोन टेस्ट कराना अनिवार्य है। पुलिस को स्कूली प्रमाणपत्र या दोषी के दावों की वैधता के लिए जन्म प्रमाणपत्र निकलवाने पड़ते हैं। यदि इस नियम का पालन होता है, तो दोषी कोई झूठे दावे नहीं कर सकता। गुड़िया के मामले में, पुलिस जांच नहीं करा सकती थी। यह कम सजा की अपील करने के लिए दोषी द्वारा इस्तेमाल किया गया सिर्फ एक उपकरण है। आरोपी झूठी जानकारी प्रदान नहीं कर सकता और यदि वे ऐसा करते हैं तो अदालत उन्हें इसका जिम्मेदार ठहरा सकती है। गुड़िया के मामले में भी ऐसा ही हुआ। ऐसे मामलों में, जज की मानसिकता को आरोपी के बजाय पीड़ित केन्द्रित होकर बदलना पड़ेगा तथा पोक्सो अपने आपमें पीड़ित केन्द्रित कानून है जहां सुबूत देने की जिम्मेदारी आरोपी पर आती है।''

पोस्को एक्ट की एक धारा कहती है कि जब एक आरोपी को गिरफ्तार होता है और वह नाबालिग होने का दावा करता है तो बोन टेस्ट कराना अनिवार्य है। पुलिस को स्कूली प्रमाणपत्र या दोषी के दावों की वैधता के लिए जन्म प्रमाणपत्र निकलवाने पड़ते हैं। यदि इस नियम का पालन होता है, तो दोषी कोई झूठे दावे नहीं कर सकता। गुड़िया के मामले में, पुलिस जांच नहीं करा सकती थी। यह कम सजा की अपील करने के लिए दोषी द्वारा इस्तेमाल किया गया सिर्फ एक उपकरण है।

संपूरन बेहुरा
निर्देशक
बचपन बचाओ आंदोलन

चूंकि फैसले को आने में सात साल लगे, तो बेहूरा के पास इस संदर्भ में कहने को काफी कुछ है। वह कहती हैं, '' अगर बाल उत्पीड़न की बात करें तो भारत के पास दुनिया का सबसे मजबूत कानून है। हमारे पास सजा व पीड़ित पुनर्वास योजनाएं हैं। गुड़िया का मामला ऐतिहासिक है क्योंकि इसने कानून में बदलाव लाए हैं। उदाहरण के लिए, गुमशुदा बच्चे के सभी मामलों में प्रकल्पना का सिद्धांत लागू होगा। पुलिस को अब चौबीस घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज करनी पड़ती है। यदि पुलिस ऐसा अनेक मामलों में करेगी तो इन्हें रोका जा सकता है। साथ ही, गुमशुदा बच्चों का पोर्टल बन गया है। सभी जिलों में स्पेशल जुविनाइल पुलिस इकाइयां गठित की गयी हैं। प्रत्येक पुलिस स्टेशन के पास एक प्रशिक्षित जुवेनाइल वेलफेयर आफिसर होना चाहिए। यह सबकुछ गुड़िया केस के कारण संभव हुआ। लेकिन हां, न्याय में विलंब हुआ है। छह साल में फैसला देना जहां पीड़िता को बार बार अदालत में आना पड़ता है, यह उसे पुनः पीड़ित करने जैसा है। एक साल में सभी पोक्सो मुकदमों में न्याय देने का आदेश है। लेकिन समस्या यह है कि आरोप पत्र समय पर दाखिल नहीं किया जाता है, नियमित सुनवाई नहीं होती है, जज छुट्टी पर चले जाते हैं, पीड़ित सुरक्षा की कमी है और चूंकि सुरक्षा तंत्र मौजूद नहीं है ऐसे में दोषी पीड़ित के खिलाफ धमकी वाला वातावरण निर्मित करने में सक्षम होते हैं। इन सबसे मुकदमों में विलंब होता है। गुड़िया मामले में, दोषी नाबालिग है या नहीं, इसका फैसला करने में चार साल बीत गए। यह आवश्यक है कि न्यायपालिका को अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करना चाहिए और समय पर न्याय प्रदान करना चाहिए।''

गुड़िया मामले में देरी क्यों हुई, इसका एक और कारण यह है कि दिल्ली में ऐसे बहुत से मुकदमे हैं और इनकी सुनवाई करने के लिए पोक्सो अदालतें पर्याप्त संख्या में नहीं हैं। बीबीए की प्रस्तावना के बाद, दिल्ली में पोक्सो मामलों की सुनवाई करने के लिए 11 विशेष अदालतें दिल्ली में गठित की गयीं।

गुड़िया का परिवार और बीबीए टीम अब फैसले को चुनौती दे रहे हैं और वे दोषियों को आजीविन कारावास देने की मांग के साथ मामले को उच्च न्यायालय में ले जाएंगे।

हालांकि गुड़िया व उसके परिवार के लिए स्थितियां बहुत अच्छी नहीं गुजरी हैं। ये सात सालों में समाज को अहसास कराने के लिए निरंतर जूझना पड़ा है, जो मानता है कि इसमें पीड़ित की कभी कोई गलती नहीं है। राजेश कहते हैं, ''यह एक कठिन समय था। हमें अनेक ठिकाने बदलने पड़े क्योंकि हमें कहीं भी घर नहीं मिल रहा था। जिसे भी मुकदमें के बारे में पता चलता वो नहीं चाहता कि हम उनके क्षेत्र में रहें। अब मैं दिल्ली से बाहर रहता हूं और मेरी बेटी वहां स्कूल जाती है। हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और परिवार व मित्रों से भेदभाव का शिकार होना पड़ा। लड़ाई और भी कठिन हो जाती है क्योंकि समाज पीड़ित का साथ नहीं देता है। इसके अलावा, चूंकि लोग अभी भी अपने में सिमटे रहते हैं। दोषी को दोष न देने की यह मानसिकता गलत है और इस बीमार सोच का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ''

अनेक साल बीतने के बाद भी, गुड़िया अभी भी मनोवैज्ञानिक उपचार के अधीन है। बेहुरा कहती हैं, ''उस समय, वह यह समझने के लिए बहुत छोटी थी कि उसके साथ क्या हुआ था। लेकिन अब चूंकि वह सयानी हो रही है, हम उसे उपचार व देखभाल प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है। वह अब अच्छा कर रही है लेकिन जहां तक उपचार की बात है, उसे अभी भी ज्यादा समय की आवश्यकता होगी।''

>> पेज 3

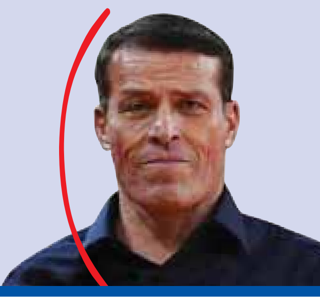

यह आपके निर्णयकारी
क्षणों में होता है कि
आपका भाग्य
आकार लेता है
- टोनी राबिन्स

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

यदि हम दृढ़ हैं तो हम बदल सकते हैं

मेरे सचिव ने शुद्ध गेंगेस्टर के अंदाज में मेरे चैंबर में आ करके मुझे चकित कर दिया था कि वह किस कार्य से आया था। मैंने पूछा, कि मैं किस प्रकार सहायता कर सकता हूं? तो उसने उत्तर दिया, ''महोदय, मैं ज्योतिष सलाह के लिए आया हूं। मुझे अपने जन्म का सटीक समय नहीं मालूम है। यह दोपहर डेढ़ बजे से दो बीच के बीच का कोई समय है। आपकी सेक्रेटरी मुझे कहती है कि मेरी कुंडली बनाने से पहले आपको जन्म का सटीक समय जानना जरूरी है।''

उसकी जानकारियों से सुनिश्चित होने के बाद, मैंने एक उस विशेष घड़ी पर एक गृहीय तालिका बनाई। उसके आधार पर, मैंने उसके जन्म का समय अपरान्ह 1.29 मिनट सुनिश्चित किया।

उस नौजवान ने पूछा, '' आप इतनी जल्दी मेरे जन्म का सटीक समय कैसे बता पाए? और वह कितना प्रामाणिक है? '' मैंने उत्तर दिया, ''मित्रवर, समय में निरंतरता रहती है। याद रखें, इस घड़ी आप जो देख रहे हैं, वो अतीत में किए गए कर्मों पर प्रतिफल है। और यह पल उन बीज कारकों को लेकर चलता है कि चीजें किस प्रकार भविष्य में उभरने वाली हैं। इस समझ के आधारपर, परामर्श के समय उपस्थित गृहों को आपके जन्म के समय एक के साथ मिलना चाहिए। यह वो आधार है जिस पर ज्योतिष की कृष्णमूर्ति प्रणाली व्यक्ति के जन्म का पता लगाती है। फिर हमने जांचने की कोशिश की कि बनाई गयी कुंडली अतीत में हुई प्रमुख घटनाओं के बारे में बताती है कि नहीं। यह एक प्रमाणित पद्धति है। उसके जन्म के सटीक समय पर आधारित कुंडली के आंकलनों के आधार पर , फिर मैंने उनसे कुछ प्रश्न किए: क्या आप स्वभाव से जिद्दी हैं? क्या आप एकतरफा सोचने वाले व्यक्ति रहे हैं, जो अक्सर अपनी खुद की अवधारणाओं में उलझा रहता है, चाहे वो अवधारणाएं कितनी भी काल्पनिक या वास्तविक हों? मामूली उकसावे पर आप लड़ने के मूड में आ जाते हैं? क्या आपने अपनी पढ़ाई को अधूरा छोड़ दिया है? क्या आप कभी किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़े रहे हैं? आप भयंकर अहंकारी स्वभाव के हैं, जो अपनी खुद की सोच से परे देखने के लिए तैयार नहीं रहता है? क्या आप कभी जेल गए हैं? '' उसने उत्तर दिया, ''हां, ये सारी बातें सच हैं। लेकिन मैंने उसके बाद खुद को बदला है, और अब मैं सिर्फ अपने व्यापार की ओर ध्यान देता हूं।'' फिर मैंने उससे समय आधारित प्रश्न पूछे? आपका बाइसवां साल कितने अच्छा या बुरा बीता था। 26-27 साल की उम्र में आपने कितने अच्छे प्रयास किए थे? उस व्यक्ति ने जवाब दिया, '' महोदय, 21वां और 22वां साल मेरे लिए भयावह थे। 26वें वर्ष के दौरान, मैंने एक अखिल भारतीय संगठन बनाया और एक साल बाद मैंने व्यापारिक पहल की।''

इसलिए, उसकी कुंडली ने न केवल उसकी

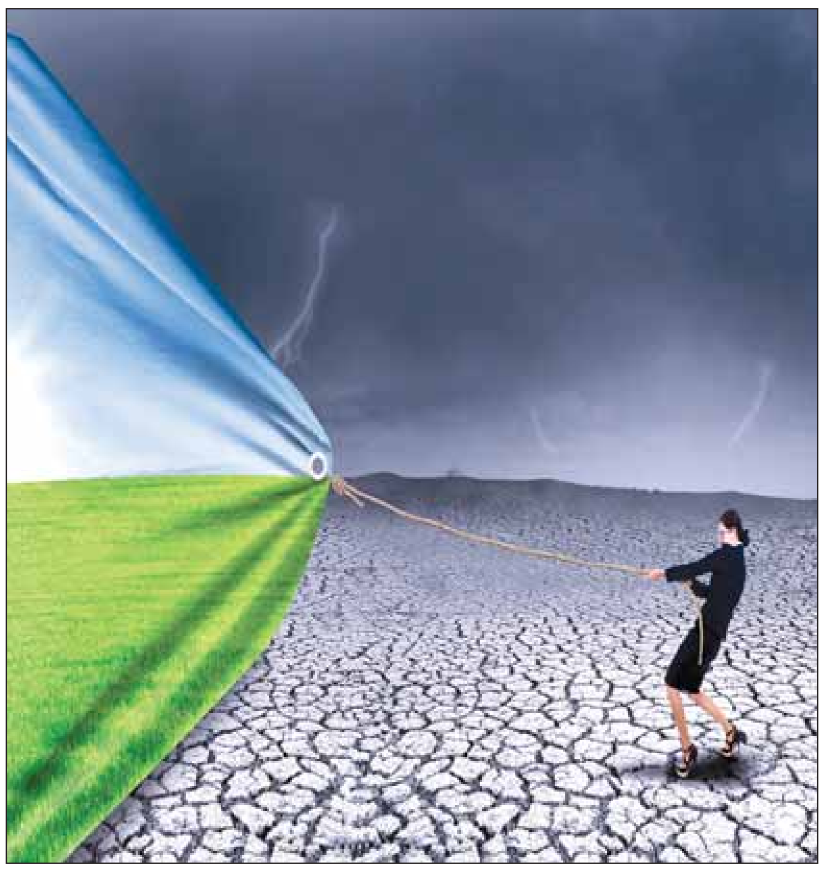

अनुवांशिक व्यक्तित्व संबंधी लक्षणों की भविष्यवाणी की बल्कि अतीत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में भी बताया जो कुंडली से निकली समयावधि की आवश्यकताओं के प्रति सच साबित हुई। आइए अब उपरोक्त ज्योतिष संकेतकों पर नजर डालते हैं। सूर्य की यूरेनस के विपरीत मुद्रा में होना उसके अड़ियल स्वभाव का संकेत करता है, वरुण उसे अपनी खयाली अवधारणाओं में कैद करता है, और बृहस्पति उसके भयंकर अहंकार की कहानी कहता है।

लग्न स्वामी और मन संकेतक चन्द्रमा हालांकि दुर्बल अवस्था में हैं लेकिन वे सूर्य के नक्षत्र में काबिज हैं जो परवर्ती लक्षणों का संकेतक है। बुद्ध का शनि के विपरीत अवस्था में होना एकांगी सोच रखने के लिए जिम्मेदार है। शनि और मंगल एक साथ है, मंगल का अड़ियल राहु के साथ समन्वय है। मंगल और राहु दोनों लग्नस्वामी,चन्द्रमा के नक्षत्र में हैं। जो उसे गुस्सैल, चिड़चिड़ा, गर्ममिजाज, असहिष्णु व अधीर बनाता है। साथ ही, यह उसे आपराधिक संगठन का संदिग्ध बनाता है। 12वां उपस्वामी वीनस मंगल के नक्षत्र में उपस्थित है जो राहु के साथ है। जो उसे कारावास का शिकार बनाता है। औपचारिक शिक्षा का परिचायक चौथा गृह संशयग्रस्त नजर आता है, जो उसकी अधूरी शिक्षा का कारण बनता है। क्योंकि सबसे पहले, चौथा स्वामी वीनस सूर्य के प्रति पतनशील मुद्रा में है। दूसरा, चौथा उपस्वामी बुध अपने नक्षत्र में काबिज है, जो कि तीसरा स्वामी माना जाता है, जिसका चौथे घर से 12वें घर में होना शिक्षा संभावनाओं के लिए विपरीत संकेतक का काम करता है।

अब आते हैं घटनाओं के बारे में, 21-22 साले के दौरान, दसवीं संक्रांति ने चन्द्रमा के करीब बढ़ी होगी, जिसके नटखट वरुण के प्रति पतनशील मुद्रा में होने ने उसे जबरदस्त तनाव में डाल दिया था। सूर्य दसवीं संक्रांति से दस डिग्री पर होने के कारण, वरुण की धुरी पर उस उम्र में पहुंचा होगा, कि वह अखिल भारतीय संगठन स्थापित कर पाया और उसने बिजनेस पहल की। ये सब कारक व्यक्ति के गुण को प्रभावित करते हैं।

अब सवाल है कि सभी नकारात्मक लक्षणों के बावजूद, किस चीज ने उसमें सकारात्मक बदलाव लाया। ज्ञान केन्द्रित बृहस्पति के बुद्धि परिचायक बुध की राशि में होने ने, उसे आत्ममंथन और सुधारात्मक प्रयासों के लिए प्रेरित किया। याद रखें, अहंकार, जो यूं तो बाध्यकारी होता है, लेकिन यदि इसे सकारात्मक मोड़ दे दिया जाए तो यह समान रूप से पुरस्कारी भी साबित हो सकता है। साथ ही, गौरतलब, इंसान के पास अपनी पसंद और विशिष्टता अनुसार अपने कार्यों को निर्देशित करने की विशिष्ट योग्यता होती है। इसलिए, जैसे ही कोई खुद को सुधारने का सजग प्रयास करता है, तो सभी कठिनाइयों के पार जा सकता है।

दादी का कहना

ह्यअधिकांश लोग आपको बताएंगे कि सर्दी का कोई उपचार नहीं है लेकिन रोशनी देवी का कहना है कि कुछ ऐसी चीजें हैं जिनके इस्तेमाल से व्यक्ति खुद को बेहतर महसूस कर सकता है और गले को शुष्क होने से बचा सकता है। हममें से अधिकांश लोग साधारण सर्दी का इलाज करने के लिए घरेलू उपचारों पर भरोसा करते हैं। इसके इलाज के सबसे सरल तरीकों में से एक है अदरक की चाय पीना। चाय बहती नाक के सूखने में सहायता करेगी और श्वांसकारी मार्ग से बलगम हटाती है। अदरक को सर्दी से आराम दिलाने वाला माना जाता है जो व्यक्ति को तेजी से ठीक होने में सहायता करता है। मानें या न मानें, गुनगुना गर्म पानी पीना भी आरामदायक है। बचपन में मेरी मां हमें इसे पीने को देती थीं इससे गले की सूजन घटती है और तरल पदार्थ की कमी पूरी होती है। हल्दी और दूध हमारे समय का एक और प्रिय उपचार है। गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पीने से सर्दी और कफ से आराम मिलता है। सोने से पहले एक गिलास दूध पीना त्वरित उपचार में सहायता करता है। चाय में नींबू के साथ शहद मिलाकर पीना भी गले के दर्द में आराम दे सकता है। बच्चों को सोते समय दस ग्राम शहद देने कफ के लक्षणों में कमी आती है। नमक के पानी से गरारे करना भी मददगार होता है। इससे सर्दी के लक्षणों का प्रभाव घटता है। अच्छा बेकिंग सोडा भी कारगर होता है। आधा चम्मच लें और उसे ठंडे पानी के गिलास में मिला लें और पी लें- पहले दिन, प्रत्येक दो घंटे के अंतराल पर छह बार और दूसरे दिन समान अंतरालों पर चार बार। तथा तीसरे दिन दिन में दो बार। चौथे दिन एक बार पीएं, रोज सुबह जब तक कि सर्दी चली नहीं जाती।

कोरोना वायरस के कारण डब्लू एचओ की विश्व स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सूचना जारी की है और लोगों को चीन में फैले कोरोना वायरस से संबंधित सलाह दी है, जिसमें इस विश्व संस्था ने वायरस को वैश्विक स्वास्थ्य इमरजेंसी के रूप में घोषित किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी अधिकृत वेबसाइट पर कहा है कि ''वायरसों के खिलाफ एंटीबायटिक्स असर नहीं करती है, यह केवल बेक्टीरिया पर असर करती हैं। '' झिंगुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट पर ध्यान दें कि यह वायरस था, एंटीबायटिक दवाइयां इसकी रोकथाम करने या इसका उपचार करने में असरकारी नहीं रहीं। हालांकि, यदि मरीज को वायरस के लिए अस्पताल में भर्ती किया जाता है तो व्यक्ति को एंटीबायटिक दवाइयां दी जा सकती है चूंकि बैक्टीरियल संक्रमण संभव है। डब्लू एच ओ के मुताबिक, फिलहाल, अभी वायरस का उपचार करने या उसकी रोकथाम के लिए कोई विशेष दवा नहीं है, लेकिन कुछ विशेष उपचारों का अध्ययन किया जा रहा है और उनके चिकित्सीय उपयोगों की जांच की जाएगी। संस्था के मुताबिक, वह संबंधित शोध व विकास कार्य में सहायता के लिए साझीदारों के साथ काम कर रही है।

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि आधुनिक समाज ने शायद अनेक चौराहों को पार किया है लेकिन वास्तविक प्रगति तभी हासिल की जा सकती है जब विज्ञान और आध्यात्मिकता साथ साथ चलते हैं

भरनी होगी खाई

अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि धर्म के बिना, विज्ञान अधूरा है और विज्ञान के बिना, धर्म अंधा। जो उसने कहा था उससे हममें से अधिकांश लोग सहमत होंगे। इसमें संदेह नहीं कि आधुनिक समाज ने शायद अनेक चौराहों को पार किया है लेकिन वास्तविक प्रगति तभी हासिल की जा सकती है जब विज्ञान और आध्यात्मिकता साथ साथ चलते हैं।

हालांकि विज्ञान ने व्यापक प्रगति की है लेकिन यह क्यों का उत्तर नहीं दे पाती है, बजाय इसके यह जोड़ व घटावों के आधार पर कैसे का उत्तर देता है। ये सभी गणितीय व्याख्याओं की जड़ निर्मित करते हैं। उदाहरण के लिए, न्यूटन का सेब नीचे क्यों आया और वह ऊपर क्यों नहीं गया? विज्ञान ने उत्तर दिया कि धरती के गुरुत्वाकर्षण उसे उसके केन्द्र की ओर खींचा था। इसने गिरने के तरीके की व्याख्या की, इसीलिए इसने कैसे का उत्तर दिया, लेकिन क्यों का नहीं। इसी प्रकार, अगर एक वस्तु को दूसरी वस्तु द्वारा धकेला जाता है, यह आगे बढ़ती है और विज्ञान इस परिघटना की व्याख्या इस तरह करता है: बाह्य शक्ति का उपयोग वस्तु की गतिशीलता का कारण बनता है। पुन: विज्ञान अलगाव की यांत्रिकी का उत्तर देता है। इसलिए, यह कैसे का उत्तर देता है, क्यों का नहीं। बल का उपयोग क्यों गतिशीलता का कारक बनता है? विज्ञान इसका उत्तर नहीं दे सकता। दो पत्थर जब परस्पर घिसे जाते है तो गर्मी पैदा होती है। लेकिन क्यों? विज्ञान कहता है कि एटम व इलेक्ट्रान की घर्षण गति गर्मी पैदा करती है। यहां भी गर्मी पैदा होने की यांत्रिकी का तर्क दिया जाता है, उसे समझाया नहीं जाता है।

अब, कुछ देर के लिए सोचें कि इस क्यों का क्या उत्तर हो सकता है? खैर, उत्तर यह है कि जो कुछ भी इस भौतिक जगत में आता है वह तयशुदा या नीयति आधारि है। इसलिए भूमिकाएं जिन्हें हम इस दुनिया में निभा रहे हैं, वे पहले से निर्धारित हैं। कोई पूछ सकता है कि इसका क्या प्रमाण है? तो

सबसे पहले, हम केवल वर्तमान में रहते हैं, भूत या भविष्य में नहीं रहते। भविष्य का पूर्वानुमान जल्द वर्तमान बन सकता है। और वर्तमान एक समयावधि के भीतर अतीत में बदलता है। भविष्य न तो भौतिक स्तर पर, न ही सूक्ष्म स्तर पर अस्तित्वमान है, सिवाय एक कल्पना के।

हम सभी ने एक सेल्यूलाइड पर फिल्मों का जादू को महसूस किया है जहां पहले से बनी अनेक तस्वीरें क्रमवार ढंग से एक प्रोजेक्टर मशीन की रोशनी हासिल करती हैं और अंततोगत्वा, एक सजीव व एनिमेटेड तस्वीरें पर्दे पर दिखाई जाती हैं। तयशुदा व पहले से तैयार अतीत अनुप्राणित होता है और एक सजीव व अस्तित्वमान वर्तमान के रूप में वापसी करता है। कोई भी चीज जिसने जन्म लिया है, उसे समाप्त होना होगा। यह साबित करता है कि विश्व नाटक तयशुदा है। यदि यह आगे की ओर भागता है और अंत के बाद नहीं रुकता है, अतीत वर्तमान के रूप में सामने आएगा।

आध्यात्मिक बोलचाल में, विश्व ड्रामा के एक पूरे चक्र को कल्प कहा जाता है जिसमें ईश्वर निर्देशक की भूमिका निभाता है और काया इस विश्व नाटक में में विभिन्न जन्म व पुनर्जन्म लेती है।

हर कोई जो कर रहा है, वो विश्व नाटक में पहले से तय है और जो तयशुदा है उसे हर एक द्वारा किया जा रहा है। निर्देशक बनकर ईश्वर प्रत्येक अभिनेता को अच्छा सोचने, अच्छा करने तथा हर संभव सर्वोत्तम ढंग से अपनी भूमिका निभाने की सलाह देता है ताकि यह जीवन के समूचे चक्र में गौरवशाली व यादगार बन जाए।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपनी शारीरिक गतिविधियों में सजग रहें। रोगी जल्द ठीक होंगे। सोच को सकारात्मक रखें, चीजें आपके लिए आसान हो जाएंगी। कार्यस्थल पर, आपका स्वभाव आपको निराशा से दूर रखने में सहायता करेगा व आप सामान्य से अधिक आशावादी होंगे। आपको अपनी स्वप्निल लक्ष्य हासिल करने का आत्म विश्वास हासिल होगा। नए अवसरों के उभरने की संभावना है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य संतोषजनक है। स्वास्थ्य समस्याओं से परेशान लोगों को मूल कारण देखना तथा उस पर प्रयास करना चाहिए। स्वास्थ्य को अनदेखा करने से भविष्य में कुछ गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। लोगों के साथ अपनी स्वास्थ्य स्थिति पर विचार करें, आपको हल मिल सकता है। आपके करियर में बहुत सकारात्मक नयी शुरुआत है। जिनका हाल तक समय बुरा गुजरा है, जान लें कि चीजें बहुत जल्द सुधर जाएंगी।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** मंगलवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

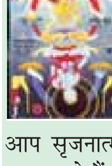

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा दिखता है। बेहतर है कि अहंकार, टकराव से बचें और सुरक्षित जगह पर जाएं जहां आप सृजनात्मक व आध्यात्मक पक्ष विकसित कर सकते हैं। आप स्मार्ट व काम पर आशावादी होंगे ताा अपने सभी अधूरे कार्य पूरे करने में सक्षम होंगे। कुछ दिलचस्प अवसर मिलने के आसार हैं। घरेलू मोर्चे पर किसी समाचार की प्रतीक्षा आपको परेशान करेगी। संबंधों के मामले में सबकुछ अच्छा है।

शुभ अंक: 28 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शनिवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

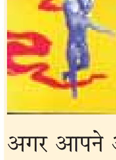

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा। अपने दैनिक व्यायाम व योग दिनचर्या का पालन करने की सलाह है। अगर आपने अब तक नहीं किया है तो शुरुआत करें। आप प्रबल उद्देश्य भावना से किसी चीज में आगे बढ़ने की भावना से संचालित होंगे। साहस दिखाने के बावजूद आप कुछ चुनौतियों का सामना करेंगे। करियर स्तर पर, आप कम समय में अनेक कार्य पूरे करेंगे। वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं है, अपव्यय से बचें।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** मैरून **शुभ दिन:** बुधवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

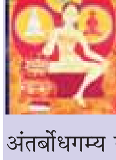

आप इस सप्ताह अच्छे स्वास्थ्य में होंगे। अपने अंतर्बोध पर भरोसा करें क्योंकि आप अपने जीवन के बहुत मनोगत व अंतर्बोधगम्य दौर में हैं। करियर मोर्चे पर, आप नए विचारों से भरे हैं। आपका मन बहुत सक्रिय व सजग रहेगा। जो आपके मन में है उसे अपने दोस्तों व सहयोगियों के साथ साझा करें। लक्ष्यों को सुस्पष्ट करें व उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्पष्ट योजनाएं व रणनीति बनाएं। इस सप्ताह प्रेम संबंध के आसार हैं।

शुभ अंक: 25 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** रविवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

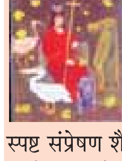

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा है। रोगियों के अपने मौजूदा रोगों से जल्द उबरने के आसार हैं। यह सप्ताह आपमें त्वरित चिंतन एवं स्पष्ट संप्रेषण शैली लेकर आता है। इसलिए विमर्श करने व सार्वजनिक भाषण का यह शुभ समय है। आप दूसरों से मान्य प्रतिक्रियाएं व सहयोग की अपेक्षा कर सकते हैं। आपके संप्रेषण की प्रकृति इसे आपके लिए स्वयं की पैरवी करने का उत्तम समय बनाती है। अकादमिक जनों के लिए परीक्षा देने का यह उत्तम समय है।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग** गुलाबी **शुभ दिन:** बुधवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

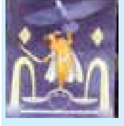

इस सप्ताह आपकी भावनात्मक क्षमता आपकी स्वास्थ्य स्थिति का फैसला करेगी। इसीलिए, यह आंकलन करना जरूरी है कि आप चीजों या व्यक्तियों को लेकर कैसा महसूस कर रहे हैं। यह जरूरी है कि आप अपनी ऊर्जा को उचित दिशा में लगाएं व आप खुद को उत्तम स्वास्थ्य में पाएंगे। अपने पेशेवर जीवन में आप अपने लक्ष्यों के प्रति अधिक स्पष्ट हैं और जानते हैं कि आपको उन्हें हासिल करने के लिए क्या करना है।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग :** सरसों **शुभ दिन:** मंगलवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

आपका स्वास्थ्य अच्छा दिखता है, लेकिन फिर भी, आपको सावधान रहना चाहिए। यदि किसी रोग से जूझ रहे हैं तो चिंता न करें चीजें काफी बेहतर हो जाएंगी। करियर मोर्चे पर, आपकी नवोन्मेषी भावना आपका दायरा व्यापक करेगी और नए लक्ष्यों तक पहुंचाएगी। आप रोमांचकारी खबर तथा वरिष्ठ अधिकारियों से प्रेरणादायी संवादों की अपेक्षा कर सकते हैं जो आपको बेहतर बिजनेस समझौतों की ओर ले जाएगा।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** सोमवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन व्यायाम करते समय सावधान रहें, चोट लगने के आसार हैं। कार्य मोर्चे पर, आप बहुत पेशेवर होंगे तथा कंपनी के नियमों का पालन करेंगे। बिजनेस प्रतिबद्धताओं के कारण यात्रा की संभावना है। इस दौरे में , आपको नए मित्र व प्रेरक बनाने के अवसर मिलेंगे। लक्ष्य के प्रति समर्पण जरूरी है, पर खुद को ज्यादा तनाव देने से आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** मंगलवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

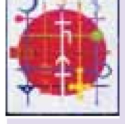

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य सर्वोत्तम रहेगा। अपनी थकाऊ दिनचर्या के बावजूद, आप आराम करने तथा मनोरंजन के लिए समय निकालेंगे। रोगों से पीड़ित लोग उपचार का अपना तरीका प्राप्त करेंगे। आपके कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाएगा और आपके करीबी आपकी कड़ी मेहनत की तारीफ करेंगे। अच्छा काम करते रहें, भाग्य आपका साथ देगा। संपत्ति सौदे हल होने की संभावनाएं हैं। अध्ययन व परीक्षाएं अच्छी होनी चाहिए।

शुभ अंक : 18 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** शनिवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

स्वास्थ्य मोर्चे पर सब अच्छा है। आप आंतरिक बाल ऊर्जा जगाने व सक्रिय होने में सक्षम होंगे। पेशेवेर मोर्चे पर भी चीजें बेहतर दिख रही हैं। भाग्य आपके साथ होगा व आप अपनी दूरगामी लक्ष्य पाने में सक्षम होंगे। आप जहां भी अपना मन लगाते हैं उसे अपने अंतिम परिणाम व उपलब्धियों तक पहुंचना चाहिए। आसपास के लोग आपसे ठोस सलाह की उम्मीद करेंगे। अपने इर्दगिर्द काफी कुछ घटित होने से आपमें स्पष्ट दृष्टि होनी आवश्यक है।

शुभ अंक: 30 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

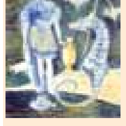

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा। अपनी प्राणायाम व योग दिनचर्या बरकरार रखें, इससे आप अपने मन को ताजा व अपनी आत्मा से जुड़े रहेंगे। बीमार लोगों को रोग को गंभीरता से लेने व उचित उपचार कराने की सलाह है। त्वरित चिंतन की आपकी योग्यता इस सप्ताह को करियर मोर्चे पर दूरगामी योजना तैयार करने का उचित समय बनाएगी। कुछ लाभकारी संपर्कों से संबंध बनने से आपको पेशेवर रूप में उभरने का मौका मिलेगा।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** गुरुवार

मेरी कामना है कि आपको अक्सर खुद को न ढालना पड़े। गुणात्मक करने का प्रयास करें और संख्या में कमी लाएं
- विविएने वेस्टवुड

सिंहराज की रक्षा

मानसून के दौरान शूटिंग से लेकर निषिद्ध क्षेत्रों में प्रवेश न करने जैसे खास नियमों व प्रावधानों का पालन करने तक के बारे में वन्यजीवन का फिल्मांकन काफी धैर्य, दृढ़ता व एकाग्रता की मांग करता है, प्रोड्यूसर व निर्देशक उपमा भटनागर से बातचीत पर आधारित आयुषी शर्मा की रिपोर्ट

क्या आप 1994 की समाचार हेडलाईन को याद कर सकते हैं जब सेरेनगेती नेशनल पार्क, तंजानिया में रह रहे तीस फीसदी शेरों की केनिन डिस्टेम्पर वायरस (सीडीवी) के कारण मौत हो गयी थी? यह वायरस, जो आम तौरपर कुत्तों से संबंधित है, किसी ने सोचा तक नहीं था कि यह बड़ी बिल्लियों के लिए पर्याप्त जानलेवा भी हो सकता था जब तक कि अभ्यारण्यों में अन्य प्रजातियों में महामारीगत इतिहास ने विपरीत परिणाम नहीं दिखाए थे। 2018 में, यह बिमारी भारत में सामने आई जिसमें गुजरात में गिर वन्य अभ्यारण्य में एशियाई शेरों की मौत हुई। यह संरक्षणवादियों के लिए गंभीर चिंता बनी। फिल्म निर्माता एवं आप्टिमम टेलीविजन की एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर, उपमा भटनागर अपने 10 एपिसोड वाली सीरीज के जरिए पाठकों का इस जानलेवा वायरस से भारत की लड़ाई को परिचित कराएंगी। द लायन किंगडम। इस महामारी ने गीर नेशनल पार्क के जंगलों में रह रहे विश्व के गिने चुने एशियाई शेरों के लुप्त होने का खतरा पैदा किया है।

लायन किंगडम एक कहानी है कि किस प्रकार गीर नेशनल पार्क के वन विभाग ने , क्षेत्र में अप्रत्याशित ढंग से मगरमच्छों की बढ़ती संख्या के साथ निपटने तथा बाढ़ व भारी बारिशों का सामना करते हुए जंगल के राजा को बचाने के लिए चौबीस घंटे मेहनत की। दर्शकों को न केवल गीर में पशु अस्पताल के कार्यों की जानकारी हासिल होगी बल्कि उन्हें मानसून के दौरान गीर के रूपांतरण के बारे में मालूम होगा क्योंकि यह नेशनल पार्क में सबसे पहली बार है बारियों के दौरान फिल्म बनाई गयी है। उममा अपनी ताजातरीन धारावाहिक की मुख्य पहलुओं पर चर्चा करती हैं।

❒ आपको किस चीज ने वन्यजीवन की दुनिया में जाने के लिए प्रेरित किया? आपने धारावाहिक की किस प्रकार परिकल्पना की?

यह न सिर्फ गीर के लिए बल्कि आजादी के बाद के भारत के समूचे संरक्षण इतिहास में सबसे गंभीर चुनौती थी। एशियाई शेरों की समूची प्रजातियों, जोकि दुनिया में अन्य कहीं मौजूद नहीं है, का अस्तित्व दांव पर लगा था। जब मैंने सुना कि वैज्ञानिक व संरक्षणवादी आशंका जाहिर कर रहे हैं कि भारतीय शेर इस संकट से पार पाने में शायद समक्ष न हो, तो मुझे सचमुच चिंता हुई। गीर मेरे लिए बहुत खास है। यहीं पर मैंने अपने पहले टीवी सीरीज, द लायन क्वींन्स आफ इंडिया को फिल्माया था। मैं यहां की धरती, यहां के लोग और यहां के अद्भुत जानवरों के साथ गहरे लगाव का सुख पाती हूं।

हमने डिस्कवरी इंडिया से बात की जिन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझा और हमें भरपूर रचनात्मक एवं व्यवसायिक सहयोग प्रदान किया। 2019 की शुरुआत में, हमने अपना शोध आरंभ किया। हम मानसून के दौरान फिल्म बनाना चाहते थे और आम तौर पर वन विभाग उस समय शूटिंग करने की अनुमति नहीं देता है क्योंकि यह सफारी का संचालन करना लगभग असंभव होता है। जून से अक्टूबर तक गीर बंद रहता है। लेकिन हम बिमारी के प्रकोप के बावजूद ऐसा करने में सक्षम हुए। सीरीज में बतौर मेजबान प्रसिद्ध पशु सर्जन स्टीव लियोनार्ड नजर आते हैं। उन्होंने अन्य प्रजातियों के साथ काम किया है और वह जानते हैं कि किस प्रकार तंजानिया में शेरों का उपचार किया गया था।

❒ वायरस भारत में कैसे आया?

बिमारियों के प्रसारित होने का मुख्य कारण है प्रजीतियों के बीच इसका प्रसारित होना। मिडिल इंस्टर्न रेस्पिरेटरी सिंड्रोम, इबोला और एच1एन1 स्वाइन फ्लू.... सभी रोग इंसान तक पहुंचने से पहले जानवरों के बीच से एक दूसरे तक पहुंचे हैं। इसी प्रकार, अन्य प्रजातियों के बीच में एक चैन होती है। नेशनल पार्क के आसपास के इलाकों में रहने वाले पालतू कुत्ते बीमारी निरंतर प्रसार के लिए जिम्मेदार थे। यह बिमारी ने हवा के जरिए संक्रमित किया है और शरीर के स्त्रावण को प्रभावित किया है। लक्षणों में आम तौर पर तेज बुखार आना , आखों में जलन होना, नाक बहना व खांसी होना शामिल है। अब यह कि वे जानते हैं कि इसी प्रकार का कुछ हो सकता है, वे इलाके के आसपास जानवरों को टीका लगाने का तरीका अपना रहे हैं। गीर जंगलों से स्वस्थ शेरों को वैकल्पिक स्थान पर भी भेजा गया है। सीडीवी वैक्सीन के शॉटस भी अमरीका से आयातित हुए । उन्होंने शेरों की गतिविधियों पर नियमित निगाह रखी है।

❒ क्या जंगल में जानवरों के करीब फिल्म बनाने से उन्हें परेशानी नहीं होती है? वे कौन से नियम व प्रावधान थे जिनका आपको पालन करना पड़ा?

मैं पिछले एक दशक से वन्य जीवन पर फिल्म बनाती आई हूं और हां, हमें जानवरों को परेशान करने वाला नहीं माना जाता है। कुछ खास नियम हैं जिनका एक फिल्मकार होने के नाते मैं अवश्य पालन करती हूं। पहला नियम है कि आपको उनके आवासों के बहुत करीब नहीं जाना चाहिए। हम निषिद्ध क्षेत्र के पार कभी नहीं जाते हैं। परिणामस्वरूप, जानवरों को फिल्माना कठिन हो जाता है लेकिन तकनीकी उन्नतियों की मेहरबानी है कि, हमारे पास विभिन्न प्रकार के कैमरा लेंस होते हैं– वाईड एंगल, जूम, टेलीफोटा और ऐसे ही अनेक। इससे जानवरों को परेशान किए बगैर सारे क्लोजअप शाट्स लेना आसान होता है। उदाहरण के लिए, अगर वे समूह में आसपास घूम रहे हैं या शावक खेल रहे होते हैं, तो हम उनकी रोजमर्रा गतिविधियों को फिल्माने के लिए लांग लेंसों का प्रयोग करते हैं । हमें बताया गया है कि हम बहुत ज्यादा शोर नहीं करेंगे, वर्ना इससे वे भयभीत हो जाएंगे।

❒ जमीनी चुनौतियां कौन सी रहीं और इससे टीम सदस्यों को संभावना कितना कठिन रहा?

सबसे चुनौती यह थी कि हम मानसून के दौरान शूटिंग कर रहे थे। दिन में तीन बार बारिश होती थी और कैमरों की दृष्टि-क्षमता बुरी तरह से प्रभावित होती है। हमेशा जरूरी नहीं होता है कि शेर भारी बारिश के दौरान अपनी मांद से बाहर आएंगे। हमारे शूटिंग उपकरण बहुत महंगे थे इसलिए हम नहीं चाहते थे कि वे गीले हो जाएं या बारिश के कारण खराब हो जाएं। हम भीग सकते थे मगर हमारे उपकरण, बिलकुल भी नहीं (हंसते हुए)।

मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ नौजवान कैमरामैन हैं। वन्यजीवन के फिल्मांकन में सबसे कठिन बात यह है कि आपको बेहद गलत समयों पर उठ जाना होता है क्योंकि शूट का सबसे अच्छा समय या तो भोर होता है या शाम, सूर्य के अस्त होने से पहले का समय। दिन में यह कठिन हो जाता है क्योंकि जानवर आम तौर पर आराम कर रहे होते हैं। कोई भी गतिविधि नहीं देखी जा सकती। वन्य जीवन का फिल्मांकन उस अर्थ में बहुत चुनौतीपूर्ण है। यह आपसे काफी समर्पण की मांग करता है।

कई दिन ऐसे बीते हें जब हम सिर्फ बारिशों के रुकने का इंतजार कर रहे थे ताकि हम शूटिंग शुरू कर सकें। बतौर एक प्रोड्यूसर, आप अपने साथियों और जिस परियोजना को आपने शुरू किया है, उसकी चिंता करने लगते हैं, लेकिन तभी अचानक एक दिन आपको उत्तम शॉट्स मिल जाते हैं। कहीं कोई तयशुदा शैड्यूल्स नहीं होते हैं, इसलिए यह भारी धैर्य, एकाग्रता व कड़ी मेहनत की मांग करते हैं। मैं सचमुच अपनी टीम के सहयोग व समर्थन के लिए शुक्रगुजार हूं।

❒ नेशनल पार्कों में जमीनी सच्चाइयां क्या हैं जो विभिन्न प्रजातियों के विलोपन की ओर ले जाती हैं? एक आम आदमी संरक्षण में क्या सहायता कर सकता है?

भारत में सबसे बड़ी चुनौती हमारे वन्यजीवन के लिए आवास का सिकुड़ते जाना है क्योंकि भारत बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। आप अपने संरक्षण प्रयासों को एक सफल कहानी बनाना चाहते हैं और आप विशेष प्रजातियों की बढ़ती संख्या देखकर खुश भी हैं लेकिन फिर सवाल उठता है– जगह कहां है? हमारे देश का इतिहास, पुराण और संस्कृति है और हर चीज ने हमें सिखाया है कि हम अन्य प्राणियों के प्रति सहिष्णु हों। हम जानबूझकर वन्यजीवन को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहेंगे लेकिन सिर्फ टकराव की स्थिति के अलावा, यह मूलतः इसके साथ सहअस्तित्व की शिक्षा है जिसे हमारे पुरखों ने अभी तक शानदार ढंग से किया है। हमें जानवरों के लिए गलियारे बनाने चाहिए ताकि उनके पास सुरक्षित रास्ते हों।

बतौर फिल्मकार, मैं आम लोगों में जागरुकता फैला सकती हूं और उन्हें बता सकती हूं कि वे कौन सी चुनौतियां हैं जिनका वे सामना करते हैं। हमें युवा पीढ़ी में कुछ खास मूल्य रोपने की शुरुआत करनी चाहिए और उन्हें अद्भुत वन विविधता के बारे में जानने का अवसर मिले जो भारत में है।

❒ क्या आप कुछ किस्से साझा कर सकती हैं?

हम एक विशेष आदिवासी समूह के साथ शूटिंग कर रहे थे, इसलिए हमें उन्हें बेहतर जानने का अवसर मिला। एक समयावधि के बाद, हम एक शेरनी का अनुसरण कर रहे थे जिसने हाल में शावकों को जन्म दिया था। अन्य शेर भी थे जो इलाके पर कब्जा करना चाहते थे। शेरनी को अपने शावकों को छुपाने के लिए बड़ी मेहनत की, लेकिन धीरे धीरे शावक मारे गए। यह हम सभी के लिए हृदयविदारक घड़ी थी। हम इसमें कुछ भी नहीं कर सकते थे क्योंकि हम प्रवास के तरीकों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते थे। ऐसी घटनाएं हमेशा आपके साथ होती हैं।

(इस सीरीज का प्रीमीयर गत 27 जनवरी, रात 9 बजे एनिमल प्लेनेट और एनिमल प्लेनेट एचडी पर हुआ।)

छोटा नहीं बल्कि उचित

इतिहास में अधिकांशतया, घर ज्यादा संतुलित आकार में होते थे और हम उन छोटे घरों में अत्यंत आरामदायक ढंग से रहते थे। बाद के समय में घर बहुत बड़े हो गए। अब वे फिर से छोटे हैं

कांट छांट करने व आकार को छोटा बनाने के मौजूदा रुझान से, अनेक किताबें हैं जो बताती हैं कि कैसे प्राधिकारों को, जो सचमुच अनिवार्य व प्रिय हैं, सीमित आकार में लाया जाए। यह किताब दिखाती है कि आप किस प्रकार बेहतर ढंग से रह सकते हैं जब वह हो जाता है।

इन डाऊनसाइज: लिविंग लार्ज इन अ स्माल हाऊस,(द टौंटन प्रेस, 2019) लेखक शेरी कून्स घर पर बेहतर ढंग से रहने के व्यवहारिक तरीकों पर ध्यान देती है जब आपने अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर लिया है और ज्यादा सुनियोजित ढंग से रह रहे हैं।

कून्स कहती हैं, ''लोगों को अधिक छोटी जगह पर जाने के बारे में सोचना डराता है, लेकिन हर एक व्यक्ति, जिससे मैंने साक्षात्कार किया, जिसने यह बदलाव किया है, कहता है कि उन्होंने जो किया, उससे करके उन्हें बहुत खुशी हुई। बार बार, लोग आजादी शब्द का इस्तेमाल एक अधिक छोटी जगह में जाने के बारे में समझाने के तौर पर किया करते हैं, यानी ऐसे घर जिनके रख रखाव में कम समय व धन की आवश्यकता होती है।''

कून्स, जो हाल ही में ग्रीनविच कनेक्टिकट में विशालकाय 6800 वर्गफुट वाले घर को छोड़कर, कस्बे के करीब 1400 वर्गफुट के घर में रहने गयी हैं, ने स्वयं इस बदलाव को अनुभव किया है। वह जोड़ती हैं कि अब ये खाली आशियाने मात्र नहीं हरे गए हैं। ''नौजवान लोग, भी जोड़ों में हैं जहां वे दोनों नौकरी कर रहे हैं, वे बच्चे बाद में पैदा कर रहे हैं, वे सक्रिय रहना चाहते हैं और वे सप्ताहांतों पर घर का रखरखाव करने वाले नहीं बनना चाहते हैं। वे नहीं चाहते कि वे घास काटने और अन्य तमाम सारे कामों में न फंस जाएं जो एक बड़े घर में रहने पर करने पड़ते हैं।'' कून्स का कहना है कि अधिक टिकाऊ ढंग से रहना और ऊर्जा लागतों को बचाना भी घर का आकार घटाने के प्रति आकर्षित होने का हिस्सा है। इसीलिए बुढ़ापा आ रहा है। सभी आयुवर्ग के लोग हैं जो मेन फ्लोर पर एक मास्टर बेडरूम या बाधामुक्त शावर्स जैसी खूबियां तलाश रहे हैं। वह कहती हैं, ''हां, अपंग बुजुर्गों को उनकी जरूरत है, लेकिन युवा लोग भी चली आ रही परिपाटी तोड़ते हैं या ऐसी स्थितियां चाहते हैं, जहां वे निर्बाध शॉवर चाहते हैं।''

अमरीका व कनाडा के शहरी व ग्रामीण परिवेश में 33 सुंदर डिजाइनयुक्त छोटे घरों के चित्रों व वर्णनों पर आधारित किताब। यह उन कारकों की जांच करती है जो हर घर को कामयाबी बनाते हैं, उन इमारतों से संबंधित सलाह के साथ, जो उनके घर को नयापन या सुव्यवस्थित रूप देती है।

कुछ कारक, जिनके बारे में कून्स चर्चा करती हैं, एक छोटे घर को अधिक जगह वाला महसूस कराते हैं: उभरी छतें, सुव्यवस्थित खिड़कियां व दीवारों के हल्के रंग।

बहुउपयोगी फर्नीचर, मसलन छोटी किचन टेबलें जो डिनर पे आए मेहमानों के काम भी आ सकती हैं।

बहुउपयोगी कमरे जो उदाहरण स्वरूप, आफिस, बेडरूम या हॉबीरूम का काम कर सकते हैं। किताब में एक ऐसा घर है जिसमें हल्के सामानों के साथ एक गैराज है, दरवाजे सामने और पीछे से खुलते हैं जिससे यह एक मनोरंजक स्थान के रूप में रूपांतरित होकर दुगना उपयोगी हो जाता है। रचनात्क स्टोरेज वाले विचार, मसलन कुर्सियां जो दीवार पर लटकायी जा सकती हैं, सायकिलों के लिए खूंटे बने हैं और सीढ़ियों के नीचे के स्थान या तहखानों का सर्वोत्तम उपयोग बना सकते हैं। फ्यूवर हालवेज, जो अधिक सजीव स्थान होने का अवसर प्रदान करता है।

कून्स विशेष किस्म की छतों (मसलन स्टेंडिंग सीम धातुदार छतें), फ्लोरिंग तथा हीटिंग सिस्टम के बारे में विस्तार से बताती हैं जो अधिक ऊर्जा सक्षम व सस्ती हैं। वह कहती हैं, ''मुख्य बात है एक ऐसा घर होना जो उपयोगिता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया हो, ऊर्जा उपयोग तथा स्थान दोनों के संदर्भ में। मैं इसे छोटे आकार का कहना पसंद करती हूं, लेकिन इसके लिए उचित आकार एक बेहतर शब्द हो सकता है।'' ''इतिहास में अधिकांशतया, घर ज्यादा संतुलित आकार में होते थे और हम उन छोटे घरों में अत्यंत आरामदायक ढंग से रहते थे। बाद के समय में घर बहुत बड़े हो गए। अब रुझान फिर से छोटे घरों की ओर लौट रहा है।''

पेज एक का शेष

कानून को अधिक असरदार बनाने की जरूरत

आपके लिए अधिक चिंताजनक, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाऊंडेशन की रिपोर्ट 'चिल्ड्रेन केन नाट वेट' कहती है कि 2016 तक अदालतों में लंबित पोक्सो मुकदमों की संख्या के आधार पर आधारित हालांकि कोई अतिरिक्त नया मुकदमा नहीं है, मगर कुछ राज्यों को लंबित मुकदमों के निस्तारण में पचास साल से अधिक लग जाएंगे। इसके अलावा, पोक्सो एक्ट, 2002, बच्चों के यौन उत्पीड़न से संबंधित मामलों में साल भर में मुकदमों की सुनवाई पूरी करने की मांग करता है। हालांकि, ताजा नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो की रिपोर्ट दिखाती है कि साल 2018 के अंत तक, 1,08, 129 पोक्सो मुकदमे पंजीकृत हुए, जो कुल दर्ज हुए मामलों का 90.35 फीसदी है, शेष मुकदमें अदालतों में लंबित हैं। ये तथ्य यह दिखाने के लिए पर्याप्त हैं कि किस प्रकार ऐसे मामलों में न्याय करने में देरी हो रही है। आश्चर्य नहीं कि निर्भया दोषियों को फांसी पर नहीं लटकाया गया है।

वकील, सिद्ध विद्या, जो कुछ समय से ऐसे मुकदमों का काम देखती आई हैं, कहती हैं, कि जरूरी है कि बेहतर ढांचा उपलब्ध हो ताकि नाबालिगता का कोई भी दावा सटीक ढंग से सुनिश्चित हो। वह कहती हैं, ''नाबालिगता को सुनिश्चित करने के लिए कानून में विशेष प्रावधान किए गए हैं। एक बोर्ड व एक कमेटी है जो प्रत्यक्ष शारीरिक संरचना के अध्ययन तथा कुछ दस्तावेजों, अगर वे उपलब्ध हैं– मसलन मेट्रिक या अन्य मैट्रिक सर्टीफिकेट, स्कूल, पंचायत व निगम द्वारा जारी किया गया जन्म प्रमाणपत्र के आधार पर आरोपी की उम्र का फैसला करती है। दस्तावेज न होने की स्थिति में चिकित्सा जांच कराई जाती है। यह ऐसे मामलों में जरूरी है जहां किशोर होने का दावा करने वाले व्यक्ति की उम्र उसकी प्रत्यक्ष शारीरिक संरचना व दस्तावेजों से सुनिश्चित नहीं की जा पाती है। बलात्कार का आरोपी इसका फायदा उठाता है। वे नाबालिग होने का दावा करते हैं और मामले को उस प्रक्रिया तक लटकाए रखते हैं जिसके जरिए नाबालिग होना साबित हो सकता है, इसका दावा किसी भी समय किया जा सकता है। मामले के निस्तारण के बाद भी, दोषी इस प्रावधान का सहारा लेन की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, कानून के मुताबिक, किसी चिकित्सा संशय की स्थिति में संदेह का लाभ आरोपी को दिया जाता है। ऐसे प्रावधानों के कारण, वे दोषियों को भी, जो 18 साल से अधिक उम्र के होते हैं, संदेह का लाभ मिलता है। इसके अलावा, दुर्भाग्यवश, न्यायिक प्रक्रिया बहुत सुस्त है। दोषी नाबालिग होने का दावा करते हैं और अपनी उम्र के ठोस प्रमाण के मामले वे संदेह का लाभ पाते हैं। जरूरत है कि इसे सुनिश्चित करने का कि, नाबालिग होने के किसी भी दावे को सटीक ढंग से व तेजी से फैसला हो, बेहतर ढांचा उपलब्ध हो।''

ऐसे मामले हैं जिनमें नाबालिग होने का दावा करने वाले दोषी प्रत्यक्षतया बालिग दिखते हैं लेकिन उनके पास स्कूल का मेट्रिक प्रमाणपत्र होता है जो उन्हें नाबालिग होना प्रमाणित करता है। यह अनुभव का मामला है कि आज भी ऐसे माता पिता है जो विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में लाभ हासिल करने के लिए जानबूझकर स्कूल में दाखिले के समय अपने बच्चे की उम्र छिपाते हैं।

कानून का दुरुपयोग भी होता है। ऐसे अनेक लोग हैं जो वैज्ञानिक प्रमाणपत्र होने के बावजूद सलाखों के पीछे हैं क्योंकि कानून पीड़ित के वक्तव्य को सजा के लिए पर्याप्त समझता है। वकील साहिबा कहती हैं, ''एक मामले में, जिसे मैंने संभाला था, एक स्कूल टीचर को सजा मिली, बावजूद इसके कि उसके पक्ष में डीएनए रिपोर्ट थी जिसने साबित किया थी कि पीड़ित लड़की उससे गर्भवती नहीं हुई थी। उसने जेल में आत्महत्या कर ली, उसके बच्चे स्कूल से बाहर हैं। उस मामले में सरकारी वकील ने अन्य व्यक्तियों के डीएनए नमूने लेने की परवाह नहीं की जो शायद पीड़ित लड़की के गर्भवती होने का कारण हो सकते थे। समूची जांच यह साबित करने में लगी हुई थी कि शिक्षक दोषी है लेकिन सरकारी वकील द्वारा यह पता लगाने का कोई प्रयास नहीं किया गया कि किसने 13 साल की बच्ची को गर्भवती बनाया।''

जब तक पुलिस और न्यायपालिका को उत्तम ढांचे से लैस व संवेदनशील नहीं किया जाता है, किसी भी स्तर पर कानून व सजा परिणाम प्रदान नहीं करेगी जहां तक मुकदमों के लंबित होने तथा मुकदमों के त्वरित निस्तारण का मामला है। वकील व पोक्सो विशेषज्ञ, पूजा सरीन कहती हैं कि अभिभावकों व बच्चों में जागरुकता का अभाव अपराधों की बढ़ती संख्या का मुख्य कारण है।

वह अपनी बात में जोड़ती है जब तक पुलिस और न्यायपालिका को उत्तम ढांचे से लैस व संवेदनशील नहीं किया जाता है, किसी भी स्तर पर कानून व सजा परिणाम प्रदान नहीं करेगी जहां तक मुकदमों के लंबित होने तथा मुकदमों के त्वरित निस्तारण का मामला है।

वकील व पोक्सो विशेषज्ञ, पूजा सरीन कहती हैं कि अभिभावकों व बच्चों में जागरुकता का अभाव अपराधों की बढ़ती संख्या का मुख्य कारण है।

''विभिन्न प्रकार के अपराध होते हैं जिनके बारे में अभिभावकों को जानना चाहिए। ज्ञान शक्ति होता है। अनेक मामले नजरंदाज हो जाते हैं क्योंकि या तो बच्चा या अभिभावक अज्ञानता में रह रहे हैं, जो हुआ उससे अंजान रहना गलत था। पहला, पायडोफीलिया। यह एक मनोरोगी बीमारी है जिसमें एक किशोर रजस्वला बच्चों के प्रति एक प्रमुख या विशेष यौनिक भावना का अनुभव करता है। कोई ऐसा व्यक्ति जिसे पायडोफिलीया से पहचाना जाता है, कम से कम 16 वर्ष का माना जाता है तथा बच्चे से कम से कम पांच वर्ष बड़ा माना जाता है। ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट नहीं होती हैं हालांकि वे अक्सर होती हैं, खासतौर पर बोर्डिंग स्कूलों में, घरों के करीबी सानिध्य में, या बढ़ते चचेरे रिश्तेदारों में। दूसरा है, सोडोमी या लौंडेबाजी। यह ऐसा अपराध है जिसके बारे में अधिकांशतया रिपोर्ट नहीं किया जाता है। यह नर बालउत्पीड़न से संबंधित है– पुरुष द्वारा पुरुष का उत्पीड़न तथा शोषण। ऐसे मामलों में, अधिकांश पीड़ित बिलकुल बोल नहीं पाते हैं। इसके अलावा, केवल एक छोटा वर्ग हमारे संविधान में – भारतीय दंड संहिता की धारा 377– इस संबंध के प्रति समर्पित है। तीसरा है, शिश यौन उत्पीड़न। भारत में यह चिंताजनक दर से बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि भारत में आपराधिक नियम कानून अपर्याप्त हैं, यानी काफी कुछ ऐसी संवेदनशील व जटिल समस्याओं से निपटने के मामले में।'' बच्चों का किसी भी प्रकार का उत्पीड़न न केवल शारीरिक या यौनिक उत्पीड़न तक सीमित है, बल्कि यह उन्हें मानसिक व भावनात्मक रूप से भी प्रभावित करता है। ऐसे मामलों को संभालना कोई बच्चों का खेल नहीं है।

वह कहती हैं, आम तौर पर बच्चे अनौपचारिक होने तथा घटनाके के बारे में बात करने में समय लेते हैं। हमेशा संभावनाएं होती हैं कि सफाई पक्ष उन्हें यौनिक संकेतार्थों से भटका सकता है क्योंकि वे यौनिक शब्दावलियों के अभ्यस्त नहीं होते हैं और घटनाओं को समझाने में अक्षम होते हैं।

अभिनेत्री सनी लियोन अब डिजिटल प्लेटफार्म पर नये कामेडी शो में नजर आएंगी, इस बारे में वो कहती हैं कि नए प्रोजेक्ट को लेकर वह बहुत ज्यादा उत्साहित हैं।
- सनी लियोन

'आपको अपने निर्णयों के कारण कुछ मूल्य तो चुकाना ही पड़ता है'

वैलेंटाइन्स डे पर अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने लोगों से घृणा की संस्कृति न अपनाने और देश से प्यार के चलते अन्याय के प्रति शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कराने की अपील की है। 'इंडिया माइ वैलेंटाइन' आयोजन में इस बार कई कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। प्रस्तुत है पायनियर संवाददाता चहक मित्तल की ये रिपोर्ट-

भगत सिंह के आदर्श वाक्य, 'मेरी दुल्हन तो आजादी है' आज इतने दशकों के बाद भी प्रासंगिक हैं। उनके इन शब्दों से पता चलता है कि देश के प्रति उनका प्यार किसी भी दूसरी भावना से अधिक था। देश के प्रति उनका प्रेम आज अविस्मरणीय हो गया है।

इस वैलेंटाइन्स डे पर अभिनेत्री स्वरा भास्कर और इंडस्ट्री के उनके कुछ अन्य मित्र इसी भावना से भारत के प्रति अपने वैलेंटाइन्स प्रेम को प्रदर्शित करने का प्रयास करेंगे। वे देश को ही अपना वैलेंटाइन मानते हैं और इंडिया माई वैलेंटाइन में वो महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू, मौलाना आजाद, वल्लभ भाई पटेल और खान अब्दुल गफ्फार खां, अशफाकुल्लाह खान तथा राम प्रसाद बिस्मिल, सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख, अंबेदकर और भगत सिंह जैसे देश भक्तों की स्मृति को लोगों के मस्तिष्क में पुनर्जीवित करने का प्रयास करेंगे। वे भारत को सहिष्णुता, स्वीकार्यता वाला देश मानते हैं जिसमें उसके सर्वाधिक उत्पीड़ित बंधु भी सम्मान के साथ जी सकें। वे भारत को ऐसा बनाने का स्वप्न देखते हैं जैसा इसके कई स्वतंत्रता संघर्ष करने वाले वीरों ने बनाने की सोची थी।

पिछले कई महीनों से नागरिकता संशोधन अधिनियम और इसके एनआरसी से जुड़ाव को लेकर कई विरोधी स्वर उठ रहे थे। इन आंदोलनों को शांत कराने के क्रम में लोगों पर लाठीचार्ज, टियरगैस के प्रयोग के अलावा कई प्रमुख विश्वविद्यालयों के प्रशासन तथा छात्रों का भी उत्पीड़न किया गया है। आज देश के युवा वाद-विवाद और विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय हैं जबकि उनमें से कुछ लोग परदे के पीछे से विचारों से आंदोलनों को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं। स्वरा का उद्देश्य ऐसे ही लोगों को प्रेरित करने का है जो घृणा के इस वातावरण से सहमत नहीं हैं लेकिन वे किसी प्रकार का कटु संदेश देने में भी विश्वास नहीं करते।

वो बताती हैं, 'भारत के लोग अनवरत रूप से चिड़चिड़े होते जा रहे हैं। वे एक बड़े हॉल जैसे होते जा रहे हैं जिसमें कोई भी स्वर प्रतिध्वनि करता रहता है। अब लोग भिन्न विचार को सुनना नहीं चाहते। ऐसे भी लोग हैं जो विरोध प्रदर्शनों में न जाकर उसी थीम पर हो रहे किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में जाते हैं। ये ठीक हैं। इसका ये अर्थ नहीं है कि वे सक्रिय नहीं हैं या अराजनीतिक हैं या फिर उन्हें देश के संविधान या लोगों के अधिकार के उल्लंघन की जरा भी चिंता नहीं है। हम ऐसे ही लोगों को संबोधित करना चाहते हैं जो घृणा की विचारधारा से सहमत नहीं हैं लेकिन साथ ही किसी भी आक्रामक राजनीति या विरोधप्रदर्शन का हिस्सा भी नहीं बनना चाहते। यही कारण है कि हम इस आयोजन को कर रहे हैं।'

सोशल मीडिया पर अनेक ऐसे लोग सक्रिय हैं जो अपने ढंग से विरोध के स्वर व्यक्त कर रहे हैं, फिर चाहे वे राजनीतिक समूहों में विरोध प्रदर्शनों में सशरीर उपस्थित न भी हो रहे हों।

'उन्हें राजनीतिक भाषणों को सुनना या वहां उपस्थित होना असहज कर देने वाला अनुभव लग सकता है। लेकिन वे किसी संगीत नाइट या स्टैंडअप नाइट या फिर ऐसे ही किसी सांस्कृतिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं क्योंकि ऐसा करके भी वे भी किसी न किसी ढंग से देश के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। हमारे राजनीतिक या धार्मिक विभेद हो सकते हैं लेकिन हमारे बीच संपर्क सूत्र बना रहना चाहिये। इंडिया से प्यार तो है न? बहुत है न? हम एकता की इसी भावना को आगे बढ़ाना चाहते हैं कि अंतत: तो भारत ही हमारी वैलेंटाइन है। हमनें यही सोचकर इसे 'इंडिया, माई वैलेंटाइन' नाम दिया।'

> 'कला में एकता स्थापित करने की क्षमता है क्योंकि ये हमारे दिलों को प्रिय है और हमारी भावनाओं से एकात्मता स्थापित कर लेती है। गंभीर से गंभीर राजनीतिक समस्या को कला के माध्यम से एक भावुक कहानी के माध्यम से प्रेषित किया जा सकता है। सकारात्मक कला हमें करूणामय बनाती है। ये मंच उभरते कलाकारों के लिए एक श्रेष्ठ प्लेटफॉर्म साबित हो सकता है।'

कलाकार विरोधकर्ताओं के साथ एकजुटता प्रदर्शन करने के लिए विविध ढंग अपना रहे हैं। ये फिल्म, संगीत, काव्य या फिर शायरी, कला या फिर विरोध स्थल पर केवल खड़े होने के माध्यम से भी किया जा सकता है। हाल ही में प्रतीक कुहद, शुभा मुद्गल और टी एम कृष्णा ने शाहीन बाग में महिलाओं तथा बच्चों के चल रहे प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी प्रस्तुतियां दी थीं। कला किसी भी विरोध प्रदर्शन को कुछ विशेष प्रभाव दे सकती है जो आक्रामक नही होते हुए भी बहुत कुछ कह जाती है। स्वरा कला की इसी क्षमता का प्रयोग विरोध को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए करना चाहती हैं। उनके अनुसार, 'कला में एकता स्थापित करने की क्षमता है क्योंकि ये हमारे दिलों को प्रिय है और हमारी भावनाओं से एकात्मता स्थापित कर लेती है। गंभीर से गंभीर राजनीतिक समस्या को कला के माध्यम से एक भावुक कहानी के माध्यम से प्रेषित किया जा सकता है। सकारात्मक कला हमें करूणामय बनाती है। ये मंच उभरते कलाकारों के लिए एक श्रेष्ठ प्लेटफॉर्म साबित हो सकता है।'

अभिनेत्री ने बताया कि 12 से 15 नगरों में हम ये आयोजन करेंगे और इसके माध्यम से हम देश के लोगों का विश्वास एकता और आपसी भाईचारे में लौटाने में अवश्य सफल होंगे। ये आयोजन उत्पीड़ित वर्ग के लिए हैं। ये उत्पीड़न कैसा है? के उत्तर में स्वरा बताती हैं, 'देश के संविधान के बनते समय इसमें असमानता और उत्पीड़न पर बात की गई थी। देश में वंचित बच्चे हैं। देश के संविधान का उद्देश्य ऐसे बच्चों को मुख्यधारा में वापस लाना था। आज हम वोट के अधिकार से वंचित करने जैसी बातें कर रहे हैं फिर चाहे वो सीएए, एनआरसी या फिर स्वास्थ्य, किसान, सफाई कर्मचारी: ऐसा वर्ग आपको हर जगह मिल जाएगा। कई कलाकारों ने भी इसपर अपने विचार व्यक्त किये हैं। हम इसके माध्यम से संविधान के प्रति अपनी निष्ठा पुन: व्यक्त करना चाहते हैं जिसमें सार्वभौमिकता, शांति और एकता की बात की गई थी।' उनके लिए प्यार का अर्थ 'भाईचारा, एकता और करुणा है। यदि आप प्रेम की भाषा नहीं बोलते तो आप चौड़ी होती सांप्रदायिक दरार को पाट नहीं सकते।'

स्वरा सोशल मीडिया पर अपने विचारों तथा वक्तव्यों के लिए सर्वाधिक ट्रोल होने वाली अभिनेत्री हैं। उन्हें ट्रोल होने काम तथा सामाजिक आयोजनों से वंचित करने जैसे अनुभवों से भी गुजरना पड़ा है। वो बताती हैं, 'जीवन में अपने विकल्पों के चयन के कारण आपको कुछ न कुछ मूल्य तो चुकाना ही पड़ता है। लेकिन मेरे विषय में ये कई बार भौतिक रूप से भी हुआ है। मुझसे काम भी वापस लिया गया। इसके अलावा घृणा, ट्रोलिंग, निशाना बनाया जाना, नकारात्मक और फर्जी समाचार प्रसारित करना आदि भी उन हथकंडों में शामिल था। मुझे उन मुद्दों, जिनका मैं विरोध या समर्थन करती हूं, के अलावा इन सब चीजों का भी सामना करना पड़ा। लेकिन हम जब भी किसी मुद्दे पर अपनी राय बनाते हैं तो हम ये भी निर्णय कर लेते हैं कि हमें उनके साथ खड़े रहना होता है।

(ये आयोजन दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पंजाब, बंगलुरू, हैदराबाद में 16 फरवरी तक आयोजित होंगे)

गोविंदा ने किया यूट्यूब पर डेब्यू, हीरो नं 1 रखा चैनल का नाम

हिंदी सिनेमा के हीरो नं 1 यानी गोविंदा ने यूट्यूब चैनल की शुरुआत कर दी है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक एक्टर ने अपने चैनल का नाम 'गोविंदा नं 1' रखा है। उन्होंने कुछ समय पहले ही वीडियो कम्यूनिटी एप टिक-टॉक पर डेब्यू किया था।

लंबे समय से फिल्मों से दूर गोविंदा अब यूट्यूब वीडियोज के जरिए फैंस से रूबरू होंगे। चैनल लॉन्च पर उन्होंने कहा कि, हर बार मैं इस बात को पुख्ता रखता हूं कि मेरे फैंस जिन्होंने मुझपर हमेशा अपना प्यार बनाए रखा, उनका मनोरंजन करता रहूं। इसके लिए सोशल मीडिया से अच्छी कोई जगह नहीं हो सकती। गोविंदा आखिरी बार बीते साल रिलीज हुई 'रंगीला राजा' में नजर आए थे।

गोविंदा से पहले आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा, जैकलीन फर्नांडिस, कार्तिक आर्यन, अजय देवगन, माधुरी दीक्षित, अर्जुन कपूर समेत कई अन्य सेलेब्स यूट्यूब चैनल के जरिए फैंस को एंटरटेन करते रहते हैं।

यूट्यूब के साथ ही पॉपुलर वीडियो एप टिक-टॉक पर भी सेलेब्स की मौजूदगी बड़ी संख्या में है। माधुरी दीक्षित, शाहिद कपूर, रितेश देशमुख, सनी लियोन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, यामी गौतम, जैकी भगनानी, कपिल शर्मा समेत कई अन्य सलेब्स टिक-टॉक वीडियोज पोस्ट करते रहते हैं।

माही गिल दूरदर्शन में बुलेट की सवारी करती आएंगी नजर

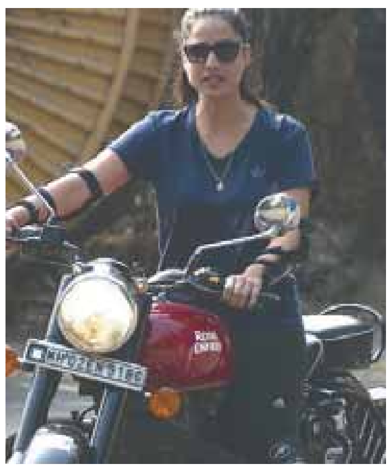

फिल्म दूरदर्शन में माही गिल ने बुलेट चलाना सीखा है। दूरदर्शन 80 के दशक के बैकड्रॉप पर आधारित है। जिसमें मनु ऋषि चड्ढा माही गिल के साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म में वे बुलेट की सवारी करती नजर आएंगी। माही अपने सीन्स को शूट करने के लिए बॉडी डबल या फेक शॉट्स नहीं करना चाहती थीं। इसके लिए केवल 2 दिनों में बाइक सीखी। 28 फरवरी को रिलीज हो रही है मूवी फिल्म दूरदर्शन 28 फरवरी को रिलीज हो रही है। फिल्म कॉमेडी ड्रामा है। जिसे गगन पुरी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी में 80 और 90 दशक का माहौल दिखाया जाएगा।

सिंगर रिहाना को मिला प्रेसीडेंट अवार्ड

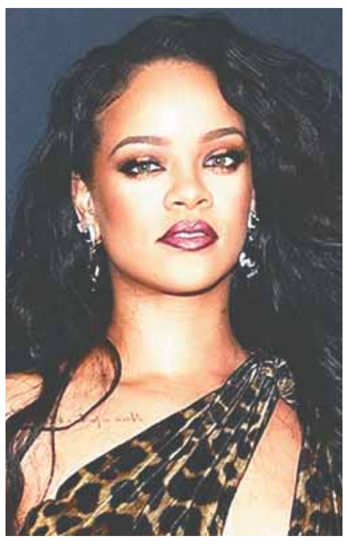

गायिका रिहाना को राष्ट्रपति पुरस्कार से विभूषित किया गया है। ये पुरस्कार उन्हें दिया जाता है जो विषेष उपलब्धियां अर्जित करते हैं और सम्मानित सार्वजनिक जीवन जीते हैं। ये पुरस्कार उन्हें 51वें नेषनल असोसियेषन फॉर द अडवांसमेंट ऑफ कलर्ड पीपल, नैक्प, इमेज अवार्ड मे प्रदान किये गए। ये सम्मान वो कैलिफोर्निया में 22 फरवरी को प्राप्त करेंगी।

रिहाना ने न केवल एक कलाकार और संगीतज्ञ के रूप में सफल कॅरियर का आनंद लिया है बल्कि सार्वजनिक जीवन में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 'अपने फेंटी नामक कॉस्मेटिक ब्रांड की उपलब्धियों की बात हो या फिर परोपकार के लिए उनके बढ़ते योगदान की चर्चा। वो सदैव से ही ऐसा चरित्र निभाती रही हैं जिसमें लोगों के प्रति सम्मान, न्याय के लिए समर्पण होता है और यही बात उन्हें राष्ट्रपति मेडल पाने का अधिकारी बनाती है, नैक्प के सीईओ डेरिक जॉन्सन ने बताया।

सोशल मीडिया पर अपने नए अंदाज में छाई लोपामुद्रा

मॉडल और रिएलिटी शो 'बिग बॉस' की पूर्व प्रतिभागी लोपामुद्रा राउत की एक नई तस्वीर इस वक्त इंटरनेट पर वायरल है, जिसमें वह ब्लैक बिकिनी में नजर आ रही हैं। अपने इस नए लुक में लोपामुद्रा बेहद फिट नजर आ रही हैं। अभी कुछ समय पहले लोपामुद्रा ने अपनी कुछ और तस्वीरें साझा की थीं, जिसमें वह अपने फिगर को फ्लांट करते नजर आईं। इस इंडोर शूट को दिल्ली में किया गया। लोपामुद्रा ने अपने लुक को लाल रंग की लिपस्टिक के साथ पूरा किया।सोशल मीडिया पर एक उपयोगकर्ता ने इन तस्वीरों पर कमेंट करते हुए लिखा, 'आप बहुत हॉट हैं।' किसी और ने लिखा, 'शानदार।'

अनामिका ने 'विद्या' में नकारात्मक भूमिका निभाने पर बात की

अभिनेत्री अनामिका कदंब फिलहाल टेलीविजन धारावाहिक 'विद्या' में नकारात्मक भूमिका निभा रही हैं और इस बार एक अलग तरह का किरदार निभाने के चलते वह बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं कार्यक्रम में रंजना नामक एक नकारात्मक भूमिका निभा रही हूं। पहली बार मैं किसी नकारात्मक किरदार को निभा रही हूं, क्योंकि मुझे हमेशा सकारात्मक भूमिकाएं ही मिली हैं। रंजना दबंग, बेबाक और निडर है। यह मेरे लिए बिल्कुल नया है।' 'विद्या' में अपने किरदार को लेकर उन्हें जिस तरह की प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, अनामिका ने उनके बारे में भी बात कीं। वह कहती हैं, 'मैं प्रतिक्रियाओं से अभिभूत हूं। अब मुझे कुछ और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की तलाश है जैसे कि कोई खेल व्यक्तित्व या महिलाओं पर केंद्रित कुछ या किसी मशहूर व्यक्तित्व की बायोपिक इत्यादि।' 'विद्या' का प्रसारण कलर्स टीवी पर होता है।

'लव आजकल 2' ने पहले दिन किया 12.40 करोड़ रुपए का कारोबार

14 फरवरी वैलेंटाइन डे पर रिलीज हुई कार्तिक आर्यन, सारा अली खान स्टारर 'लव आजकल 2' ने पहले दिन 12.40 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। फिल्म का स्क्रीनप्ले, डायरेक्शन और प्रोडक्शन इम्तियाज अली ने किया है। फिल्म में रणदीप हुड्डा और आरुषी शर्मा भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म कार्तिक आर्यन के करियर की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है।

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरन आदर्श के मुताबिक हाल ही में रिलीज हुई बड़ी फिल्मों से की तुलना में 'लव आजकर 2' ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पहले दिन की कमाई के मुताबिक अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' ने पहले दिन 15.10 करोड़ रुपए कमाए थे। वहीं, वरुण धवन और श्रद्धा कपूर की डांसिंग फिल्म 'स्ट्रीट डांसर' ने 10.26 करोड़ रुपए का कारोबार किया था।

साल 2009 में आई 'लव आज कल' भी बड़ी हिट साबित हुई थी। फिल्म में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में थे। अंग्रेजी वेबसाइट बॉलीवुड हंगामा के मुतबाकि फिल्म ने पहले दिन 8 करोड़ रुपए से शुरुआत की थी। गौरतलब है कि यह फिल्म 66.56 करोड़ रुपए की कमाई के साथ 2009 की दूसरी सबसे सफल फिल्म थी। आमिर खान स्टारर '3 इडियट्स' 203 करोड़ रुपए के बिजनेस के साथ पहले नंबर पर रही थी।

मणिरत्नम की तमिल फिल्म 'पौनियिन सेल्वन' में नजर आएंगी ऐश्वर्या

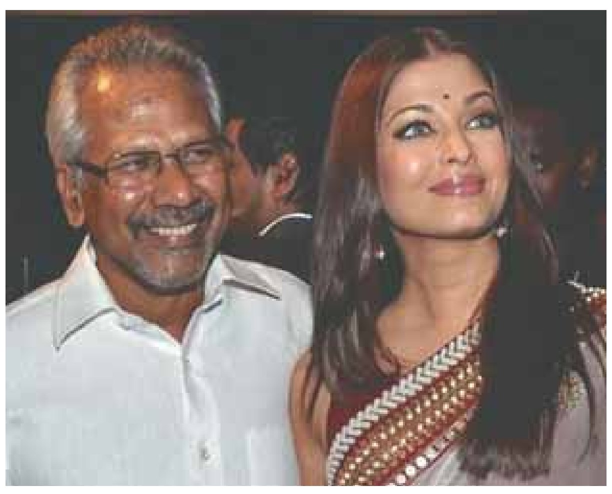

ऐश्वर्या राय बच्चन जल्द ही तमिल फिल्म 'पौनियिन सेल्वन' से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। खुद ऐश्वर्या ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बताया। फिल्म में जयम रवि, विक्रम, मोहन बाबू, कीर्ति सुरेश, अनुष्का शेट्टी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि फिल्म की रिलीज के बारे में मेकर्स ने कोई भी जानकारी नहीं दी है।

चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंची ऐश्वर्या ने बताया कि, मैं 'पौनियिन सेल्वन' का हिस्सा हूं और मणि रत्नम के प्रोजेक्ट में शामिल होना सम्मान की बात है। फिल्म के बारे में जानकारी देने पर उन्होंने कहा कि, मणि सर मेरे गुरु हैं, मैंने अपनी फिल्म 'इरुवर' उन्हीं के साथ की थी।

निभा सकती हैं विलेन का किरदार

यह उनकी इच्छा है कि वे दुनिया को इस फिल्म के बारे में जानकारी कब देना चाहते हैं। गौरतलब है कि ऐश्वर्या फिल्म में डबल रोल निभाती नजर आएंगी। इसका निर्माण लायका प्रोडक्शन कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐश्वर्या फिल्म में एक ऐसी महिला के किरदार में नजर आ सकती हैं, जो ताकत के लिए पागल है। रिपोर्ट्स के अनुसार वे फिल्म में चोला मंडलम के खजांची पेरिया की पत्नी नंदनी के रोल में नजर आएंगी।

पेरिया का किरदार तेलुगु स्टार मोहन बाबू निभा सकते हैं। एक्ट्रेस आखिरी बार अनिल कपूर और राजकुमार राव के साथ बॉलीवुड फिल्म 'फन्ने खां' में नजर आई थीं। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी।